सूर्योदय 5:43 सूर्यास्त 7:11

आज का तापमान

शिमला	16.4 न्यू	21.4 अधि
धर्मशाला	16.2 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,499
निफ्टी	24,570

सोना 1,48,000 चांदी 2,26,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 8 अगस्त 2026 | 24 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 105, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

भारत बोला- एफसीआरए भारत का आंतरिक मामला

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत सरकार ने एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन) संशोधन विधेयक पर साफ कर दिया कि यह भारत का आंतरिक मामला है। किसी दूसरे देश को इस पर कमेंट करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों जिनमें अमेरिका भी शामिल है। वहां विदेशी फंड और विदेशी अंशदान को नियंत्रित करने के लिए कानून और नियम मौजूद हैं। दरअसल भारत ने अमेरिकी सांसद रिले मूर की टिप्पणी का जवाब दिया है। मूर ने 4 अगस्त को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था कि एफसीआरए बिल ईसाइयों के खिलाफ सीधा हमला है। एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन) संशोधन विधेयक इसी साल बजट सत्र में लोकसभा में पेश किया गया था। मानूसन सत्र में इस पर चर्चा होनी है। सूत्रों के मुताबिक अमित शाह चर्चा का जवाब दे सकते हैं।

डाबर के '100% प्योर' दावे वाले प्रोडक्ट्स पर बैन टला

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने डाबर को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने एफएसएसएआई के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें '100% प्योर', '100% नेचुरल' और '100% ऑर्गेनिक' जैसे दावों वाले उत्पादों की बिक्री तुरंत रोकने को कहा था। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने केंद्र और एफएसएसएआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जब तक मामले में अगली सुनवाई नहीं होती, तब तक एफएसएसएआई का बैन ऑर्डर सस्पेंड रहेगा।

थाईलैंड: 9वीं के छात्र ने आठ लोगों की हत्या की

एजेंसी, बैंकॉक। थाईलैंड के एक स्कूल में शुक्रवार को 9वीं के छात्र ने फायरिंग कर दी। इसमें 3 शिक्षक व 3 छात्रों समेत 6 की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हैं। छात्र ने खुद को भी गोली मार ली और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना राजधानी बैंकॉक के पास डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। स्कूल पहुंचने से पहले ही छात्र ने घर में दादा-दादी की हत्या कर दी थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए। फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। फिलहाल पुलिस हमले की वजहों की जांच कर रही है।

सीएम विजय की पत्नी ने तलाक की अर्जी वापस ली

एजेंसी, चेंगलपट्टू। तमिलनाडु के सीएम विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में दाखिल तलाक की अर्जी वापस ले ली है। शुक्रवार को इस केस की सुनवाई थी, इसमें वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुईं। उन्होंने जज सुजाता को अर्जी वापस लेने की जानकारी दी। जज ने करीब 15 मिनट तक उनसे पूछताछ की और फिर अर्जी स्वीकार करते हुए तलाक का केस खत्म कर दिया। संगीता ने इसी साल फरवरी 2026 में तलाक की अर्जी दायर की थी। उन्होंने विजय पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। विजय ने इसी साल 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की शपथ ली थी।

सीबीआई बोली–महीनों पहले हुई नीट पेपर लीक की साजिश

एनटीए एक्सपर्ट्स ने पेपर के सवाल किए याद, बिचौलियों के जरिए छात्रों तक पहुंचाए

एजेंसी, नई दिल्ली। नीट–यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। एनटीए के एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे। सीबीआई ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है। चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई।

इसके मुताबिक, एक्सपर्ट्स एनटीए ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों व कोचिंग नेटवर्क के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। सीबीआई ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

दाखिल की है। इनमें एनटीए के तीन एक्सपर्ट्स शामिल हैं। आरोप है कि तीनों ने पेपर तैयार करने और मॉडरेशन के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर पेपर लीक किए।

लीक पेपर टेलीग्राम, वॉट्सएप, पीडीएफ और अन्य डिजिटल माध्यमों से भी फैलाए गए। सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक, नीट पेपर लीक किसी एक व्यक्ति की साजिश नहीं थी, बल्कि एनटीए एक्सपर्ट्स, प्राइवेट कोचिंग संचालकों, बिचौलियों और कुछ छात्रों की मिलीभगत से पूरा नेटवर्क तैयार किया गया था। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा से कई महीने पहले ही कोचिंग संचालकों और बिचौलियों ने एनटीए के तीनों एक्सपर्ट्स से संपर्क साध लिया था। इनके बीच लगातार बातचीत, मुलाकातें और पैसों का लेन–देन हुआ, जिसके जरिए पेपर लीक की पूरी साजिश रची गई।

सीबीआई को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, चैट रिकॉर्ड मिले

सीबीआई का कहना है कि फोरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, चैट रिकॉर्ड, बरामद दस्तावेज और गवाहों के बयान से पूरे नेटवर्क की पुष्टि हुई। चार्जशीट में मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार और यश यादव को इस नेटवर्क की अहम कड़ी बताया गया है। ये लीक पेपर आगे छात्रों तक पहुंचाते थे। सीबीआई के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम 2025 के आखिर और 2026 की शुरुआत का है। जब नीट के पेपर तैयार किए जा रहे थे। चार्जशीट में कहा गया है कि एक आरोपी ने लीक पेपर के बदले बिचौलिए को अपने 10वीं और 12वीं के सर्टिफिकेट्स और ब्लैंक चेक भी सिक्योरिटी के तौर पर दिया था। एजेंसी का दावा है कि इससे साफ होता है कि यह पूरी तरह पैसों का सौदा था।

लोकसभा में एमएसएमई संशोधन बिल पास

किरेन रिजिजू बोले- अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं

एजेंसी, नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एमएसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं। कांग्रेस ने लोकसभा और राज्यसभा के अपने सभी सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने कहा है कि इन दिनों संसद में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी, इसलिए सभी सांसदों की उपस्थिति जरूरी है। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों से भी अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह संसद में एफसीआरए संशोधन विधेयक और परिसीमन से जुड़े अहम प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है।

मोदी की टीएमसी–उद्धव गुट के बागी सांसदों से मुलाकात, कहा– चिंता करने की जरूरत नहीं

पीएम मोदी ने एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग की। यह बैठक पीएम आवास में हुई। इसमें करीब 45 सांसद शामिल हुए। जिनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए थे। वहीं, शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सांसद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। पीएम ने संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं। आपको किसी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

◆ **कांग्रेस ने सांसदों को व्हिप जारी किया, 10 से 12 अगस्त तक सदन में रहने के निर्देश**

सुप्रीम कोर्ट बोला– सांसद अंडे फेंके जाने से डरते हैं, स्वतंत्रता सेनानियों ने गोलियां खाईं

एजेंसी, नई दिल्ली। नफरत फैलाने वाले भाषण के एक मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को पश्चिम बंगाल पुलिस के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी ने सीने पर गोलियां खाई थीं, लेकिन सांसदों को अंडों से डर लग रहा है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। महुआ मोइत्रा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा, 'कानून के तहत महुआ मोइत्रा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पुलिस के समक्ष पेश होने का कानूनी अधिकार है।' जाने से डरते हैं। महुआ मोइत्रा की तरफ से कहा गया, 'पुलिस के नोटिस के मुताबिक मुझे अपने निर्वाचन क्षेत्र के थाने में पेश होना है। पिछली बार जब मैं वहां गई थी, तो दो बातें हुई थीं। पहले मुझे धमकियां मिलीं कि (मुझ पर) अंडे फेंके जाएंगे आदि और दूसरी बार, वास्तव में अंडे फेंके गए।

◆ **महुआ मोइत्रा की हेट स्पीच से जुड़ी याचिका की खारिज**

'थैंक्यू रेखा दीदी' : दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए जताया सीएम का आभार

महिला सशक्तीकरण के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध : रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत से पूर्व शुक्रवार को विधानसभा परिसर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का गर्मजोशी से स्वागत किया।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पुष्पमालाएं पहनाकर और ढोल–नगाड़ों की गूंज के बीच उनका अभिनंदन किया व दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति अपना विश्वास और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना दिल्ली की महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिलाओं

का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। दिल्ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मसम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह योजना लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी और महिलाओं को नए अवसर प्रदान करेगी।

पटना में एक्सीडेंट में युवक की मौत पर बवाल, 10 गाड़ियां फूंकीं

एजेंसी, पटना। पटना में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास शुक्रवार सुबह को हुई, जहां तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने उस बस को आग लगा दी।

फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उसे रोक दिया। इसके बाद हालात और बिगड़ते चले गए। मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तनाव और बढ़ गया। गुस्साई भीड़ ने 2 पुलिस गाड़ियों, बसों और बाइक समेत करीब 10 वाहनों में आग लगा दी। ट्रैफिक पुलिस पोस्ट जला दी। नेशनल हाईवे–30 पर जाम लगा दिया। पत्रकारों से मारपीट की। मौके पर 9 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 26 साल का मनीष पटना में फ्लेक्स का काम करता था। वो अपने गांव से रोज पटना आता–जाता था। मनीष तीन भाई–बहनों में सबसे बड़ा था। वो रोज की तरह आज सुबह 7 बजे भी काम पर निकला था। सिटी एसपी (पूर्वी) सुश्री शैलजा मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

◆ **ट्रैफिक पुलिस चौकी जलाई, हाईवे रहा जाम**

सीएम धामी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए अहम फैसले

हल्द्वानी में बनेगा नया हाईकोर्ट परिसर

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पशुपालन, श्रमिक कल्याण, शिक्षा, खेल, न्यायिक बुनियादी ढांचे, पर्यटन व औद्योगिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी, जिसमें हल्द्वानी में उच्च न्यायालय परिसर के निर्माण के लिए 30 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करने का निर्णय भी शामिल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी महानिदेशक सूचना व अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकारों को दी। मंत्रिमंडल ने हल्द्वानी के लामाचौड़ क्षेत्र में उपलब्ध 73 हेक्टेयर वन भूमि में से करीब 30 हेक्टेयर भूमि उच्च न्यायालय परिसर के निर्माण के लिए हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में राज्य सेक्टर की गो पालन योजना का विस्तार करते हुए सामान्य वर्ग के पशुपालकों को भी इसमें शामिल किया गया है, अब लाभार्थी गाय के साथ भैंस भी खरीद सकेंगे। पशु की इकाई लागत 40 हजार से बढ़ाकर 60 हजार रुपए कर दी गई है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लाभार्थियों को 90 प्रतिशत और सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 60 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। सरकार के अनुसार, पहले वर्ष में करीब 2,128 पशुपालकों को इसका लाभ मिलेगा। मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड मजदूरी संहिता नियमावली–2026 को भी मंजूरी दी। इसमें न्यूनतम मजदूरी, ओवरटाइम के लिए दोगुना भुगतान, प्रत्येक माह की सात तारीख तक वेतन भुगतान, डिजिटल भुगतान तथा समान कार्य के लिए महिला और पुरुष को समान वेतन जैसे प्रावधान किए गए हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावासों के संचालन के लिए भी नई नियमावली को मंजूरी दी गई।

इसके तहत विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आवास और भोजन सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। मंत्रिमंडल ने ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की संरचना में संशोधन को मंजूरी दी। समिति में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया जाएगा और पर्यावरण संरक्षण, जड़ी–बूटी प्रबंधन, कूड़ा नियंत्रण व स्थानीय समुदायों के समन्वय पर जोर दिया जाएगा।

◆ **मजदूरी संहिता नियमावली-2026 मंजूर, श्रमिकों को मिलेंगे नए अधिकार**

मणिपुर में अलग–अलग अभियानों में दो उग्रवादी काबू

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने 6 अगस्त को अलग–अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया, जबकि एक अन्य कार्रवाई में 139 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की गई। मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर उशाम रोजित कुमार उर्फ अमुजाओ (20) को काकचिंग जिले के सुगनू थाना क्षेत्र स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया। वह कोर्शांताबी मानिंग लैकाई का निवासी है। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय सदस्य एवं कथित रंगदारी वसूलीकर्ता हेसनाम लीबानंद सिंह उर्फ पिशुमंगाकपा (43) को इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया।

हरियाणा के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में होंगे वन महोत्सव : सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी, गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

उन्होंने आह्वान किया कि हरियाणा का प्रत्येक परिवार प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दूसरे चरण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी मंत्री राव नरबीर सिंह ने की। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन तथा पौधारोपण किया। उन्होंने उपस्थितजन को एक पेड़ मां के नाम लगाने तथा दूसरों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री ने वन विभाग की पुस्तिका एक पेड़ मां के नाम तथा हरियाणा फॉरेस्ट न्यूज का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने हरित हरियाणा विषय पर आयोजित निबंध, चित्रकला एवं अन्य विभिन्न प्रतियोगिताओं में गुरुग्राम जिला के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री ने अरावली पर्वतमाला का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि अरावली बोल सकती, तो वह हमसे पूछती कि हजारों वर्षों तक शुद्ध हवा, जल संरक्षण और जैव विविधता प्रदान करने के बदले हम उसके लिए क्या छोड़कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव इसी प्रश्न का उत्तर देने का अवसर है। यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपना ऋण चुकाने और पर्यावरण संरक्षण को जन–संस्कार बनाने का अभियान है।

◆ **बोले- अरावली की हरियाली बचाना हम सबकी जिम्मेदारी**

यूपी में 2017 से पहले भाई–भतीजों में उलझी सरकार के पास जनता के लिए समय नहीं था : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस–2026 के अवसर पर शुक्रवार को लोकभवन में हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उत्कृष्ट बुनकरों को संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री हैंडलूम व पावरलूम उद्योग विकास योजना और झलकारी बाई कोरी हथकरघा व पावरलूम विकास योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उप्र के अंदर यह सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है। इन सभी एमएसएमई उत्पाद का रजिस्ट्रेशन के साथ पांच लाख सुरक्षा बीमा का कवर भी दिया है, अगर कोई दुर्घटना हो जाती है तो उसे पांच लाख रुपये मिल जाएगी। यह साल 2017 से पहले भी होनी चाहिए थे। भाई –भतीजों में उलझी उस समय की सरकारों के पास फुर्सत कहां थी। योगी ने कहा कि जिन स्कूलों में गरीब के बच्चे पढ़ते थे, उन बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों का बुरा हाल था। न शिक्षक था। न भवन था। शौचालय, पेयजल की व्यवस्था भी नहीं थी। आज बालक बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालय, पीने के लिए पानी की व्यवस्था है। बच्चों को स्कूल ड्रेस, जूते, मोजे, बैग, कॉपी और किताबें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन लोगों (समाजवादी पार्टी) की विकास में कोई रुचि थी ही नहीं। जो थी, उसमें लूटखसोट शुरू होती थी। खानदान के लोग लूट के लिए जुट जाते थे कि कौन कितना लूट ले। महिलाओं के लिए खतरा वे स्वयं बने हुए थे। इस क्षेत्र में 70 फीसदी महिलाएं ही काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज आप सबको आश्वस्त करता हूं कि यह डबल इंजन की सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आपके हितों को संरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। मै विभाग से इस बारे में कहूंगा कि हमारे हस्तशिल्प और कारीगरों द्वारा जो उत्पाद तैयार किया गया है या किया जाता है तो उसे तकनीक और डिजाइन के साथ जोड़ें। बाजार की मांग के हिसाब से उत्पाद तैयार करने में मदद करें। उन्होंने आम अपील की कि हम सब अपने कारीगरों द्वारा उत्पाद ही अपने चहेतों को भेंट करें।

◆ **बोले–बुनकरों को मिल रहा सुरक्षा बीमा व आर्थिक सहयोग**

सुविधा चिकित्सा महाविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने व डायग्नोस्टिक सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला में एक समर्पित शोध विभाग स्थापित किया जाएगा, जिसे बाद में राज्य के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में भी लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार स्वास्थ्य संस्थानों में डायग्नोस्टिक सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि मरीजों को समय पर और सटीक जांच सुविधाएं मिलने से उनका शीघ्र उपचार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने मरीजों के लिए एमआरआई, सीटी स्कैन, एक्स–रे जैसी जांच बिना किसी प्रतीक्षा अवधि के तत्काल उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। सुक्खू ने अस्पतालों में ही रक्त जांच की सुविधा पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तीन चिकित्सा महाविद्यालयों अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज, चमियाना, आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज में स्वचालित प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए 75 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इन प्रयोगशालाओं में एक ही रक्त नमूने से एक साथ कई प्रकार के टेस्ट करवाने की सुविधा मिलेगी। इन प्रयोगशालाओं में आवश्यक मशीनों की खरीद के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के उन्नयन के लिए धन की कोई कमी नहीं है और प्रदेश सरकार चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर गुणवत्ता व पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दवाइयों की खरीद सीधे दवा निर्माण कंपनियों से करने पर भी विचार कर रही है। इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों तथा अन्य चिकित्सा एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध करवाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जल्द करेंगे मेडिकल कॉलेजों का दौरा, चिकित्सकों से करेंगे संवाद

सुक्खू ने कहा कि राज्य के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों के शिक्षकों और चिकित्सकों के साथ किए गए संवाद के आधार पर चिकित्सा क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। इन सुझावों को सुधार प्रक्रिया में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि वह शीघ्र ही विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों का दौरा कर चिकित्सकों और शिक्षकों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाना तथा प्रदेशवासियों को राज्य के भीतर ही विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में विधायक कुलदीप राठौर और हरीश जनारथा, स्वास्थ्य सचिव आशीष सिंहमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हिमाचल में 13 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी, भूस्खलन से 145 सड़कें अवरुद्ध

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून पूरे जोर पर है और मौसम विभाग ने अगले कई दिनों तक राहत की कोई संभावना नहीं जताई है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश में 13 अगस्त तक भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसे देखते हुए अलग-अलग दिनों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 10 और 11 अगस्त को बारिश सबसे अधिक तेज रह सकती है। इन दो दिनों के लिए कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। लगातार हो रही बारिश का असर जनजीवन पर भी दिखने लगा है। भूस्खलन के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई है, कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है और पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार 8 अगस्त को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

रहेगा। 9 अगस्त को ऊना, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भी येलो अलर्ट जारी किया गया है। 10 अगस्त को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इसी दिन ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, शिमला, सोलन और किन्नौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 11 अगस्त को चंबा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, शिमला, सोलन और किन्नौर में येलो अलर्ट रहेगा। 12 और 13 अगस्त को भी प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। धर्मशाला और जोगिंदरनगर में 80-80 मिलीमीटर वर्षा हुई।

मंडी, कंडाघाट और जतीन बैराज में 60-60 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। शिमला, गग्गल, जुब्बड़हट्टी और रेणुका में 50-50 मिलीमीटर वर्षा हुई। शुक्रवार को भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश जारी रही। राजधानी शिमला में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक तेज बारिश हुई। मनाली और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से लगातार वर्षा होने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। कुल्लू जिले में भी रात से लगातार झमाझम बारिश हो रही है, जिससे नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है। लगातार बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है। लोगों को नदी-नालों और भूस्खलन की आशंका वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है। बारिश के बीच गर्मी से लोगों को राहत मिली है और खेती-बाड़ी की फसलों के लिए भी यह वर्षा लाभदायक मानी जा रही है। उधर मंडी जिले में द्राडा से थलोट के बीच पहाड़ियों से लगातार पत्थर गिरने के कारण सुरक्षा के मद्देनजर बारिश रुकने तक यातायात रोक दिया गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शुक्रवार सुबह तक भूस्खलन और अन्य कारणों से प्रदेश में 145 सड़कें बंद थीं। इनमें सबसे अधिक 66 सड़कें मंडी जिले में बंद हैं। कुल्लू में 31, सिरमौर में 28, शिमला में 12, कांगड़ा में 5, ऊना में 2 और किन्नौर में 1 सड़क पर यातायात प्रभावित है।

मुख्यमंत्री के बड़े-बड़े दावों के बावजूद हर दिन खुल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल: जयराम

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुक्खू प्रदेश के बड़े-बड़े दावों के बावजूद भी स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल हर दिन खुल रही है। एक तरह मुख्यमंत्री कह रहे हैं हम बहुत बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं राज्य में देने के प्रयत्न कर रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत इससे बहुत अलग है।

सरकार के दावों के विपरीत राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली हरदोज उजागर हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला से जारी प्रेस बयान में ये आरोप लगाते हुए कहा है कि आए दिन इन दावों की पोल खुल रही है, जनता सड़कों पर है और लोग आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। शिमला के आईजीएमसी और चमियाना के हालात तो रोज सुर्खियों में हैं ही लेकिन राज्य के हर कोने से रोज हमारे पास भी फीडबैक आ रहा है कि हालात बिगड़े हुए हैं। मंडी के नेरचौक मेडिकल कॉलेज की निरंतर अनदेखी करके इस सरकार ने उसका स्तर ही गिरा कर रख दिया है और आलम ये है कि चार साल में एक बार भी स्वास्थ्य मंत्री यहां निरीक्षण करने नहीं पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां चार साल से एमआरआई मशीन लगाने के दावे कर रहे हैं लेकिन आज तक वो स्थापित नहीं हुई। रोगी कल्याण समिति की इन चार वर्षों में एक भी बैठक तक नहीं हुई। उधर, कांगड़ा के टांडा मेडिकल कॉलेज में अव्यवस्था का आलम यह है कि चंबा के दो गंभीर रूप से बीमार बच्चों को ऑपरेशन के लिए पूरे एक साल बाद की तारीख दी जा रही है, जो यह स्पष्ट दर्शाता है कि वर्तमान कांग्रेस सरकार जनता को किस स्तर की सुविधाएं दे रही है। पूर्व में भाजपा सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई जनहितकारी 'हिम केयर' योजना को महज राजनीतिक विद्वेष के चलते लगभग बंद कर दिया गया है और इसे बदनाम करके गरीब जनता को मिलने वाली मुफ्त चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में सभी प्रकार की लैब जांचों के दाम बढ़ा दिए गए हैं।

विक्रमादित्य ने मनोहर लाल खट्टर से नए शहरों के विकास व शहरी परियोजनाओं के लिए मांगा सहयोग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश की विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं और आधारभूत ढांचे के विस्तार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान विक्रमादित्य सिंह ने राज्य के शहरों पर बढ़ते दबाव को कम करने के उद्देश्य से नए शहरों के विकास के लिए वित्तीय सहायता, तकनीकी सहयोग तथा नियोजन संबंधी रूपरेखा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने चंडीगढ़ की तर्ज पर हिमाचल प्रदेश के चंडीगढ़ और पंचकूला की सीमा से सटे क्षेत्र में प्रस्तावित नए शहर के लिए साझा आधारभूत ढांचे के विकास की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रा'य सरकार से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करने को कहा और आश्वासन दिया कि प्रस्ताव पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विचार किया जाएगा। विक्रमादित्य सिंह ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत 1,200 करोड़ रुपए की परियोजनाएं वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्तुत की गई हैं। उन्होंने इन परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने अमृत योजना के तहत लंबित 64.45 करोड़ रुपए की राशि जल्द जारी करने का अनुरोध किया, ताकि प्रदेश में चल रही शहरी विकास परियोजनाओं का कार्य निर्बाध रूप से जारी रह सके। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री ने नगर परिषद नादौन, मनाली, डलहौजी और रामपुर में प्रस्तावित स्ट्रीट फूड हब की अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर शीघ्र कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य सरकार को शहरी विकास संबंधी योजनाओं में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने विक्रमादित्य सिंह के शिमला और धर्मशाला दौरे के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए निकट भविष्य में दोनों शहरों का दौरा करने की सहमति भी जताई।

न्यूज ब्रीफ

संगीत शिक्षकों की भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में संगीत शिक्षकों के 118 पदों को भरने के लिए आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट (सीबीटी) का परिणाम घोषित कर दिया। यह परिणाम आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर उपलब्ध करवा दिया गया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि संगीत शिक्षक पोस्ट कोड-26021 के 118 पदों के लिए 71 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 63 उम्मीदवारों ने सीबीटी परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण 58 उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जा रहा है जोकि 18 अगस्त को सुबह 10 बजे आयोग के परिसर में आरंभ होगी। इसकी सूचना उम्मीदवारों को उनकी ईमेल आईडी पर दी जाएगी। उन्हें अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय इन उम्मीदवारों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां, इनकी सेल्फ अटेस्टड फोटो प्रतियों के दो-दो सैट, आवेदन पत्र की डॉउनलोड कॉपी और आईडी प्रूफ इत्यादि साथ लाने होंगे। सचिव ने बताया कि अगर कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए उपस्थित नहीं होता है तो उसे कोई और अवसर नहीं दिया जाएगा।

एचपीआरसीए की परीक्षाओं की तिथियां घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) हमीरपुर ने पांच अलग-अलग श्रेणियों के पदों की भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की तिथियां घोषित कर दी हैं। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि रेडियोग्राफर पोस्ट कोड-26009 की परीक्षा 19 अगस्त को सुबह 9 से 10:30 बजे तक, मेडिकल सोशल वर्कर पोस्ट कोड-26006 की परीक्षा 25 अगस्त को सुबह 9 से 10:30 बजे तक, साईकिएट्रिक सोशल वर्कर पोस्ट कोड-26007 की परीक्षा इसी दिन दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक और सीनियर लैब टैक्निशियन पोस्ट कोड-26012 की परीक्षा भी इसी दिन शाम को 4 से 5:30 बजे तक होगी। जबकि, लैब असिस्टेंट पोस्ट कोड-25012 की परीक्षा 26 अगस्त को सुबह 9 से 11 बजे तक होगी। डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि परीक्षा से एक सप्ताह पहले आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर एक लिंक का प्रावधान किया जाएगा, जिससे अभ्यर्थी अपना रोल नंबर एवं एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। रोल नंबर और परीक्षा केंद्र की जानकारी मोबाइल फोन पर एसएमएस के माध्यम से भी भेजी जाएगी। सचिव ने सभी अभ्यर्थियों से नियमित रूप से आयोग की वेबसाइट पर या अपने मोबाइल पर एसएमएस और ईमेल पर ताजा स्टेटस चेक करते रहने की अपील की है।

रामपुर में एक हजार खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश वन विभाग की 27वीं वार्षिक खेलकूद एवं कर्तव्य प्रतियोगिता इस बार रामपुर में आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता 11 से 13 सितंबर तक चलेगी, जिसमें विभाग के करीब एक हजार अधिकारी और कर्मचारी खिलाड़ी के रूप में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डॉ. संजय सूद ने सभी वन वृत्तों के अरण्यपाल और वन मंडलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। उन्होंने आयोजन समिति रामपुर को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। 23 वर्ष बाद रामपुर वन वृत्त को इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। प्रतियोगिता के लिए पाटबंगला कॉलेज ग्राउंड, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रामपुर और दत्तनगर खेल मैदान का चयन किया गया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं अरण्यपाल रामपुर सीबी ताशीलकार की अध्यक्षता में तैयारियों की समीक्षा की गई। वन मंडलाधिकारी रामपुर गुरहर्ष सिंह प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

मंडी कॉलेज में लाइफ साइंस क्लब गठित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय महाविद्यालय, मंडी के जीवन विज्ञान विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका पंचानी के मार्गदर्शन में लाइफ साइंस क्लब गठन व ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जीवन विज्ञान विभाग के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संजय नारंग ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, लाइफ साइंस क्लब के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली तथा इसकी विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा क्लब की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नवगठित लाइफ साइंस क्लब की कार्यकारिणी की घोषणा की गई। प्राची को अध्यक्ष, कशिश कांत को स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर, आदित्य राणा को कोषाध्यक्ष, मेहक एवं लावण्या को महासचिव तथा कीर्ति, कार्तिक पठानिया, कविता एवं आन्या को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। काव्या, महेश, मुस्कान एवं डिम्पल को क्लब के सदस्य के रूप में नामित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राधिका जमवाल एवं डॉ. ज्योति ठाकुर भी उपस्थित रहे।

ऊना में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां तेज डीसी ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध प्रबंधों के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल और गरिमामय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ऊना ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त जतिन लाल ने शुक्रवार को डीआरडीए बैठक कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

डीसी ने बताया कि 15 अगस्त को जिला स्तरीय समारोह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक छात्र विद्यालय ऊना के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। मुख्यातिथि सुबह 11 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, परेड की सलामी लेंगे और जिलावासियों को संबोधित करेंगे। इससे पहले एमसी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। समारोह में पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी मार्चपास्ट में भाग लेंगे। विद्यार्थियों और नाट्य दलों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक संदेशों पर आधारित झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना, इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना, विद्यार्थी ऋण योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, कैच द रेन सहित कृषि एवं बागवानी विभाग की योजनाएं शामिल रहेंगी। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर मिनी सचिवालय, रामपुर पुल और एमसी पार्क को तिरंगे की फसाड लाइटिंग से सजाया जाएगा। समारोह स्थल पर हिम ईरा एवं टेक होम राशन के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त ने लोगों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की।

बामटा पंचायत के लोग आवारा कुत्तों से परेशान

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर शहर के साथ लगती ग्राम पंचायत बामटा में आवारा व आक्रामक कुत्तों का बढ़ता आतंक ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

इस समस्या से परेशान पंचायतवासियों ने उपायुक्त बिलासपुर को पंचायत उपप्रधान विक्रम ठाकुर की अगुवाई में ज्ञापन सौंपकर जन-जीवन व पालतू पशुओं की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभाव से ठोस कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से 5-6 आवारा कुत्तों का झुंड पंचायत के विभिन्न गांवों में लगातार घूम रहा है। ये कुत्ते न केवल पालतू पशुओं पर हमला कर रहे हैं, बल्कि राह चलते लोगों, महिलाओं और बच्चों पर भी झपटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे पूरे क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि गत 5 अगस्त की रात कुत्तों के झुंड ने गांव के पालतू पशुओं पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

इसके बाद ग्रामीणों में दहशत और बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेताया है कि पंचायत में आंगनबाड़ी आने वाले छोटे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, आशा कार्यकर्ताओं तथा अन्य ग्रामीणों की सुरक्षा खतरे में है। ऐसे में यदि भविष्य में किसी व्यक्ति या पालतू पशु के साथ कोई अप्रिय या जानलेवा घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों और जिला प्रशासन की होगी। पंचायतवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आवारा एवं आक्रामक कुत्तों को तत्काल पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो।

बिलासपुर जिले के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से भी समय-समय पर आवारा कुत्तों के आतंक की शिकायतें सामने आती रही हैं। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीण लगातार प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। इस अवसर पर पवन कुमार, शुभम शर्मा, मंजू, संदेश चंदेल, सुदेश, सुनीता देवी व नंदलाल आदि भी मौजूद रहे।

प्रथम सशस्त्र पुलिस वाहिनी जुन्गा ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

डीआईजी अंजुम आरा ने जवानों का बढ़ाया हौसला

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रथम सशस्त्र पुलिस वाहिनी जुन्गा ने शुक्रवार को अपना 55वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण रेंज) अंजुम आरा ने की।

डीआईजी अंजुम आरा ने आकर्षक पुलिस परेड की सलामी ली और जवानों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुलिस विभाग के निर्भय, निष्पक्ष और सत्यनिष्ठ मूल्यों को बनाए रखने के लिए ईमानदारी, अनुशासन और कर्मठता के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत-पाक युद्ध के बाद 7 अगस्त, 1971 को प्रथम सशस्त्र पुलिस वाहिनी जुन्गा की स्थापना हुई थी।

तब से लेकर अब तक वाहिनी ने जनसेवा, सुरक्षा और सहायता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बटालियन द्वारा पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए चलाई जा रही निशुल्क कोचिंग योजना की सराहना की।

वर्तमान में करीब 600 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश की पहली ऐसी बटालियन है, जहां प्रशिक्षणार्थियों को निशुल्क आवास और भोजन की सुविधा भी दी जा रही है। समादेशक भूपेंद्र सिंह नेगी ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए वाहिनी की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि युवाओं की सुविधा के लिए स्थापित ई-लाइब्रेरी में 10 कंप्यूटर और स्मार्ट टीवी उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अलावा परिसर में भवनों की मरम्मत, 26 नई लाइटों की स्थापना और जवानों की फिटनेस के लिए 10 गियर साइकलें खरीदी गई हैं। कार्यक्रम में पुलिस ऑर्केस्ट्रा 'हार्मनी ऑफ द पाइन्स' और ब्रास बैंड ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। साइक्लिंग रेस भी आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले अरुण रावत, राजेश कौशल, प्रकाश चंद, पितांबर दत्त और दर्शन दास सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। समारोह का समापन प्रीतिभोज के साथ हुआ, जिसमें पुलिस जवानों, सेवानिवृत्त कर्मियों, उनके परिवारों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर हिमाचल की हस्तशिल्प परंपरा को मिला नया आयाम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम लिमिटेड द्वारा निगम के कॉर्पोरेट कार्यालय, कसुम्पटी शिमला में 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निगम के अध्यक्ष हरभजन सिंह भज्जी ने नवनिर्मित हिमाचल एम्पोरियम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बुनकरों, शिल्पकारों, अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस दौरान हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। इसके अलावा बुनाई की लाइव डेमोंस्ट्रेशन, शिल्पकारों एवं बुनकरों के साथ संवाद और प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। निगम के प्रबंध निदेशक ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक बुनाई कला और बुनकरों के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पाद राज्य की सांस्कृतिक पहचान हैं और निगम इनके संरक्षण, संवर्धन एवं विपणन के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 360 बुनकरों को डिजाइन एवं तकनीकी विकास कार्यशालाओं के माध्यम से आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। साथ ही 360 बुनकरों को निःशुल्क हथकरघे उपलब्ध करवाए गए, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और आजीविका में सुधार हुआ है। निगम बुनकरों और शिल्पकारों को दिल्ली हाट जैसे राष्ट्रीय मंचों पर उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के अवसर उपलब्ध करवा रहा है। इससे उन्हें नए बाजार और बेहतर आय के अवसर मिल रहे हैं।

भारतेन्दु Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, सरला सैनी (नया नाम), पत्नी मस्त राम सैनी, निवासी मकान नंबर 363/5, सैन मोहल्ला मंडी, पोस्ट ऑफिस मंडी, तहसील सदर, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश, भारत - 175001, यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम सरला (पुराना नाम) से बदलकर सरला सैनी (नया नाम) और अपने पति का नाम मस्त राम से बदलकर मस्त राम सैनी कर लिया है। संबंधित सभी लोग कृपया ध्यान दें।

कांग्रेस सरकार सेब उत्पादकों को राहत नहीं, मुश्किलें दे रही: संदीपनी भारद्वाज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि प्रदेश में सेब सीजन अपने चरम पर होने के बावजूद कांग्रेस सरकार बागवानों को राहत देने के बजाय नए नियमों और नोटिसों के जरिए परेशानी में डाल रही है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल की करीब आठ लाख आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सेब अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। प्रदेश में हर साल लगभग 5,500 करोड़ रुपए से अधिक का सेब कारोबार होता है और यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे समय में सरकार के फैसले बागवानों के हित में नहीं दिख रहे हैं। भारद्वाज ने शुक्रवार को शिमला में कहा कि पैकिंग के लिए केवल 30 गत्ते बॉक्स खरीदने की बाध्यता तय करना किसान और बागवान विरोधी फैसला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन किसानों के बगीचों में 300, 500 या 1000 पेटी सेब निकलता है, वे केवल 30 बैग में पैकिंग कैसे करेंगे। उनके अनुसार सरकार स्पष्ट करे कि यह फैसला किस आधार पर लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में इस बात की चर्चा है कि सेब कारोबार में कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने की कोशिश हो रही है। सरकार इस पर अपना पक्ष साफ करे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कई इलाकों में एचपीएमसी और एपीएमसी के कलेक्शन सेंटर समय पर नहीं खुले हैं या पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं। दूसरी ओर, एसडीएम के नाम पर किसानों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कहीं कोई अनियमितता हुई है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन पूरे बागवानी समुदाय को संदेह की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। उनका आरोप है कि ईमानदारी से बागवानी करने वाले किसानों को भी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। भारद्वाज ने कहा कि सरकार पहले एचपीएमसी के माध्यम से किसानों का भुगतान समय पर सुनिश्चित करे, सभी कलेक्शन सेंटर पूरी क्षमता से चलाए और पर्याप्त पैकिंग सामग्री उपलब्ध करवाए।

कार्यक्रम — इंडियन ऑयल ने लॉन्च किया 10 किलो का हल्का कंपोजिट सिलेंडर 'इंडेन एक्सट्रालाइट नाउ'

अब 180 मिनट में मिलेगी एलपीजी डिलीवरी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शहरी परिवारों, कामकाजी पेशेवरों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों और छोटे परिवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंडियन ऑयल ने 10 किलो का हल्का कम्पोजिट एलपीजी सिलेंडर 'इंडेन एक्सट्रालाइट नाउ' लॉन्च किया है।

इस सिलेंडर की खासियत यह है कि दिन के समय किए गए ऑर्डर पर ग्राहक को वितरक के कारोबारी क्षेत्र के भीतर महज 180 मिनट में डिलीवरी की सुविधा मिलेगी। यह नया सिलेंडर शिमला के साथ-साथ पंजाब स्टेट ऑफिस के अंतर्गत जीरकपुर, चंडीगढ़, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर और सुनाम में भी लॉन्च किया गया है। यह इस क्षेत्र में इसके चरणबद्ध विस्तार की शुरुआत है। इंडेन एक्सट्रालाइट नाउ पारंपरिक स्टील सिलेंडरों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक हल्का है, जिससे इसे उठाना और संभालना आसान है। इसकी कम्पोजिट बॉडी जंग-रहित है और इसमें पारदर्शी पट्टियां दी गई

हैं, जिनसे एलपीजी का स्तर आसानी से देखा जा सकता है। इसमें उन्नत सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं और न्यूनतम दस्तावेजीकरण के साथ नया कनेक्शन प्राप्त किया जा सकता है।

इसकी बुकिंग इंडियनऑयल वन ऐप या कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से की जा सकती है। लॉन्च समारोह का आयोजन मैसर्स मिल्खी इंडेन, जीरकपुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इंडियन ऑयल पंजाब स्टेट ऑफिस के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख आशुतोष गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एलपीजी) परमेश्वर, वरिष्ठ अधिकारी, वितरक और ग्राहक मौजूद रहे। क्षेत्र में इंडेन एक्सट्रालाइट नाउ के पहले उपयोगकर्ताओं के रूप में पांच ग्राहकों का नामांकन किया गया।

आशुतोष गुप्ता ने कहा कि यह पहल इंडियन ऑयल की नवाचार, सुरक्षा और ग्राहक सुविधा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वहीं परमेश्वर ने कहा कि यह उत्पाद आधुनिक उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें तकनीक, तेज डिलीवरी और बेहतर सुविधा का समावेश है।

इस अवसर पर नए ग्राहकों और उत्कृष्ट डिलीवरी कर्मियों को सम्मानित किया गया तथा एक्सट्रालाइट नाउ के विशेष डिलीवरी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इंडियन ऑयल के अनुसार यह नया सिलेंडर इंडेन घरेलू एलपीजी सेवा में सुविधा, सुरक्षा और डिजिटल अनुभव को और मजबूत करेगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत सेहल
विकास खंड बैजनाथ, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सेहल विकास खंड बैजनाथ जिला कांगड़ा (हि.प्र.) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में होने वाले समस्त मदों के विकास कार्यों हेतु निम्न सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें दिनांक 12/08/2026 को 5:00 (PM) बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत सेहल में व्यक्तिगत रूप या डाक के माध्यम से पहुँच जानी चाहिए। निविदायें दिनांक 16/08/2026 को पंचायत के समक्ष निविदादाताओं / उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी।

सामग्री विवरण :-

क्र.सं.	सामग्री का विवरण	मात्रा जिसमें मूल्य वांछित है	मूल्य अंकों में
1	BOLDER	प्रति घन मीटर	
2	TREE GUARD	प्रति PIECE	

नियम व शर्तें :- 1. निविदाता के पास अपना पंजीकरण, पैन न., टिन no./GST NO तथा गाड़ी का होना आवश्यक है। 2. पारित निविदाता को मु. 10000/ रु. अग्रिम सुरक्षित राशि के रूप में ग्राम पंचायत के पास जमा करवाने होंगे व साथ में मु.500/ रु. (नॉन - रिफंडेबल) आवेदन शुल्क सम्बन्धित पंचायत में जमा करवाने होंगे। निविदाता को एम फार्म व एफिडेविट पंचायत में जमा करवाना होगा। 3. निविदाता यदि सप्लाई आर्डर जारी होने उपरांत निर्धारित अवधि में सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है तो उसकी गत समय में दी गई सामग्री की देय राशी का भुगतान नहीं किया जायेगा और न ही अग्रिम / सुरक्षित राशी वापिस होगी। 4. सामग्री की अदायगी कार्य पूर्ण होने के उपरांत T.A/J.E. की पैमाईश के उपरांत की जायेगी। 5. सामग्री लेने का अंतिम मूल्य / निर्णय विभाग की justification व निविदाता के साथ negotiation अनुसार / उपरांत किया जायेगा। 6. जिस किसी भी निविदाता को उपरोक्त शर्तें मान्य है तो वह कार्यालय ग्राम पंचायत सेहल से निविदा आवेदन हेतु 'आवेदन फार्म 500/ अदा करके प्राप्त कर सकता है व बिना आवेदन फार्म के कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। 7. उपरोक्त लिखित शर्तों को जो सप्लायर पूरा नहीं करता है उस की निविदा रद्द कर दी जाएगी।

प्रधान/ सचिव ग्राम पंचायत सेहल
विकास खंड बैजनाथ, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

न्यूज शॉर्ट्स

चमोली में इंसानियत शर्मसार, बरसाती नाले में मिला नवजात शिशु

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के रांगतोली गांव में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। गौशाला के पास बरसाती नाले में एक नवजात शिशु मिला। स्थानीय लोगों ने बच्चे के रोने की आवाज सुनकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नवजात को सुरक्षित बाहर निकाला और जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने बताया कि बच्चे को हाइपोथर्मिया की समस्या थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा और आक्रोश है।

गंगा में डूब रहे शिवभक्त की जल पुलिस ने बचाई जान

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कांवड़ मेले के दौरान हरियाणा के करनाल सेक्टर-4 निवासी 19 वर्षीय राजू पुत्र शिशपाल जोधपुर भवन के सामने गंगा से जल भर रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे तेज बहाव में डूबने लगे। मौके पर ड्यूटी कर रहे जल पुलिस के जवान सनी कुमार ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए बिना देर किए गंगा में छलांग लगा दी। उन्होंने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए शिवभक्त को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उत्तराखंड पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

नवोदय विद्यालय में 542 छात्रों ने लिया नशामुक्ति संकल्प

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। विश्व प्रसिद्ध शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ नई टिहरी ने जवाहर नवोदय विद्यालय पौखाल में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यशाला कराई। शुक्रवार को नशा मुक्त भारत अभियान के प्रमुख देवी सिंह पवार ने छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की अपील की। कहा कि शराब और अन्य नशा सामाजिक कुरीति हैं। इससे परिवारों में दरारें आ रही हैं। युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। कहा कि सभी बच्चे अपने परिजनों को समझाएं कि मांगलिक कार्यक्रमों में शराब को बैन लगाएं।

उत्तराखंड में अगले 5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

प्रदेश में आज से 11 अगस्त तक भारी वर्षा की संभावना

उत्तराखंड में मानसून सक्रिय कई जिलों में येलो अलर्ट जारी

लगातार बारिश के बीच उत्तराखंड में प्रशासन पूरी तरह सतर्क

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून के अनुसार सात से 13 अगस्त तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। नौ से 11 अगस्त के दौरान वर्षा की गतिविधियों में और तेजी आने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी वर्षा, भूस्खलन और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। लगातार बारिश के बीच चारधाम यात्रा मार्गों सहित अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात सुचारू है।

शनिवार को मौसम विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार अगले 24 घंटे में उत्तरकाशी,देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। पर्वतीय क्षेत्रों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली और तीव्र से अति तीव्र वर्षा के दौर की भी चेतावनी दी गई है। हरिद्वार जिले में भी कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका व्यक्त की गई है। आठ अगस्त को रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी और बागेश्वर में, नौ अगस्त को देहरादून, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, चमोली,बागेश्वर और चंपावत में और 10 और 11 अगस्त को देहरादून, पौड़ी, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, चंपावत और उत्तरकाशी में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने लगातार वर्षा के मद्देनजर संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में हल्के से मध्यम भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़कों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर मलबा आने,नदी-नालों के उफान और निचले इलाकों में जलभराव की आशंका जताई है।

लगातार बारिश से उफान पर आई पहाड़ी नदी, बढ़ा जलस्तर का खतरा।

◆ उफनती नदी बनी चिंता का कारण

चारधाम यात्रा: भारी बारिश के बीच यातायात सामान्य

मौसम विभाग के नवीनतम फ्लैश फ्लड गाइडेंस बुलेटिन के अनुसार फिलहाल उत्तराखंड के किसी भी क्षेत्र को फ्लैश फ्लड के लिहाज से चिंता वाले क्षेत्र की श्रेणी में नहीं रखा गया है। राजधानी समेत राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी है। इस बीच राज्य में चारधाम यात्रा मार्गों सहित अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात सामान्य बना हुआ है। ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-134, ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-34,ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग-07, कर्णप्रयाग-थराली-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग-109 के और तवाघाट-जुंजी राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

लगातार बारिश से नदियां उफान पर

केंद्रीय जल आयोग की शुक्रवार सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड की कई प्रमुख नदियों का जलस्तर चेतावनी सीमा के करीब बना हुआ है। रिपोर्ट में अलकनंदा, मंदाकिनी, भागीरथी, गंगा और अन्य नदियों के विभिन्न निगरानी स्थलों पर जलस्तर दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक रुद्रप्रयाग में अलकनंदा का जलस्तर 626.50 मीटर दर्ज किया गया, जबकि चेतावनी स्तर 626 मीटर और खतरे का स्तर 627 मीटर है। इसी तरह रुद्रप्रयाग में मंदाकिनी का जलस्तर 622.70 मीटर दर्ज किया गया। देवप्रयाग में भागीरथी का जलस्तर 625.40 मीटर रहा, जबकि चेतावनी स्तर 625 मीटर निर्धारित है।

40 घंटे बाद खुला सिमली ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

लगातार हो रही बारिश के बीच करीब 40 घंटे बाद सिमली-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल हो गया है। शुक्रवार देर शाम सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने आमसोड़ के पास भारी भूस्खलन से बंद पड़े मार्ग को छोटे वाहनों के लिए खोल दिया। सड़क खुलने के बाद यात्रियों, स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली। गुरुवार सुबह हुई तेज बारिश के कारण आमसोड़ के पास पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बड़े-बड़े बोल्डर सड़क पर आ गिरे थे, जिससे मार्ग पूरी तरह बंद हो गया था।

◆ भारी मलबे और बोल्डर हटाकर बीआरओ ने खोला बंद मार्ग, चमोली में यात्रियों को मिली बड़ी राहत

सड़क बंद होने से कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा और कुछ लोग पैदल आवाजाही करने को मजबूर हुए। बीआरओ ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए मौके पर पोकलैंड मशीनों, जेसीबी और अन्य उपकरणों को तैनात किया। लगातार बारिश और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिन-रात काम जारी रखा। करीब 40 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद मार्ग को यातायात के लिए सुचारू किया गया।

स्थानीय लोगों ने बीआरओ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि भारी भूस्खलन को देखते हुए सड़क खुलने में कई दिन लगने की आशंका थी, लेकिन टीम की तत्परता से जल्द राहत मिली। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम में सावधानी बरतने की अपील की है।

देहरादून में 9 अगस्त को होगा 'घनक' का आयोजन

देहरादून में रवि म्यूजिकल ग्रुप मनाएगा रजत जयंती समारोह, 'घनक' में गूंजेंगे सदाबहार नगमे

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

रवि म्यूजिकल ग्रुप अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 9 अगस्त को भव्य संगीतमय कार्यक्रम 'घनक' का आयोजन करेगा। सर्वे चौक स्थित आर.आर.डी.टी.ओ. ऑडिटोरियम में शाम 4 बजे से रात 7:30 बजे तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। इन गीतों के माध्यम से भारतीय संगीत जगत के महान गायकों और संगीतकारों को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। कार्यक्रम की जानकारी प्रेस वार्ता में संस्था के प्रमुख रवि गुरविंदर सिंह ने दी। इस दौरान उन्होंने गढ़वाली और कुमाऊनी गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने बताया कि रवि म्यूजिकल ग्रुप पिछले 25 वर्षों से उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों में सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। रजत जयंती समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री खजान दास होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में मेयर सौरभ थपलियाल, विधायक सविता कपूर और पूर्व मेयर सुनील उनियाल 'गामा' शामिल रहेंगे।

सरिता देवी मौत मामले में परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ खोला मोर्चा

भारतेंदु संवाददाता, थराली

कुराड़ गांव की प्रसूता सरिता देवी और गर्भस्थ शिशु की एंबुलेंस में हुई मौत के मामले में परिजनों का आक्रोश बढ़ गया है। निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर मृतका के पति नरेंद्र कुमार अपने दो बच्चों, वृद्ध मां और अन्य परिजनों के साथ सीएचसी थराली के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में समय पर उपचार और रेफर करने का निर्णय नहीं लिया गया, जिसके कारण उनकी पत्नी और बच्चे की जान चली गई। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए न्याय की मांग की।

उत्तराखंड में नर्सिंग-पैरामेडिकल कोर्स में दाखिले शुरू

11 अगस्त तक ऑनलाइन फीस जमा, 14 अगस्त को जारी होगी सीट आवंटन सूची

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत पहले चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग शुक्रवार से प्रारंभ हो गई। राज्य के विभिन्न सरकारी और निजी नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। काउंसलिंग के पहले चरण में अभ्यर्थियों को शुक्रवार दोपहर एक बजे से ऑनलाइन शुल्क जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह प्रक्रिया 11 अगस्त की शाम पांच बजे तक जारी रहेगी। निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी का आवेदन या शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा। काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद 12 और 13 अगस्त को प्राप्त आवेदनों तथा अभ्यर्थियों की वरीयताओं के आधार पर सीट आवंटन के लिए डाटा प्रोसेस किया जाएगा। इसके पश्चात 14 अगस्त को पहले चरण का सीट आवंटन परिणाम जारी किया जाएगा।

19 अगस्त तक होगा दस्तावेजों का सत्यापन

जिन अभ्यर्थियों को किसी संस्थान में सीट आवंटित होगी, उन्हें 19 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा तथा प्रवेश की औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। निर्धारित अवधि में रिपोर्ट नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की सीट नियमानुसार निरस्त की जा सकती है। प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया गया है ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय-समय पर काउंसलिंग पोर्टल पर जारी होने वाले दिशा-निर्देशों और सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

प्रवेश प्रक्रिया होगी सुव्यवस्थित और निष्पक्ष

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए संबंधित विभाग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और किसी भी भ्रामक जानकारी से बचें। साथ ही काउंसलिंग पोर्टल पर नियमित रूप से जारी होने वाले अपडेट, कार्यक्रम और दिशा-निर्देशों पर नजर बनाए रखें। समय पर शुल्क जमा करना, सही विकल्प भरना तथा निर्धारित तिथि पर संबंधित कॉलेज में रिपोर्ट करना ही सफल प्रवेश की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होगी। इससे अभ्यर्थी बिना किसी कठिनाई के नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने भविष्य की दिशा तय कर सकेंगे।

◆ उत्तराखंड में नर्सिंग-पैरामेडिकल प्रवेश प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार

चमोली में सड़क बंद, पोकलैंड की बकेट बनी ग्रामीणों का सहारा

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

चमोली जिले के देवाल-वाण मोटर मार्ग पर सामने आई तस्वीर पहाड़ों में रहने वाले लोगों के संघर्ष को बयां कर रही है। लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण गामरी गाड़ क्षेत्र में सड़क पर भारी मात्रा में मलबा, बोल्डर और दलदल जमा हो गया है। इससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है और ग्रामीणों के सामने आवाजाही का संकट खड़ा हो गया है। हालात इतने कठिन हैं कि लोग पोकलैंड मशीन की बकेट में बैठकर सड़क पार करने को मजबूर हैं।

बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भी इसी जोखिम भरे रास्ते का सहारा लेना पड़ रहा है। पोकलैंड चालक ग्रामीणों के लिए किसी केवट की तरह मददगार साबित हो रहा है, लेकिन यह व्यवस्था कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। देवाल-वाण मार्ग बंद होने से करीब आठ हजार ग्रामीण प्रभावित हैं। जरूरी कामों, इलाज और राशन के लिए लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन सड़क खोलने के प्रयास कर रहा है, लेकिन ग्रामीण स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं ताकि मानसून में उन्हें ऐसी मुश्किलों का सामना न करना पड़े।

भूस्खलन और सुरक्षा जोखिम के चलते श्री मध्यमहेश्वर धाम यात्रा अग्रिम आदेशों तक स्थगित

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग

लगातार प्रतिकूल मौसम, भूस्खलन और यात्रा मार्ग की अत्यंत संवेदनशील स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने श्री मध्यमहेश्वर धाम यात्रा को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष विशाल मिश्रा ने जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह आदेश जारी किए हैं। प्रशासन के अनुसार तलसारी तोक से गौण्डार, बनतोली और खुन्नू होते हुए मध्यमहेश्वर धाम तक जाने वाले पैदल मार्ग पर कई स्थानों पर लगातार भूस्खलन हो रहा है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। इसके अलावा बनतोली में मोरखण्डा नदी पर बना अस्थायी लकड़ी का पुल पहले ही बह चुका है और वर्तमान में सीमित क्षमता वाली मैनुअल ट्रॉली से आवाजाही कराई जा रही है। गौण्डार स्थित ट्रॉली के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के लिए भी दो से तीन दिन का समय आवश्यक बताया गया है। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर बैरिकेडिंग, सुरक्षा बलों की तैनाती और चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा स्थगन संबंधी आदेशों का पालन करें तथा मौसम और मार्ग की अद्यतन जानकारी मिलने के बाद ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

कुंडाधार के पास खाई में गिरी कार, हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत

भारतेंदु संवाददाता, टिहरी। पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर कुंडाधार के समीप शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। हरिद्वार से पौड़ी जा रही एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर करीब 250 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को रेस्क्यू कर उपचार के लिए बेस अस्पताल श्रीनगर भेजा गया है। सूचना मिलते ही थाना देवप्रयाग पुलिस और एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। खतरनाक खाई में उतरकर बचाव दल ने मृतकों के शवों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार वाहन में कुल छह लोग सवार थे। मृतकों की पहचान अफजाल, उनकी पत्नी शब्बो, तीन वर्षीय पुत्री अन्नाविया, 14 वर्षीय पुत्र शादाब और गुफरान के रूप में हुई है। सभी हरिद्वार जिले के रायपुर जीतपुर क्षेत्र के रहने वाले थे।

आस्था | कांवड़ यात्रा में अब तक दो करोड़ 19 लाख से अधिक श्रद्धालु रवाना

मूसलाधार बारिश भी नहीं रोक सकी कांवड़ यात्रा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

सावन के पावन महीने में चल रही कांवड़ यात्रा में शिवभक्तों की आस्था और उत्साह लगातार देखने को मिल रहा है। मौसम की तमाम चुनौतियों के बावजूद कांवड़ियों के कदम नहीं रुके। कभी तेज बारिश तो कभी चिलचिलाती धूप के बीच लाखों श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ उठाए भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए अपने गंतव्य की ओर बढ़ते रहे। हरिद्वार में गंगाजल लेने के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने धार्मिक आस्था और भक्ति का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया।

कांवड़ मेले के दौरान लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव और कीचड़ की स्थिति बनी रही। कांवड़ पटरी मार्ग, सर्विस रोड और अन्य प्रमुख रास्तों पर श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई। भीगे हुए कपड़ों और कठिन परिस्थितियों के बीच भी कांवड़िए पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे। उनके मुख से निकल रहे हर-हर महादेव, बोल बम और नमः शिवाय के जयघोष वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।

इस यात्रा में बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कई श्रद्धालु लंबी दूरी तय कर अपने गांव और शहरों की ओर लौट रहे हैं। उनके लिए यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि आस्था, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। कई कांवड़िए पैदल यात्रा करते हुए शिवालयों तक पहुंचने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई

यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन की ओर से निगरानी भी बढ़ाई गई है। कांवड़ यात्रा के आठवें दिन बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

सचिवालय को मिली बम धमकी से हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सचिवालय परिसर में स्थित सीआईएसएफ कंट्रोल रूम को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर में बम होने की सूचना दी गई थी। ई-मेल मिलने के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और पूरे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, सीआईएसएफ अधिकारियों ने धमकी भरे ई-मेल की सूचना तत्काल चंडीगढ़ पुलिस और अन्य संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को दी। इसके बाद सचिवालय परिसर में बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। टीमों ने सचिवालय के सभी ब्लॉकों, प्रवेश द्वारों, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के संवेदनशील स्थानों की गहन जांच शुरू की। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सचिवालय परिसर में आने-जाने वाले लोगों की निगरानी बढ़ा दी गई। प्रवेश द्वारों पर जांच प्रक्रिया को सख्त कर दिया गया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा कर्मियों ने पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाते हुए हर संभावित स्थान की जांच की।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर विशेषज्ञों की सहायता ली जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ई-मेल किस स्थान से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमकी वास्तविक है या किसी व्यक्ति ने शरारत के उद्देश्य से यह संदेश भेजा है।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी परिसर की सुरक्षा को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है।

महंगाई भत्ते पर बढ़ा विवाद, राजा वड़िंग ने दी सड़क जाम की चेतावनी

डीए भुगतान को लेकर कर्मचारियों के समर्थन में उतरी कांग्रेस, सरकार को आंदोलन की दी चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कर्मचारियों के समर्थन में उतरते हुए सरकार को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कर्मचारियों और पेंशनरों का बकाया महंगाई भत्ता जारी नहीं किया गया तो प्रदेश में बड़ा आंदोलन खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि हालात नहीं सुधरे तो कर्मचारियों के साथ मिलकर पूरे पंजाब में सड़क जाम जैसे कदम उठाने की स्थिति बन सकती है।

राजा वड़िंग ने कहा कि कर्मचारी संगठन लंबे समय से अपने अधिकारों और लंबित मांगों को लेकर सरकार के सामने आवाज उठा रहे हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई भत्ते का भुगतान कर्मचारियों और पेंशनरों का अधिकार है और सरकार को इसमें किसी तरह की देरी नहीं करनी चाहिए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहले ही महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान को लेकर कर्मचारियों और पेंशनरों के पक्ष में आदेश दे चुका है। उन्होंने कहा कि जब न्यायालय की ओर से स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है तो सरकार को अब बिना किसी देरी के कर्मचारियों को उनका हक देना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से भुगतान में लगातार देरी किए जाने के कारण कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ रही है। राजा वड़िंग ने कहा कि प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों ने वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं। ऐसे में उन्हें अपने ही

अधिकारों के लिए संघर्ष और आंदोलन करने के लिए मजबूर करना उचित नहीं है।

सड़कें जाम होने से आम जनता को होगी परेशानी : राजा वड़िंग ने कहा कि यदि कर्मचारियों का आंदोलन तेज हुआ तो इसका असर पूरे प्रदेश में देखने को मिल सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर सड़कें जाम हो सकती हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे हालात बनने से पहले ही कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और समाधान निकालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगें कोई नई नहीं हैं। वे लंबे समय से अपने लंबित महंगाई भत्ते की मांग उठा रहे हैं। सरकार को कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द फैसला लेना चाहिए, ताकि किसी भी तरह के टकराव की स्थिति पैदा न हो। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कर्मचारियों की नाराजगी को नजरअंदाज करना सरकार के लिए नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह बातचीत के माध्यम से इस मामले का हल निकाले और कर्मचारियों को उनका बकाया भुगतान जल्द से जल्द जारी करे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था में कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। ऐसे में उनकी जायज मांगों को पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो कर्मचारी आंदोलन व्यापक रूप ले सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

न्यूज ब्रीफ

ड्रग सिंडिकेट पर शिकंजा, दो तस्करों को 10 साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी सिंडिकेट से जुड़े दो आरोपियों को विशेष अदालत ने 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने अक्षिंदर सिंह सोढ़ी और अमनदीप कुमार पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला सितंबर 2019 में 115 ग्राम कोकीन, 13 ग्राम एफेड्रिन और 80 ग्राम चरस की बरामदगी से जुड़ा है। जांच के दौरान एनसीबी ने बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का खुलासा किया, जिसका संचालन कनाडा में बैठे अमरिंदर सिंह उर्फ लड्डी चिन्ना द्वारा किए जाने का आरोप है। एनसीबी के अनुसार, सोढ़ी और कुमार इस नेटवर्क का हिस्सा थे और नशे की अवैध तस्करी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। फरार आरोपी लड्डी चिन्ना के खिलाफ जांच जारी है। एनसीबी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एरोट्रोपोलिस प्लॉट नीति पर भड़के किसान आंदोलन की दी चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। गमाडा की एरोट्रोपोलिस परियोजना में घोषित प्लॉट नीति को लेकर किसानों ने विरोध तेज कर दिया है। किसानों ने तीन अगस्त को जारी प्लॉट आकार पर आपत्ति जताते हुए अधिकारियों को मांगपत्र सौंपा है। प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव विकास गर्ग, गमाडा मुख्य प्रशासक संदीप ऋषि और भूमि अधिग्रहण कलेक्टर रोहित जिंदल से मुलाकात की। किसानों का आरोप है कि भूमि एकीकरण नीति के तहत प्लॉटों का आकार उनकी सहमति के बिना तय किया गया। उन्होंने छह से आठ कनाल तक के प्लॉटों के आकार में संशोधन की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे आंदोलन शुरू करेंगे। विरोध में कई गांवों के प्रभावित किसान शामिल हैं।

नौकरी का झांसा देकर 45 लाख ठगे, आरोपी पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, पीजीआई और अन्य सरकारी संस्थानों में नौकरी लगवाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से ठगी का मामला सामने आया है। मोहाली पुलिस ने आरोपी पंकज शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने 17 से 19 युवाओं से करीब 45 लाख रुपये ठगे। शिकायतकर्ताओं हरीश शर्मा और राजेश शर्मा ने बताया कि आरोपी ने हाईकोर्ट के जज से करीबी संबंध होने का दावा कर सेवादार, एमटीएस, क्लर्क और ड्राइवर जैसी नौकरियां दिलाने का भरोसा दिया था। आरोपी ने एक नौकरी के लिए साढ़े तीन लाख रुपये मांगे थे। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी जांच में शामिल नहीं हुआ है।

मोहाली स्कूल को मिली बम धमकी, पुलिस ने चलाया अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। फेज-6 स्थित शिवालिक पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को बम धमाके की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन को ई-मेल के माध्यम से धमकी भेजी गई, जिसमें 1:10 बजे स्कूल में ब्लास्ट होने की बात कही गई थी। इसके बाद एहतियात के तौर पर बच्चों की समय से पहले छुट्टी कर दी गई। धमकी भरे ई-मेल में खालिस्तान नेशनल आर्मी सहित कनाडा में रहने वाले कुछ लोगों का भी जिक्र किया गया है। मेल में मोहाली के अन्य स्कूलों, रेल पटरियों, मोहाली मेयर कार्यालय और पंजाब विधानसभा में धमाके करने की धमकी का भी उल्लेख किया गया। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्कूल परिसर में सर्च अभियान चलाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक ही फ्लैट तीन बार बेचने पर 30 लाख रूपए से ज्यादा की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

पीरमुछल्ला स्थित विक्टोरिया हाइट्स सोसाइटी में एक ही फ्लैट को अलग-अलग लोगों को बेचने के आरोप में जीरकपुर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित ने एक ही फ्लैट के कम से कम तीन अलग-अलग सौदे किए और तीन खरीदारों से कुल 30 लाख रुपये से अधिक की बयाना राशि प्राप्त की।

शिकायतकर्ता रजनी सत्संगी के अनुसार, उन्होंने अक्टूबर 2024 में संबंधित फ्लैट को 62 लाख रुपये में खरीदने का समझौता किया था। इस दौरान उन्होंने आरोपित जतिंदर सिंह को 14 लाख रुपये बयाना राशि के रूप में दिए। आरोपित ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि फ्लैट किसी तरह के कानूनी विवाद में नहीं है और सौदा पूरी तरह सुरक्षित है।

पुलिस रिकार्ड के अनुसार, फरवरी 2023 में आरोपित ने कामिनी गुप्ता से इसी फ्लैट के लिए 5.50 लाख रुपये बयाना लिया था। इसके बाद जून 2023 में नीरज बंसल से भी 11.30 लाख रुपये बतौर बयाना प्राप्त किए गए। दोनों सौदों के बावजूद फ्लैट का पंजीकरण नहीं कराया गया। इस तरह तीनों सौदों में आरोपित द्वारा 30.80 लाख रुपये की राशि लिए जाने की बात सामने आई है।

मामले में नीरज बंसल की शिकायत पर जीरकपुर थाने में पहले ही प्राथमिकी दर्ज हो चुकी थी। इसके बावजूद आरोप है कि जतिंदर सिंह ने पूर्व विवाद और दर्ज मामले की जानकारी छिपाते हुए अक्टूबर 2024 में रजनी सत्संगी के साथ तीसरी बार फ्लैट का सौदा कर लिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्हें न तो फ्लैट का कब्जा मिला और न ही उनके द्वारा दी गई बयाना राशि वापस की गई।

एएसपी जीरकपुर की जांच रिपोर्ट में आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों की पुष्टि होने के बाद एसएसपी मोहाली की मंजूरी से जीरकपुर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

हेडमास्टर्स ब्रांड ठगी मामले में सैलून संचालक दंपती पर एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर के चर्चित ब्यूटी सैलून ब्रांड 'हेडमास्टर्स' के नाम पर 1.65 करोड़ रुपये की कथित ठगी के मामले में सेक्टर-3 थाना पुलिस ने सैलून संचालक वीर कौल और उनकी पत्नी परमिंदर कौर उर्फ पम्मी कौल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक षड्यंत्र और धमकी देने जैसी धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार यह मामला सेक्टर-8 स्थित हेयर रेंजर्स एलएलपी के पार्टनर मुनीश बजाज की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वीर कौल और उनकी पत्नी सेक्टर-8सी स्थित हेडमास्टर्स सैलून का संचालन करते थे। उस समय वे मकान मालिक के साथ एक करोड़ रुपये से अधिक के बकाया किराये के विवाद में उलझे हुए थे।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी दौरान आरोपितों ने उन्हें भरोसे में लिया और बकाया किराया चुकाने के बदले हेडमास्टर्स ब्रांड के चंडीगढ़ में विशेष अधिकार देने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ।

किराये के भुगतान और ब्रांड अधिकार के नाम पर ली राशि : शिकायत के मुताबिक 20 मार्च 2024 को हुए त्रिपक्षीय समझौते के तहत शिकायतकर्ता ने आरोपितों की ओर से मकान मालिक को 1.15 करोड़ रुपये का बकाया किराया जमा किया। इसके बाद उसी दिन एक अन्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया, जिसमें वीर कौल ने खुद को हेडमास्टर्स ट्रेडमार्क का मालिक बताते हुए चंडीगढ़ में ब्रांड के विशेष अधिकार देने की बात कही। शिकायतकर्ता के अनुसार इस अधिकार के लिए एक करोड़ रुपये की राशि तय की गई थी, जिसमें से 50 लाख रुपये विभिन्न किश्तों में परमिंदर कौर के बैंक खाते में जमा कराए गए।

देरी से भुगतान पर बढ़ेगा ब्याज, समय पर जमा करने वालों को मिलेगी अधिक राहत

पार्किंग शुल्क पूरा पर सुरक्षा की जिम्मेदारी शून्य; एक्टिवा चोरी के बाद निगम पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर में स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम की अधिकृत पार्किंग में वाहन खड़ा करने के लिए लोगों से शुल्क तो लिया जा रहा है, लेकिन पार्किंग परिसर से वाहन चोरी होने की स्थिति में निगम अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब वाहन की सुरक्षा की जिम्मेदारी ही नहीं है तो नागरिकों से पार्किंग शुल्क किस आधार पर वसूला जा रहा है। खास बात यह है कि पार्किंग की पर्ची खोने पर वाहन मालिक से 100 रुपये जुर्माना लिया जाता है, लेकिन लाखों रुपये का वाहन चोरी होने पर उसकी भरपाई के लिए निगम कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

सुबह पार्किंग में खड़ी की एक्टिवा, शाम को गायब मिली : सेक्टर-39 निवासी मोहित गुप्ता ने बताया कि वह निजी कंपनी में कार्यरत हैं। 23 जुलाई को रोजाना की तरह वह अपनी एक्टिवा लेकर सेक्टर-17 पहुंचे थे। सुबह करीब साढ़े नौ बजे उन्होंने ब्लिंकइट कार्यालय के सामने स्थित नगर निगम की अधिकृत पार्किंग में एक्टिवा खड़ी की और निर्धारित पार्किंग शुल्क भी जमा किया। ड्यूटी खत्म होने के बाद जब वह शाम को पार्किंग में पहुंचे तो उनकी एक्टिवा वहां नहीं थी। मोहित के अनुसार, उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस की ओर से उन्हें ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। इसके बाद उन्होंने पार्किंग संचालक से वाहन चोरी के बारे में जानकारी मांगी और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आरोप है कि पार्किंग संचालक ने साफ कह दिया कि पार्किंग से वाहन चोरी होने पर उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती।

निगम ने भी जिम्मेदारी लेने से किया इनकार : वाहन चोरी होने के बाद मोहित गुप्ता ने नगर निगम, उपायुक्त कार्यालय और प्रशासन को लिखित शिकायत भेजकर मामले में कार्रवाई के साथ मुआवजे की मांग की। नगर निगम की ओर से दिए गए जवाब में स्पष्ट किया गया कि पार्किंग परिसर से वाहन चोरी होने पर निगम की कोई जवाबदेही नहीं है।

हजारों वाहन खड़े, सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी? सेक्टर-17 समेत शहर की विभिन्न नगर निगम पार्किंगों में रोजाना बड़ी संख्या में वाहन खड़े होते हैं। वाहन मालिक पार्किंग शुल्क इसलिए देते हैं कि निर्धारित स्थान पर वाहन खड़ा करने की सुविधा मिले और पार्किंग व्यवस्था व्यवस्थित हो। लेकिन यदि पार्किंग परिसर में वाहन चोरी होने के बाद निगम किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता तो पूरी व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मुखिया के इंतजार में स्वच्छता शाखा जीरकपुर की सफाई व्यवस्था बेहाल

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। नगर परिषद की स्वच्छता शाखा में लंबे समय से मुख्य स्वच्छता निरीक्षक (सीएसआई) का पद खाली पड़ा है। स्थायी अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने के कारण शहर की सफाई व्यवस्था निरीक्षकों के भरोसे चल रही है। इसका असर न केवल रोजमर्रा की सफाई व्यवस्था पर पड़ रहा है, बल्कि कई प्रशासनिक कार्यों और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी देरी हो रही है।

स्वच्छता शाखा के जिम्मे शहर के सभी वार्डों की सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान, घर-घर कूड़ा संग्रहण, सीवर सफाई, विशेष सफाई अभियान और लोगों की शिकायतों का समाधान जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। वहीं, जीरकपुर की बढ़ती आबादी और नई कॉलोनियों व रिहायशी सोसाइटियों के विस्तार के कारण सफाई व्यवस्था का दायरा लगातार बढ़ रहा है।

स्थायी प्रमुख अधिकारी न होने से नई योजनाओं को मंजूरी दिलाने, बजट संबंधी फाइलों को आगे बढ़ाने और बड़े फैसले लेने

◆ सीएसआई पद खाली होने से सफाई योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों में देरी

में अधिकारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा समय में निरीक्षक रोजाना की सफाई व्यवस्था तो संभाल रहे हैं, लेकिन बड़े स्तर पर निर्णय लेने में देरी हो रही है।

इसका असर शहर में सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने की योजनाओं पर भी दिखाई दे रहा है। नई सफाई मशीनों की खरीद, कर्मचारियों की तैनाती और वार्डों में संसाधनों के बेहतर वितरण से जुड़े कई प्रस्ताव लंबित हैं। हाल ही में कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान भी शीर्ष अधिकारी नहीं होने के कारण निर्णय प्रक्रिया धीमी रही। नगर परिषद की स्वच्छता शाखा का कहना है कि शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए स्थायी मुख्य स्वच्छता निरीक्षक की नियुक्ति जरूरी है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

गोल्फ क्लब को राहत, आरटीआइ के दायरे वाले फैसले पर लगी रोक

14 अक्टूबर को होगी सुनवाई, तब तक एकलपीठ के फैसले पर रोक रहेगी जारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ गोल्फ क्लब को बड़ी अंतरिम राहत देते हुए उसे सूचना का अधिकार (आरटीआइ) अधिनियम, 2005 के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी' घोषित करने वाले एकलपीठ के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। जस्टिस जसगुरप्रीत सिंह पुरी और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने क्लब की अपील पर नोटिस आफ मोशन जारी करते हुए मामले की अंतिम सुनवाई के लिए 14 अक्टूबर की तारीख तय की है।

खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान क्लब को अंतरिम राहत प्रदान करते हुए एकलपीठ के उस आदेश के प्रभाव पर रोक लगा दी, जिसके तहत क्लब को आरटीआइ कानून के दायरे में आने वाली सार्वजनिक प्राधिकरण की श्रेणी में रखा गया था। अब इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलों पर विस्तृत सुनवाई अक्टूबर में होगी।

चंडीगढ़ गोल्फ क्लब की ओर से अदालत को बताया गया कि 29 मई को एकलपीठ ने उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसी फैसले में क्लब को आरटीआइ अधिनियम के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी' माना गया था। क्लब ने एकलपीठ के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए खंडपीठ के समक्ष अपील दायर की।

क्लब की ओर से दलील दी गई कि एकलपीठ ने मुख्य रूप से दो आधारों पर उसे सार्वजनिक प्राधिकरण की श्रेणी में रखा था। पहला आधार क्लब को चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई गई भूमि का किराया था। एकलपीठ ने माना था कि क्लब प्रशासन को बाजार मूल्य के एक प्रतिशत से भी कम किराया दे रहा है। इस आधार पर इसे सरकारी भूमि रियायती दर पर लीज पर दिए जाने का मामला माना गया था।

क्लब ने इस निष्कर्ष का विरोध करते हुए कहा कि वर्तमान में वह आकलित बाजार मूल्य के अनुरूप किराया अदा कर रहा है। क्लब की ओर से सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए यह भी तर्क दिया गया कि किसी संस्था को केवल सरकार से सब्सिडी या रियायती सुविधा मिलने के आधार पर 'पब्लिक अथॉरिटी' नहीं माना जा सकता। इसके लिए संस्था पर सरकार के पर्याप्त नियंत्रण और अन्य वैधानिक शर्तों का पूरा होना जरूरी है।

दूसरा आधार क्लब के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में चंडीगढ़ प्रशासन के प्रतिनिधियों की मौजूदगी से जुड़ा था। एकलपीठ ने माना था कि 15 सदस्यीय बोर्ड में सरकार के तीन नामित सदस्यों की मौजूदगी प्रशासन के पर्याप्त नियंत्रण को दर्शाती है।

क्लब ने खंडपीठ के समक्ष कहा कि बोर्ड में सरकार के तीन सदस्य होने मात्र से प्रशासन का बहुमत या प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं होता। क्लब के अनुसार इन तीनों नामित सदस्यों को मतदान का अधिकार भले प्राप्त है, लेकिन उनकी संख्या कुल 15 सदस्यों वाले बोर्ड में बहुमत से काफी कम है।

क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन की ओर से नामित सदस्यों की भूमिका मुख्य रूप से क्लब की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चंडीगढ़ प्रशासन के नियमों का पालन कराने तक सीमित है। इससे क्लब के दैनिक कामकाज या प्रशासन पर सरकार का व्यापक नियंत्रण साबित नहीं होता।

सुनवाई के दौरान एक पक्षकार ने नोटिस स्वीकार करते हुए एकलपीठ के फैसले का समर्थन किया और कहा कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर क्लब को आरटीआइ अधिनियम के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी' घोषित करना उचित है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खंडपीठ ने फिलहाल एकलपीठ के निर्णय पर अंतरिम रोक लगा दी। अब मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी, जिसमें क्लब की अपील पर विस्तृत विचार किया जाएगा।

लांडरां मार्ग पर दर्दनाक हादसे से बीटेक छात्र की हुई मौत, साथी हुए घायल

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

लांडरां-बनूड़ मार्ग पर बुधवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बीटेक के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बाबा बंदा सिंह बहादुर मार्ग पर उस समय हुआ, जब मोटरसाइकिल सवार दोनों छात्र आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक चला रहे छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान हरस निवासी सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। वह लांडरां के पास झंझेरी स्थित एक निजी कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। हादसे के समय उसके साथ मोटरसाइकिल पर कॉलेज का एक अन्य छात्र भी सवार था। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार हादसा बुधवार शाम करीब पांच बजे हुआ। घायल छात्र को पहले नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मोहाली के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार घायल छात्र की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है और उसका उपचार जारी है।

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस चौकी इंचार्ज बरमा सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोटरसाइकिल आगे चल रहे ट्रक से टकराई थी, लेकिन हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि हादसे से जुड़े घटनाक्रम और ट्रक की पहचान के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सके।

हादसे की खबर मिलने के बाद मृतक के परिवार और कॉलेज में शोक की लहर है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हादसे के वास्तविक कारणों का पता चलेगा।

सुखबीर बादल-मोदी मुलाकात से पंजाब में सियासी हलचल तेज

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद अकाली-भाजपा गठबंधन की अटकलों ने पकड़ा जोर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में शुक्रवार को उस समय हलचल तेज हो गई, जब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह बैठक संसद भवन परिसर में हुई। सुखबीर बादल सुबह ही दिल्ली पहुंचे थे, जिसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। हालांकि इस बैठक के आधिकारिक एजेंडे की जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन पंजाब के मौजूदा राजनीतिक हालात और आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इसे बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब में विधानसभा चुनाव को अब करीब चार महीने का समय बचा है। ऐसे में सुखबीर बादल और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सबसे ज्यादा चर्चा शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच दोबारा गठबंधन की संभावनाओं को लेकर हो रही है। हालांकि दोनों दलों की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि पंजाब की चुनावी राजनीति में अकाली दल और भाजपा का गठबंधन लंबे समय तक प्रभावी रहा है। दोनों दलों के बीच सीटों का बंटवारा भी तय था। परंपरागत रूप से अकाली दल ग्रामीण क्षेत्रों, किसान वर्ग और पंथक मुद्दों पर मजबूत पकड़ रखता रहा है, जबकि भाजपा का प्रभाव शहरी क्षेत्रों और हिंदू मतदाताओं के बीच अधिक माना जाता है। दोनों दलों के साथ आने से गांव और शहर के वोट बैंक को जोड़ने का समीकरण तैयार होता था।

अकाली दल और भाजपा के गठबंधन की सबसे बड़ी ताकत दोनों पार्टियों का अलग-अलग क्षेत्रों में संगठनात्मक आधार था। चुनावों के दौरान दोनों दल अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारते थे और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिलता था। इससे गठबंधन उम्मीदवारों को कई सीटों पर चुनावी लाभ मिलता था।

यह गठबंधन वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में काफी सफल रहा था। उस समय शिरोमणि अकाली दल और भाजपा गठबंधन ने 68 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कर राज्य में सरकार बनाई थी। इसके बाद भी दोनों दल लंबे समय तक साथ मिलकर चुनाव लड़ते रहे।

हालांकि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों का गठबंधन टूट गया था। इसके बाद दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव मैदान में उतरीं। गठबंधन टूटने का असर चुनाव परिणामों में भी देखने को मिला। वोटों के बंटवारे से दोनों दलों की चुनावी ताकत कमजोर हुई और दोनों ही पार्टियां विधानसभा में दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकीं। अब आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सुखबीर बादल और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात ने पंजाब की राजनीति में नई संभावनाओं को जन्म दिया है। अगर दोनों दलों के बीच दोबारा गठबंधन होता है तो यह राज्य के चुनावी समीकरणों को काफी प्रभावित कर सकता है। फिलहाल सभी की नजरें दोनों दलों के अगले कदम और आधिकारिक बयान पर टिकी हुई हैं।

आगामी चुनावों को देखते हुए सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति मजबूत करने में जुटे हुए हैं। सुखबीर बादल और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात को इसी राजनीतिक कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि गठबंधन को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन दोनों दलों के नेताओं की गतिविधियों पर राजनीतिक नजरें बनी हुई हैं। यदि अकाली दल और भाजपा फिर से साथ आते हैं तो पंजाब में बहुकोणीय मुकाबला और अधिक दिलचस्प हो सकता है। आने वाले दिनों में दोनों दलों की ओर से सामने आने वाले बयान ही भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करेंगे।

कनाडा में फंसे पंजाबी छात्रों की मदद को लेकर सरकार ने तेज किए प्रयास

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

कनाडा में पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्क परमिट हासिल करने में आ रही परेशानियों से जूझ रहे पंजाबी विद्यार्थियों के मामले को लेकर पंजाब सरकार ने गंभीरता दिखाई है। पंजाब के एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार प्रभावित विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करेगी और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रभावी कदम उठाएगी।

डॉ. रवजोत सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि कनाडा में वर्क परमिट संबंधी संकट के कारण 1500 से अधिक पंजाबी विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार लगातार इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और विद्यार्थियों से जुड़ी वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को पत्र लिखा गया है और उनसे जल्द मुलाकात के लिए समय मांगा गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से आग्रह किया गया है कि वह कनाडा सरकार के सामने इस मामले को कूटनीतिक स्तर पर उठाए, ताकि प्रभावित विद्यार्थियों को जल्द राहत मिल सके।

डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में पंजाबी परिवारों ने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद में कनाडा भेजने के लिए लाखों रुपये खर्च किए थे। कई परिवारों ने लगभग 20-20 लाख रुपये तक की राशि खर्च कर बच्चों को वहां शिक्षा दिलाने का सपना देखा था। विद्यार्थियों को दाखिले के समय यह जानकारी दी गई थी कि दो वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद वे अध्ययन के बाद मिलने वाले वर्क परमिट के लिए पात्र होंगे। लेकिन अब बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को परमिट नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक, मानसिक और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि कई प्रभावित विद्यार्थियों ने उनसे संपर्क कर अपनी समस्याएं साझा की हैं। पंजाब सरकार उनकी परेशानियों को संवेदनशीलता के साथ देख रही है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

एनआरआई मामलों के मंत्री ने कहा कि कई विद्यार्थियों ने कनाडा की फेडरल कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। यदि आवश्यकता पड़ी तो पंजाब सरकार सामूहिक कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और योग्य अधिवक्ताओं की सेवाएं लेने पर भी विचार करेगी, ताकि विद्यार्थियों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम किया जा सके। उन्होंने कनाडा में पंजाबी मूल के सांसदों से भी अपील की कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस मानवीय मुद्दे को कनाडाई सरकार के समक्ष मजबूती से उठाएं।

गांवों में शहर का कूड़ा फेंकने पर भड़के ग्रामीणों ने वाहनों को रोका

कूड़ा डंपिंग के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन, प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर । लंबे समय से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने के बाद शहर में जमा कूड़े को उठाने का काम शुरू कर दिया गया है। लेकिन अब कूड़े के निस्तारण को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। शहर से उठाया गया कूड़ा सीमावर्ती गांवों में ले जाकर फेंकने के आरोपों के बाद ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिला।

जानकारी के अनुसार, जैसे ही कूड़े से भरे वाहन सीमावर्ती गांवों की ओर पहुंचे, ग्रामीणों ने उनका विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने कई कूड़ा वाहनों को रास्ते में ही रोक लिया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि शहरों में जमा कूड़े के बड़े-बड़े ढेर ट्रकों में भरकर गांवों के आसपास खाली किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का वातावरण खराब हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांवों के नजदीक कूड़ा फेंकने से इलाके में बदबू फैलने के साथ-साथ प्रदूषण भी बढ़ेगा। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि खुले में कूड़ा डालने से मच्छर, कीड़े-मकौड़े और संक्रमण फैलाने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि कूड़ा निस्तारण के लिए स्थायी और वैज्ञानिक व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा कि शहर की समस्या का समाधान गांवों के लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि वे किसी भी कीमत पर शहर का कूड़ा अपने क्षेत्रों में डंप नहीं होने देंगे।

ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि कूड़ा वाहनों को गांवों की ओर भेजना जारी रखा गया तो उनका विरोध प्रदर्शन और तेज किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि कूड़े के निपटारे के लिए उचित स्थान निर्धारित किया जाए और पर्यावरणीय नियमों का पालन किया जाए। फिलहाल ममले को लेकर ग्रामीणों और प्रशासन के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक वे कूड़े से भरे वाहनों का विरोध जारी रखेंगे।

लूट का विरोध करने पर युवक का तोड़ा घुटना

भारतेंदु संवाददाता, तरनतारन । तरनतारन जिले में लूटपाट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामले में तीन लुटेरों ने एक युवक को निशाना बनाते हुए कृपाण से हमला कर दिया, जिससे उसका घुटना टूट गया। आरोपी युवक से मोबाइल फोन और 900 रुपये नकद छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मुगलचक पन्नुआं निवासी प्रिंसपाल सिंह (20) ने बताया कि 3 अगस्त की रात करीब 8 बजे वह अपने घर जा रहा था। रास्ते में तीन युवकों ने उसे घेर लिया। आरोपियों के पास तेजधार हथियार थे। उन्होंने प्रिंसपाल से मोबाइल फोन और जेब में रखी नकदी छीनने की कोशिश की।

प्रिंसपाल ने जब इसका विरोध किया तो एक आरोपी ने कृपाण से उस पर कई वार कर दिए। हमले में उसके घुटने की हड्डी टूट गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी उसका मोबाइल और नकदी लेकर फरार हो गए। पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसने एसएसपी से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्वतंत्रता दिवस पर जालंधर में बढ़ी सुरक्षा, महिला पुलिस भी तैनात

संवेदनशील स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों की बढ़ाई गई तैनाती

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। स्वतंत्रता दिवस समारोहों को देखते हुए जालंधर पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संवेदनशील स्थानों, बाजारों, प्रमुख चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस बार सुरक्षा व्यवस्था में महिला पुलिस कर्मियों की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण नजर आ रही है।

स्वतंत्रता दिवस सुरक्षा में महिला पुलिस निभा रही अहम जिम्मेदारी

पुलिस कमिश्नर सतिंद्र सिंह ने बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में महिला पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। ये महिला पुलिस कर्मी दिन-रात पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस की ओर से शहर में विशेष नाकाबंदी की गई है। इन नाकों पर महिला पुलिस कर्मी पुरुष पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर वाहनों की गहन जांच कर रही हैं। संदिग्ध लोगों से पूछताछ, महिलाओं की तलाशी और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महिला पुलिस की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि महिला पुलिस बल का मनोबल काफी ऊंचा है और वे पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में उनकी विशेष तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि महिला पुलिस कर्मियों द्वारा बाजारों, शॉपिंग मॉल, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगातार पैदल गश्त की जा रही है। इसके अलावा सुरक्षा नाकों पर वाहनों की जांच के साथ-साथ लोगों के पहचान पत्र भी देखे जा रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि शहरवासियों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वतंत्रता दिवस के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाने के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोहों के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी। शहर के प्रवेश और निकास मार्गों पर भी निगरानी बढ़ाई गई है।

लुधियाना में हथियारों संग वीडियो हुआ वायरल, आरटीओ अधिकारी पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना । पंजाब सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो व रील बनाने पर रोक लगाए जाने के बावजूद ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। लुधियाना में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने नई चर्चा छेड़ दी है।

वायरल वीडियो में एक कार के अंदर चार लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कार की पिछली सीट पर बैठे दो युवकों के हाथों में पिस्तौल नजर आ रही हैं। आरोप है कि युवकों ने हथियारों को खुले तौर पर दिखाते हुए मोबाइल से वीडियो बनाया और इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टेटस के रूप में अपलोड कर दिया।

मामले में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि जिस कार में यह वीडियो बनाया गया, उसे चलाने वाला व्यक्ति लुधियाना के आरटीओ कार्यालय में तैनात एक सरकारी अधिकारी बताया जा रहा है। इसको लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं कि यदि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ही ऐसे मामलों में शामिल होंगे तो आम लोगों को नियमों का पालन करने के लिए कैसे प्रेरित किया जाएगा। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वीडियो में दिखाई दे रहे हथियार लाइसेंसी हैं या अवैध।

एफआईबीए अंडर-18 एशिया कप में पंजाब का सितारा दिखाएगा खेल कौशल

लुधियाना के जॉयप्रीत का भारतीय बास्केटबॉल टीम में चयन, बढ़ाया मान

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना बास्केटबॉल अकादमी (एलबीए) के होनहार खिलाड़ी जॉयप्रीत सिंह सिद्धू ने शहर और पंजाब का नाम रोशन किया है। जॉयप्रीत का चयन एफआईबीए अंडर-18 एशिया कप 2026 के लिए भारतीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 13 से 23 अगस्त 2026 तक गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नारनपुरा में आयोजित की जाएगी।

जॉयप्रीत के भारतीय टीम में चयन पर पंजाब बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी आरएस गिल तथा महासचिव तेजा सिंह ढालीवाल ने खुशी जताई है। उन्होंने इसे पंजाब और लुधियाना के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जॉयप्रीत की मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण के कारण उन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई है।

पदाधिकारियों ने जॉयप्रीत के मुख्य कोच जयपाल सिंह और जसप्रीत सिंह के मार्गदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) की चयन प्रक्रिया काफी कठिन होती है और उसमें जगह बनाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि होती है।

जॉयप्रीत इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। वह श्रीलंका में आयोजित एशिया कप साउथ एशियन बास्केटबॉल एसोसिएशन (एसएबीए) क्वालीफायर में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

लुधियाना सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल नाके मिले खाली

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पंजाब पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन लुधियाना में इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब पुलिस के एडीजीपी (सिक्योरिटी) कौस्तुभ शर्मा ने बुधवार को शहर का दौरा कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया था। उनके दौरे के दौरान पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई और प्रमुख चौराहों व प्रवेश मार्गों पर भारी नाकाबंदी दिखाई दी। हालांकि, एडीजीपी के लौटने के बाद सुरक्षा व्यवस्था में ढील के आरोप लगाए जा रहे हैं। सुरक्षा प्रबंधों की स्थिति जांचने के लिए देर रात शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा किया गया तो कई प्रमुख चौराहों और एंट्री प्वाइंट्स पर बैरिकेड्स तो मौजूद थे, लेकिन पुलिसकर्मी नजर नहीं आए।

ताजपुर रोड पर नशा बेचने का वीडियो हुआ वायरल, पुलिस जांच में जुटी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शहर के ताजपुर रोड इलाके से नशे के कथित कारोबार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवती सड़क पर कुछ युवकों को नशीला पदार्थ बेचती और उनसे पैसे लेते हुए दिखाई दे रही है। एक राहगीर ने दूर खड़े होकर इस पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया और बाद में इसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ताजपुर रोड क्षेत्र में नशा तस्करी से जुड़े मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। लोगों के अनुसार, इससे पहले भी कई बार इस इलाके से नशा बेचने के वीडियो वायरल हो चुके हैं। हालांकि पुलिस की ओर से कई मामलों में कार्रवाई की गई है, लेकिन कुछ शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद लुधियाना पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एसीपी रमंदीप कुमार ने वीडियो संदेश जारी कर मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ताजपुर रोड और आसपास के क्षेत्रों में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है।

एसीपी ने जानकारी दी कि अब तक इस इलाके में नशा तस्करी से जुड़े 14 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से तीन मामलों में कमर्शियल मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं।

जालंधर स्कूल में खालिस्तानी झंडे के मामले पर जांच में जुटीं सुरक्षा एजेंसियां

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर जिले के सरकारी मिडिल स्कूल कोटला हेरां में खालिस्तानी झंडा लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इस मामले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने लेने का दावा किया है। संगठन से जुड़े गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी कर स्कूल में खालिस्तानी झंडा लगाने का दावा किया है।

जानकारी के अनुसार एसएफजे की ओर से एक कथित वीडियो फुटेज भी जारी की गई है, जिसमें सरकारी स्कूल कोटला हेरां के प्रिंसिपल कार्यालय के अंदर खालिस्तान जनमत संग्रह से संबंधित झंडा दिखाई देने का दावा किया गया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो संदेश में पंजाब के युवाओं और छात्रों को संबोधित करते हुए कई बातें कहीं। उसने 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोहों का विरोध करने की अपील की। वीडियो में उसने युवाओं से अलगाववादी गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान भी किया।

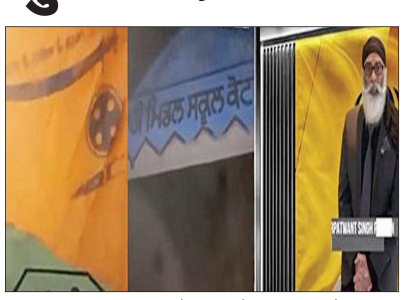

पन्नू ने वीडियो संदेश में खालिस्तान जनमत संग्रह से संबंधित गतिविधियों का जिक्र करते हुए लोगों से समर्थन करने की अपील की। उसने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंजाब में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर धमकी भरे बयान भी दिए हैं।

वीडियो में किए गए दावों और धमकियों के बाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों की ओर से मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि स्कूल परिसर में झंडा किसने लगाया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

जांच एजेंसियां वीडियो की सत्यता, इसे जारी करने वाले लोगों और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी पड़ताल कर रही हैं। स्कूल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है।

प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

बयानबाजी कैप्टन की तारीफ से पंजाब कांग्रेस और भाजपा में नई सियासी चर्चाएं तेज

राहुल के बयान से कैप्टन अमरिंदर सिंह फिर आए सियासी चर्चा में

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब में गन्ना किसानों के लंबित भुगतान का मामला एक बार फिर गरमा गया है। भारतीय किसान यूनियन दोआबा ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की बकाया राशि का जल्द भुगतान नहीं किया गया तो 20 अगस्त से राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन ने पहले चरण में फगवाड़ा में विशाल किसान रैली आयोजित करने का ऐलान किया है, जिसके बाद किसान सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेंगे।

जालंधर स्थित पंजाब प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय किसान यूनियन दोआबा के प्रधान मनजीत सिंह राय ने कहा कि सरकार किसानों के साथ हुए समझौते को लागू कराने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिसके कारण उनमें भारी नाराजगी है।

मनजीत सिंह राय ने बताया कि वर्ष 2021-22 का लगभग 27 करोड़ 84 लाख रुपये का गन्ना भुगतान अभी तक लंबित है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 के गन्ना सीजन में प्रति क्विंटल 68 रुपये 50 पैसे के हिसाब से मिलने वाली राशि और फगवाड़ा चीनी मिल की ओर से प्रति क्विंटल 41 रुपये 60 पैसे की काटी गई पेनल्टी का भुगतान भी किसानों को नहीं किया गया है।

राहुल की कैप्टन तारीफ से पंजाब में नए सियासी समीकरणों की चर्चा तेज

उन्होंने आरोप लगाया कि सहकारी चीनी मिलों की ओर किसानों का बकाया लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की मौजूदगी में हुए समझौते के तहत किसानों ने अपनी जिम्मेदारियां पूरी कीं, लेकिन सरकार अपने वादों को पूरा नहीं कर पाई। किसान यूनियन ने आंदोलन से पहले सरकार को एक और मौका देने का फैसला किया है। इसके तहत 10 अगस्त को संगठन का प्रतिनिधिमंडल कपूरथला के उपायुक्त को मांग पत्र और चेतावनी पत्र सौंपेगा। यदि इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 20 अगस्त को फगवाड़ा की दाना मंडी में बड़ी किसान रैली आयोजित की जाएगी।

मनजीत सिंह राय ने कहा कि रैली के बाद आंदोलन को आगे बढ़ाने का फैसला किसानों की बैठक में लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को मजबूरी में संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। यदि आंदोलन के कारण आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी होती है तो इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी, क्योंकि किसानों की मांगों का समाधान समय पर नहीं किया गया।

शनिदेव की कृपा पाने का सर्वोत्तम मार्ग है सत्य, परिश्रम और निस्वार्थ सेवा

डॉ. अवनीश कुमार
सह-प्रोफेसर, सोलन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कुमारहट्टी

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का अपना विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इन्हीं दिनों में शनिवार का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यह दिन न्याय के देवता भगवान शनिदेव को समर्पित है। मान्यता है कि शनिदेव प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। इसलिए शनिवार केवल पूजा-अर्चना का दिन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, अनुशासन, सेवा और सद्कर्मों का संदेश देने वाला दिन भी है। यह दिन हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में ईमानदारी, सत्य, परिश्रम और धैर्य का मार्ग अपनाकर ही स्थायी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

हिंदू धर्मग्रंथों में भगवान शनिदेव को सूर्यदेव और माता छाया का पुत्र बताया गया है। उन्हें न्यायप्रिय, निष्पक्ष और कर्मफलदाता देवता माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शनिदेव किसी के साथ अन्याय नहीं करते, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को उसके अच्छे और बुरे कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं। यही कारण है कि लोग शनिवार के दिन विशेष रूप से भगवान शनिदेव की पूजा-अर्चना करते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की कामना करते हैं। शनिदेव का स्वरूप हमें यह शिक्षा देता है कि जीवन में कर्म सबसे बड़ा धर्म है और उसका परिणाम अवश्य मिलता है।

शनिवार के दिन देशभर के शनि मंदिरों में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ देखने को मिलती है। लोग सुबह स्नान करके भगवान शनिदेव की पूजा करते हैं, सरसों का तेल अर्पित करते हैं तथा तिल, उड़द की दाल और काले वस्त्रों का दान करते हैं। पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाने और हनुमान चालीसा का पाठ करने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गरीबों, जरूरतमंदों और असहाय लोगों की सहायता करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। सेवा और दान का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शनिवार का वास्तविक संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। यह दिन हमें अपने व्यवहार और कर्मों का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। यदि हम सत्य, ईमानदारी, परिश्रम और अनुशासन के साथ जीवन व्यतीत करें, तो किसी भी प्रकार का भय या चिंता हमारे जीवन में स्थान नहीं बना सकती। शनिदेव का न्याय हमें यह सिखाता है कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय, छल, कपट या अहंकार का व्यवहार अंततः दुख का कारण बनता है, जबकि सच्चाई और सदाचार हमेशा सम्मान दिलाते हैं।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में शनिवार का दिन लोगों के लिए मानसिक विश्राम का अवसर भी बन गया है। अनेक लोग इस दिन परिवार के साथ समय बिताते हैं, अधूरे कार्य पूरे करते हैं, सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं या आध्यात्मिक चिंतन के लिए समय निकालते हैं। व्यस्त जीवनशैली के बीच यह दिन आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। यदि प्रत्येक सप्ताह में एक दिन अपने जीवन, व्यवहार और लक्ष्यों का शांत मन से मूल्यांकन करें, तो वह अपने जीवन को अधिक संतुलित और सफल बना सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी शनिवार का विशेष महत्व माना जाता है। पीपल के वृक्ष की पूजा करने की परंपरा प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण का संदेश देती है। आज जब पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब हमें धार्मिक परंपराओं के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण का संकल्प भी लेना चाहिए। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता जैसे कार्य समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि शनिवार को केवल अंधविश्वास या भय से जोड़कर न देखा जाए, बल्कि इसे कर्म, अनुशासन, सेवा और आत्मचिंतन के पर्व के रूप में अपनाया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राजनीतिक संघर्ष नहीं, जनहित और विकास होना चाहिए हिमाचल की राजनीति का उद्देश्य

प्रमोद कुमार हर्ष
कोठी, सरकाघाट, जिला मंडी

हिमाचल प्रदेश में राजनीति का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। कुछेक माननीय असमर्यादित भाषा का प्रयोग करके देवभूमि की संस्कृति के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास कर रहे हैं, जो चिंता का विषय है। माननीय एक-दूसरे को खड़ी में रहने का सुझाव देकर पहले ही राजनीतिक सनसनी फैला चुके हैं। आपसी तीखी नोकझोंक में 'हू आर यू' और 'नॉनसेंस' जैसे शब्द विधानसभा सत्र में बोलकर उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई जा चुकी है। विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से दोनों पक्ष अक्सर टकराव की स्थिति में दिखाई देते हैं। जनता ने अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनकर भेजा है कि वे उनकी समस्याओं का समाधान करें, न कि केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में उलझे रहें।

प्रदेश पर बढ़ते कर्ज का बोझ लगातार जनता को प्रभावित कर रहा है, जिसकी चिंता सभी जनप्रतिनिधियों को करनी चाहिए। धर्मशाला विधायक सुधीर शर्मा के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लामबंद होने तथा पुतला जलाने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामलों में पुलिस रिपोर्ट दर्ज होने की खबरें भी सामने आई हैं। शांति प्रिय हिमाचल में प्रतिशोध की राजनीति के बजाय सौहार्द और संवाद का वातावरण बनना चाहिए। विधायक सुधीर शर्मा द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री पर की गई टिप्पणी को उचित नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह भी विचारणीय है कि एक लंबे समय तक सभ्य, मिलनसार और मृदुभाषी छवि रखने वाले नेता के मुख से ऐसे कटु शब्द क्यों निकले। जब किसी निर्वाचित विधायक को सार्वजनिक रूप से 'सरगना' कहा जाता है, तो इसे उस क्षेत्र की जनता के सम्मान से भी जोड़कर देखा जाता है, जिसने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखु द्वारा अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ विधायक को 'सरगना' और 'बिका हुआ' कहे जाने को लेकर राजनीतिक विवाद और गहरा गया। यदि समय रहते पार्टी नेतृत्व अपने विधायकों के साथ बेहतर तालमेल और संवाद बनाए रखता, तो शायद ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। बाद में सुधीर शर्मा ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया और उपचुनाव में धर्मशाला से जीत दर्ज की। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के करीबी रहे सुधीर शर्मा के मन में वर्षों पुराने राजनीतिक संबंध टूटने की पीड़ा स्वाभाविक रूप से रही होगी। आज भी उनके कांग्रेस नेताओं से व्यक्तिगत संबंधों की चर्चा होती है, जबकि भाजपा में भी उनकी राजनीतिक क्षमता को महत्व दिया जा रहा है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर सोशल मीडिया पर उनके भविष्य को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं।

हिमाचल प्रदेश आज अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। प्राकृतिक आपदाओं का लगातार बढ़ना, युवाओं में नशे का फैलता जाल, बेरोजगारी, अपराधों में वृद्धि, आत्महत्या की घटनाएं, सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी तथा सड़कों की बदहाल स्थिति जैसे विषय तत्काल ध्यान की मांग करते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का प्रतिनियुक्ति पर केंद्र सरकार में जाने की बढ़ती प्रवृत्ति भी कई सवाल खड़े करती है। ऐसे समय में राजनीतिक दलों को एक-दूसरे पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करने के बजाय प्रदेश के विकास और जनहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान आवश्यक है, लेकिन इसके साथ भाषा की मर्यादा बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। सरकार और विपक्ष दोनों को आलोचना को लोकतांत्रिक भावना से स्वीकार करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। हिमाचल की गरिमा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तभी संभव है, जब सभी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर प्रदेशहित को सर्वोपरि रखें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

डिजिटल युग की नई चुनौती

डिजिटल भारत का सपना केवल तेज इंटरनेट, ऑनलाइन सेवाओं और आधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है। इसकी सबसे बड़ी ताकत नागरिकों का विश्वास है। जब लोग बिना किसी डर के डिजिटल माध्यमों से बैंकिंग करते हैं, सरकारी सेवाओं का लाभ लेते हैं, ऑनलाइन खरीदारी करते हैं और अपने आर्थिक लेन-देन को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करते हैं, तभी डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। लेकिन इस विश्वास पर सबसे बड़ा खतरा साइबर अपराधों से उत्पन्न होता है। तकनीक जितनी तेजी से लोगों के जीवन को सरल बना रही है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने स्वार्थ का माध्यम बना लिया है। ऐसे में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और नागरिकों के भरोसे का प्रश्न भी है।

हाल के वर्षों में भारत में डिजिटल लेन-देन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और विभिन्न डिजिटल भुगतान माध्यमों ने आम नागरिक के जीवन को आसान बनाया है। गांव से लेकर महानगर तक लोग कुछ ही सेकंड में भुगतान कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खातों में पहुंच रहा है और डिजिटल सेवाएं जीवन का सामान्य हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन इसी विस्तार के साथ साइबर ठगी, फर्जी निवेश योजनाएं, फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, नकली वेबसाइटें, सोशल मीडिया फ्रॉड और पहचान की चोरी जैसी घटनाएं भी बढ़ी हैं। अपराधियों ने तकनीक को हथियार बनाकर लोगों की मेहनत की कमाई पर हमला करना शुरू कर दिया है।

ऐसे समय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा साइबर अपराधों को लेकर की गई गंभीर टिप्पणियों और सरकार तथा जांच एजेंसियों की सक्रियता महत्वपूर्ण संकेत हैं। यदि डिजिटल अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखना है, तो साइबर अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। अपराधियों तक तेजी से पहुंचना, उनकी संपत्तियों को जब्त करना, फर्जी बैंक खातों और संदिग्ध डिजिटल माध्यमों पर तत्काल कार्रवाई करना तथा अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय बढ़ाना समय की आवश्यकता है। साइबर अपराध की प्रकृति पारंपरिक अपराधों से अलग है। इसमें अपराधी अक्सर हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ मिनटों में लाखों रुपये की ठगी कर लेते हैं। इसलिए जांच एजेंसियों को भी तकनीकी रूप से उतना ही सक्षम और आधुनिक बनाना होगा।

यह भी सकारात्मक है कि साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में पीड़ितों की राशि वापस दिलाने के प्रयासों में तेजी आई है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने का प्रभावी माध्यम दिया है। अनेक मामलों में त्वरित कार्रवाई के कारण बड़ी धनराशि को अपराधियों तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया। यह दर्शाता है कि यदि शिकायत समय पर की जाए और विभिन्न एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करें, तो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। हालांकि यह सफलता अभी पर्याप्त नहीं कही जा सकती। देश की विशाल आबादी और तेजी से बढ़ते डिजिटल उपयोग को देखते हुए अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना बाकी है।

सिर्फ कानून या पुलिस व्यवस्था इस चुनौती का अकेले सामना नहीं कर सकती। साइबर सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार स्वयं नागरिकों की जागरूकता है। आज भी बड़ी संख्या में लोग अनजान लिंक पर क्लिक कर देते हैं, ओटीपी साझा कर देते हैं, नकली निवेश योजनाओं के झांसे में आ जाते हैं या सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी सार्वजनिक कर देते हैं। अपराधी मानव मनोविज्ञान का लाभ उठाते हैं। वे भय, लालच, जल्दबाजी और विश्वास का इस्तेमाल करके लोगों को ठगते हैं। इसलिए तकनीकी सुरक्षा के साथ डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही आवश्यक है।

विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में डिजिटल सुरक्षा को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। जिस प्रकार सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर बल दिया जाता है, उसी प्रकार साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम भी हर नागरिक को सिखाए जाने चाहिए। बैंक, दूरसंचार कंपनियां, डिजिटल भुगतान मंच और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी नियमित रूप से जनजागरूकता अभियान चलाएं। केवल चेतावनी संदेश भेज देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाना होगा कि धोखाधड़ी की पहचान कैसे करें और संकट की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं।

साइबर अपराधों से निपटने में तकनीकी नवाचार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध लेन-देन की पहचान पहले से अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकती है। बैंकिंग प्रणाली में जोखिम का स्वतः आकलन करने वाली तकनीकों का विस्तार, डिजिटल भुगतान मंचों की सुरक्षा को मजबूत करना तथा साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाना समय की मांग है। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी ऐसे मामलों का त्वरित निस्तारण होना चाहिए, ताकि अपराधियों के मन में कानून का भय बना रहे। डिजिटल दुनिया में सीमाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। इसलिए साइबर अपराधों के विरुद्ध लड़ाई भी केवल किसी एक राज्य या संस्था की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।

-शिवांश धाकड़

तीन तीर और तीन निशाने

कविता

शिव राज सन्याल, जवाली
जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

तीन राज्य और तीन सीटों का आया है नतीजा, किसी के चेहरे पे
मुस्कान, आया है किसे मजा। जनता ने फिर 'साफ़' कहा-यहीं हैं हमारी
अदा, लोकतंत्र की 'चौखट' पे, झूठा ना करिए वादा।
कहीं कमल मुस्काया फिर से हाथ ने बाज़ी मारी, कहीं 'नई उम्मीदें'
ने लिख दी, सत्ता की तैयारी। कुर्सी का हर ताज यहाँ पे, जनता की है यहीं
देन, अहंकारियों के शीश झुकाती, ये मतपेटी की रैन।
तीन राज्य, तीन परिणाम, तीन दिशाओं के संदेश, काम करेगा वही
टिकेगा, ये लोकतंत्र का परिवेश। नाम बड़ा, पद ऊँचा हो, फिर भी याद
रहे यह बात, जनता के विश्वास बिना, अधूरी रहती हर सौगात।
हार किसी की अंतिम नहीं, जीत भी 'नहीं' स्थायी,
राजनीति की इस 'चौसर' में, जनता सबसे न्यायी।
सेवा असल पहचान बने, न हो केवल शोर-शराबा,
जनमत की इस पावन धरा पर, विकास हो इरादा।

जब सीमाएं समाप्त होती हैं, तब शुरू होती हैं अनंत संभावनाएं

अशोक कुमार गुलेरिया
स्वतंत्र लेखक

अंतरराष्ट्रीय अनंतता दिवस प्रत्येक वर्ष 8 अगस्त को विश्वभर में मनाया जाता है। यह दिवस गणित, विज्ञान, दर्शन और ब्रह्मांड की असीम संभावनाओं के प्रति लोगों में जिज्ञासा और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समर्पित है। इस दिन को मनाने के लिए 8 अगस्त की तिथि इसलिए चुनी गई, क्योंकि 8 अंक को क्षैतिज रूप में रखने पर यह अनंत का प्रतीक बन जाता है। यह प्रतीक अनंतता, निरंतरता और असीम संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

अनंत का विचार केवल गणित तक सीमित नहीं है। यह मानव जीवन, प्रकृति, ब्रह्मांड, समय और ज्ञान जैसे अनेक क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। गणित में अनंत का प्रयोग उन संख्याओं या प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है जिनकी कोई अंतिम सीमा नहीं होती। यह अवधारणा सदियों से गणितज्ञों के लिए शोध और खोज का विषय रही है। प्राचीन भारतीय गणितज्ञों ने भी शून्य और अनंत जैसी अवधारणाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसने आधुनिक गणित की नींव को मजबूत बनाया।

विज्ञान के क्षेत्र में भी अनंतता का विशेष महत्व है। वैज्ञानिक आज भी ब्रह्मांड के विस्तार, आकाशगंगाओं की संख्या और अंतरिक्ष की सीमाओं को समझने का प्रयास कर रहे हैं। आधुनिक खगोल विज्ञान के अनुसार ब्रह्मांड इतना विशाल है कि उसकी पूर्ण सीमा का अनुमान लगाना आज भी संभव नहीं हो पाया है। इसी कारण अनंत का विचार वैज्ञानिकों को नई खोजों और अनुसंधानों के लिए प्रेरित करता है। यह अवधारणा हमें बताती है कि ज्ञान की कोई अंतिम सीमा नहीं होती और हर नई खोज के साथ नए प्रश्न जन्म लेते हैं।

दर्शनशास्त्र में अनंतता का संबंध जीवन, आत्मा, समय और अस्तित्व से जोड़ा जाता है। विभिन्न सभ्यताओं और धार्मिक परंपराओं में अनंत को शाश्वत सत्य तथा निरंतर चलने वाले जीवन चक्र का प्रतीक माना गया है। यह विचार मनुष्य को सीमित सोच से बाहर निकलकर व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देता है। अनंतता हमें यह समझाती है कि सीखने और आत्मविकास की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती।

शिक्षा के क्षेत्र में भी अंतरराष्ट्रीय अनंतता दिवस का विशेष महत्व है। इस अवसर पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में गणित, विज्ञान और तार्किक चिंतन से संबंधित प्रतियोगिताएं, व्याख्यान और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा, वैज्ञानिक सोच और शोध की भावना को प्रोत्साहित करना होता है। यह दिवस युवाओं को यह संदेश देता है कि ज्ञान का संसार असीमित है और निरंतर अध्ययन ही सफलता की कुंजी है।

आज के डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष अनुसंधान, क्वांटम कंप्यूटिंग और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में तेजी से प्रगति हो रही है। इन सभी क्षेत्रों की नींव गणित पर आधारित है, और गणित में अनंत की अवधारणा अनेक सिद्धांतों और अनुसंधानों का आधार बनती है। इसलिए यह दिवस केवल गणितज्ञों के लिए ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अनंतता का संदेश हमारे व्यक्तिगत जीवन में भी उतना ही प्रासंगिक है। यह हमें सिखाता है कि मनुष्य की सीखने की क्षमता, कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती। यदि व्यक्ति दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास के साथ आगे बढ़े, तो वह असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्यों को भी प्राप्त कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पंगत में परोसी जाने वाली हिमाचली धाम आज भी देवभूमि की गौरवशाली विरासत

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर।

हिमाचल प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक परंपराओं के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। देवभूमि के नाम से विख्यात यह प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ अपनी लोक संस्कृति, रीति-रिवाज, वेशभूषा, खानपान और पारंपरिक आयोजनों के कारण भी विशेष पहचान रखता है। यहां के लोगों का जीवन धार्मिक आस्था, सरलता और सामूहिकता की भावना से ओतप्रोत है। आधुनिकता और पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव बढ़ने के बावजूद हिमाचल की अनेक परंपराएं आज भी पूरी जीवंतता के साथ निभाई जा रही हैं। इन्हीं परंपराओं में सबसे महत्वपूर्ण स्थान हिमाचली धाम का है, जिसका स्वाद और आनंद वास्तव में अद्वितीय है।

हिमाचल प्रदेश में विवाह, यज्ञ, धार्मिक अनुष्ठान तथा अन्य शुभ अवसरों पर धाम का आयोजन विशेष महत्व रखता है। यह केवल भोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आतिथ्य और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है। अधिकांश क्षेत्रों में दोपहर के समय धाम परोसने की परंपरा आज भी यथावत बनी हुई है। पहले धाम की तैयारियां कई दिन पहले शुरू हो जाती थीं। गांव की महिलाएं एकत्र होकर चावल साफ करती थीं, जिसे स्थानीय भाषा में चावल छंडाई कहा जाता है। इस दौरान लोकगीत गाए जाते थे और सामूहिक श्रम के माध्यम से पूरे आयोजन में उत्साह का वातावरण बना रहता था।

धाम बनाने की प्रक्रिया भी अत्यंत रोचक और पारंपरिक होती है। घर के आंगन में अस्थायी रसोई बनाई जाती है। वहां एक गहरा गड्ढा तैयार किया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में 'तौण' कहा जाता है। इसी पर बड़े-बड़े बर्तनों में लकड़ी की आग पर भोजन पकाया जाता है। भोजन शुरू करने से पहले अग्नि देवता की पूजा कर गुड़ और देसी घी अर्पित करने की परंपरा भी निभाई जाती है। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति और अग्नि के प्रति सम्मान का भी संदेश देती है।

धाम तैयार करने वाले पारंपरिक रसोइयों को 'बोटी' कहा जाता है। वर्षों के अनुभव से वे स्वाद और गुणवत्ता का अद्भुत संतुलन बनाए रखते हैं। धाम में चावल, मदरा, राजमा, काले चने, माह की दाल, पलड़ा, कढ़ी तथा अन्य व्यंजन बनाए जाते हैं। कई व्यंजनों में देसी घी, दही और सूखे मेवों का उपयोग किया जाता है, जिससे उनका स्वाद और सुगंध कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि धाम की खुशबू दूर-दूर तक लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

धाम परोसने की अपनी अलग परंपरा है। अतिथियों को लंबी दरियों पर पंक्तिबद्ध बैठाया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में 'पैठ' या 'पंगत' कहा जाता है। सभी को पत्तलों में भोजन परोसा जाता है। पहले टौर के पत्तों से बनी पत्तलों का उपयोग होता था, जो पर्यावरण के अनुकूल भी थीं। परोसने वाले पूरी श्रद्धा और विनम्रता के साथ प्रत्येक व्यक्ति को भोजन परोसते हैं। विशेष बात यह है कि धाम परोसने के दौरान जूते-चप्पल पहनना उचित नहीं माना जाता। यह परंपरा भोजन और अतिथि के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

हिमाचली धाम केवल स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे अनेक लोक परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं। विवाह समारोह में जब दूल्हा-दुल्हन धाम खाने बैठते हैं, तब दुल्हन का रूठना और दूल्हे पक्ष द्वारा उसे उपहार देकर मनाने की रस्म आज भी कई क्षेत्रों में निभाई जाती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाने में वित्तीय जवाबदेही निभाएगी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका

बृज भूषण गांव हनोगी (456), डा. महोगी, त. औट (मंडी)

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में सुशासन केवल केंद्र और राज्य सरकारों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती स्थानीय स्वशासन संस्थाओं से आती है, जहाँ आम नागरिक सीधे विकास योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ता है। पंचायतें ग्रामीण भारत की प्रशासनिक रीढ़ हैं। वे सड़क, पेयजल, स्वच्छता, आवास, मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य अनेक विकास योजनाओं के लिए बड़ी मात्रा में सार्वजनिक धन का उपयोग करती हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की निगरानी पंचायत स्तर तक भी प्रभावी रूप से विस्तारित की जानी चाहिए?

कैग देश की सर्वोच्च संवैधानिक लेखा-परीक्षण संस्था है, जिसका मुख्य दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक धन का उपयोग कानून, पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन के अनुरूप हो। वर्तमान व्यवस्था में कैग मुख्य रूप से केंद्र और राज्य सरकारों के खातों तथा उनके अधीन संस्थाओं का ऑडिट करता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वित्तीय विकेंद्रीकरण के कारण पंचायतों को अधिक अधिकार और संसाधन प्राप्त हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन अब स्थानीय निकायों के माध्यम से होता है। इससे पंचायतों की जवाबदेही पहले की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

ग्रामीण विकास के लिए पंचायतों की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण है। वे स्थानीय आवश्यकताओं को बेहतर समझती हैं और योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में सबसे प्रभावी माध्यम हैं। लेकिन जहाँ बड़ी मात्रा में सार्वजनिक धन का उपयोग होता है, वहाँ वित्तीय अनियमितताओं, भ्रष्टाचार, फर्जी भुगतान और संसाधनों के दुरुपयोग की आशंका भी बनी रहती है। समय-समय पर विभिन्न राज्यों से पंचायत स्तर पर वित्तीय गड़बड़ियों और विकास कार्यों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसलिए मजबूत लेखा-परीक्षण व्यवस्था केवल वित्तीय अनुशासन का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास का भी प्रश्न है।

यदि पंचायतों तक कैग की निगरानी का प्रभावी ढांचा विकसित किया जाए, तो इसके अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। सबसे पहले सार्वजनिक धन के उपयोग में पारदर्शिता बढ़ेगी। विकास योजनाओं के लिए आवंटित राशि का सही उपयोग सुनिश्चित होगा और भ्रष्टाचार की संभावनाएँ कम होंगी। इससे स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही भी मजबूत होगी। जब अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को यह विश्वास होगा कि खर्च की निष्पक्ष समीक्षा होगी, तो वित्तीय अनुशासन स्वतः मजबूत होगा। साथ ही नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा कि उनके कर का पैसा वास्तव में विकास कार्यों पर खर्च हो रहा है।

हालाँकि इस विषय का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत में ढाई लाख से अधिक ग्राम पंचायतें हैं। इतनी बड़ी संख्या में पंचायतों का प्रत्यक्ष ऑडिट कैग द्वारा करना व्यावहारिक रूप से अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए विशाल मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और अतिरिक्त वित्तीय व्यवस्था की आवश्यकता पड़ेगी। इसके अलावा राज्यों में पहले से स्थानीय निधि लेखा-परीक्षण विभाग और अन्य ऑडिट एजेंसियाँ कार्यरत हैं, जो पंचायतों की वित्तीय समीक्षा करती हैं। ऐसे में समानांतर व्यवस्था बनाने से प्रशासनिक जटिलताएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसी कारण अधिक उपयुक्त समाधान प्रत्यक्ष नियंत्रण के बजाय सहयोगात्मक निगरानी का हो सकता है। कैग राज्य स्तरीय ऑडिट संस्थाओं के लिए मानक निर्धारित कर सकता है, उनके कार्यों की समय-समय पर समीक्षा कर सकता है तथा प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मराठी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री

प्राजक्ता माली
जन्म : 8 अगस्त 1989

प्राजक्ता माली मराठी फिल्म और टेलीविजन जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री, प्रस्तोता तथा नृत्यांगना हैं। उनका जन्म 8 अगस्त 1989 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ। अपनी सहज अभिनय शैली, आकर्षक व्यक्तित्व और बहुमुखी प्रतिभा के कारण उन्होंने मनोरंजन जगत में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। प्राजक्ता उन कलाकारों में शामिल हैं जिन्होंने छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ा है।

बचपन से ही प्राजक्ता को अभिनय और नृत्य में विशेष रुचि थी। उन्होंने भरतनाट्यम का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिससे उनकी मंचीय प्रस्तुतियों में निखार आया। शिक्षा पूरी करने के साथ-साथ उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा और अपनी मेहनत तथा लगन के दम पर दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की। उनका मानना है कि निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास किसी भी कलाकार की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

प्राजक्ता माली ने कई चर्चित मराठी धारावाहिकों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी स्वाभाविक अभिनय शैली और प्रभावशाली संवाद अदायगी ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने मराठी फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विभिन्न प्रकार के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता को सिद्ध किया। उन्होंने रोमांटिक, पारिवारिक और सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में अपनी अलग छाप छोड़ी है।

अभिनय के अलावा प्राजक्ता एक सफल मंच संचालक भी हैं। अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पुरस्कार समारोहों और टेलीविजन शो में उनकी प्रभावशाली प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा है। उनकी स्पष्ट अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और सहज संवाद शैली उन्हें एक सफल एंकर भी बनाती है। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी लोकप्रियता है, जहां वे अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के साथ-साथ स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली से जुड़े संदेश साझा करती रहती हैं। प्राजक्ता माली का व्यक्तित्व केवल अभिनय तक सीमित नहीं है। वे महिलाओं के आत्मविश्वास, शिक्षा और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर भी अपने विचार खुलकर रखती हैं।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रामजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

भाजपा विधायक तेजपाल नागर को लेकर वीडियो विवाद, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू

एजेंसी, नोएडा। दादरी थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर भाजपा विधायक और अन्य नेताओं के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम आकिलपुर जागीर निवासी प्रशांत नागर ने शिकायत दी कि इंस्टाग्राम पर नई आबादी दादरी निवासी जुनैद प्रधान ने अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए वीडियो पोस्ट किया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वीडियो से सामाजिक सौहार्द और लोक शांति प्रभावित हो सकती है। थाना प्रभारी नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य तथ्यों की जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर मंथन, आगरा में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

एजेंसी, आगरा। शहर के जेपी पैलेस होटल में शुक्रवार से दो दिवसीय एआई फ्यूचर रेडी कॉन्क्लेव का आयोजन शुरू हुआ। सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, उद्योगपति और शिक्षाविद हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद होंगे, जबकि इंडिया एआई मिशन के निदेशक मोहम्मद वाई. सफीरुल्ला भी मौजूद रहेंगे। कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य, शिक्षा, एमएसएमई और डिजिटल कॉमर्स में एआई की भूमिका पर चर्चा की जाएगी। विशेषज्ञ तकनीक की चुनौतियों, संभावनाओं और भविष्य की रणनीतियों पर अपने विचार साझा करेंगे। आयोजकों के अनुसार, यह मंच उद्योग, स्टार्टअप और विद्यार्थियों को एआई के व्यावहारिक उपयोग से जोड़ने का अवसर देगा। सम्मेलन में एआई आधारित प्रोजेक्ट, स्टार्टअप और नई तकनीकों की प्रदर्शनी व लाइव डेमो भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

प्रयागराज में सेफ्टी टैंक की जहरीली गैस की चपेट में आकर दो मजदूरों की मौत

एजेंसी, प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के नेवादा समोगर गांव में शुक्रवार को निर्माणाधीन मकान के सेफ्टी टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बैंदो गांव निवासी निहाल शुक्ला (35) और रजत शुक्ला (30) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों मजदूर ठेकेदार के साथ धर्मेन्द्र के निर्माणाधीन घर में टैंक की सफाई करने पहुंचे थे। सफाई के दौरान अचानक जहरीली गैस फैलने से दोनों बेहोश हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन टीम ने रेस्क्यू कर दोनों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और गृहस्वामी व ठेकेदार से पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

देवरिया में साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में गौरीबाजार और साइबर क्राइम थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने साइबर ठगी और डिजिटल करेंसी के जरिए धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, बैंकिंग दस्तावेज और 52 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पवन वर्मा, शुभम सिंह, सैफ अंसारी और रोशन वर्मा के रूप में हुई है। गिरोह फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, सिम कार्ड और म्यूल बैंक खातों का इस्तेमाल कर डिजिटल करेंसी प्लेटफॉर्म पर खाते बनाता था। इसके जरिए ठगी की रकम को खपाया जाता था। पुलिस ने आरोपितों के पास से पीओएस मशीन, एटीएम कार्ड, फर्जी दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की है। मामले में बीएनएस और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। जांच में गिरोह से जुड़े 23 लोगों के नाम सामने आए हैं।

बेटी व व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले जेल या जहन्नुम में होंगे : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने 706 करोड़ की 194 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

एजेंसी, अम्बेडकरनगर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अम्बेडकरनगर जिले में 706 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। विकास खंड रामनगर स्थित गोविन्द साहब के पास आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और चेक भी वितरित किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की सुरक्षा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अपराध करने वालों के लिए कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने पूर्व की समाजवादी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब थी और अपराधियों का बोलबाला था।

उन्होंने कहा कि पहले हर जिले में पेशेवर माफिया सक्रिय थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में काम किया है। आज कोई भी व्यक्ति छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता और न ही बेटियों के साथ अपराध करने का साहस कर सकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार देने का कार्य किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में नौकरियों में भाई-भतीजावाद हावी था, जिसके कारण योग्य युवाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने गोविंद साहब धाम की धार्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां आयोजित होने वाले मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि गोविंद साहब मेले को राजकीय मेले की मान्यता दिलाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अम्बेडकरनगर को विकास की नई गति मिल रही है। जिले को दो एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर जैसी सुविधाओं से स्थानीय लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण इसका उदाहरण है। उन्होंने युवाओं के लिए शिक्षा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अभ्युदय कोचिंग योजना के विस्तार की भी बात कही। कार्यक्रम में अम्बेडकरनगर के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने भी संबोधित किया।

रालोद यूपी अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने दिया इस्तीफा, पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ी

एजेंसी, लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शुक्रवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी। उन्होंने अपना त्यागपत्र रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चौधरी जयंत सिंह को भेज दिया है। हालांकि, इस मामले में पार्टी नेतृत्व की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'व्यक्ति से बड़ा दल, दल से बड़ा देश', इस्तीफे में रामाशीष राय ने रखी बात

डॉ. रामाशीष राय ने अपने इस्तीफे में मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने लिखा कि वह लोकनायक जयप्रकाश नारायण के 'संपूर्ण क्रांति' आंदोलन से प्रभावित होकर राजनीति में आए थे। उनका उद्देश्य व्यवस्था परिवर्तन और जनहित की राजनीति को आगे बढ़ाना था, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में उन्हें यह सपना अधूरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने अपने पत्र में लोकतंत्र में बढ़ते धनबल और प्रभावशाली वर्गों के प्रभाव का भी जिक्र किया। डॉ. राय ने कहा कि समाज में जाति, उपजाति और संप्रदाय के आधार पर विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंता का विषय है। रालोद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों और युवाओं के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों का उल्लेख करते हुए सामाजिक एकता और राष्ट्रहित पर जोर दिया।

डॉ. राय ने इस्तीफे के अंत में लिखा कि 'व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा देश' होता है। उन्होंने कहा कि वैचारिक और नैतिक कारणों से उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में जनसेवा, नैतिकता और सिद्धांतों को प्राथमिकता देना बेहद आवश्यक है।

नोएडा में 30 लोगों से 2.15 करोड़ रुपए ठगे, शेयर मार्केट और फर्जी ऐप के नाम पर बनाया शिकार

एजेंसी, नोएडा

फर्जी लिंक और ऐप से ठगी, नोएडा में साइबर अपराधियों का बढ़ता जाल।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में साइबर अपराधियों ने अलग-अलग तरीकों से 30 लोगों को अपना शिकार बनाकर करीब 2 करोड़ 15 लाख 58 हजार रुपये की ठगी कर ली।

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सभी मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश कर भारी मुनाफा दिलाने, बैंक केवाईसी अपडेट, फर्जी लिंक, क्रेडिट कार्ड के दुरुपयोग और मोबाइल हैकिंग जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया। सबसे अधिक शिकायतें शेयर ट्रेडिंग के नाम पर हुई ठगी की मिली हैं। साइबर अपराधी पहले लोगों से संपर्क कर उन्हें छोटे निवेश पर लाभ दिखाते हैं और विश्वास जीतने के बाद बड़ी रकम जमा करा लेते हैं।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि कई पीड़ितों से लाखों रुपये की ठगी की गई है।

लखनऊ में कार में जिंदा जलकर युवक की मौत

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अलग अलग थाना क्षेत्रों में कारों से शव मिलने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। बख्शी का तालाब और आशियाना थाना क्षेत्र में हुई घटनाओं की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पहली घटना बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में लखनऊ-सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर सरैया बाजार के पास हुई। यहां एक मारुति कार में अचानक आग लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। कार की तलाशी लेने पर ड्राइविंग सीट पर एक युवक का जला हुआ शव मिला। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर वाहन मालिक और परिजनों से संपर्क किया। मृतक की पहचान विकासनगर खुर्रम नगर निवासी अलमास हक (32) के रूप में हुई है। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि कार में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

लखनऊ में मॉर्निंग वॉक पर निकले चिकित्सक से चेन स्नेचिंग, बाइक सवार बदमाश फरार

एजेंसी, लखनऊ

राजधानी लखनऊ के गुडम्बा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले एक चिकित्सक के साथ चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई। बाइक सवार दो बदमाशों ने चिकित्सक के गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जानकीपुरम सेक्टर-जे निवासी डॉ. पवन कपूर रोजाना की तरह सुबह टहलने के लिए घर से निकले थे। वह जनता इंटर कॉलेज के पास घूम रहे थे, तभी दोपहिया वाहन पर सवार दो अज्ञात युवक उनके पास पहुंचे और मौका पाकर उनके गले से सोने की चेन छीन ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी तेजी से फरार हो गए। बदमाशों ने पहचान छिपाने के लिए हेलमेट पहन रखा था। पीड़ित चिकित्सक की सूचना पर गुडम्बा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

खुरपी बनवाने गए बुजुर्ग की हत्या मानसिक विक्षिप्त युवक पर आरोप

एजेंसी, महोबा

उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। खन्ना थाना क्षेत्र के ग्राम ग्योड़ी में एक युवक ने बुजुर्ग पर लाठी से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सदर क्षेत्राधिकारी रविकांत गौड़ ने बताया कि ग्राम ग्योड़ी निवासी हरिशंकर ने गांव के ही 80 वर्षीय बुजुर्ग रामाधार पर डंडानुमा लकड़ी से हमला किया। हमले में रामाधार गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कबरई लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग किसी काम के सिलसिले में आरोपी के घर गए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर घटना हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी जुटाई और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

मृतक के बेटे ने बताया कि उनके पिता कृषि कार्य के लिए खुरपी बनवाने के उद्देश्य से गांव के ही शिवदास विश्वकर्मा के घर गए थे। वहां शिवदास के बेटे हरिशंकर ने अचानक लाठी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोपी युवक को मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

कांवड़ यात्रा को लेकर बागपत में हाई अलर्ट एक्सप्रेस-वे पर डायवर्जन सख्ती से लागू

एजेंसी, बागपत

पुरा महादेव मंदिर पर सुरक्षा पहरा, कांवड़ मार्गों पर पुलिस की पैनी नजर।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को देखते हुए बागपत में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। शुक्रवार को पुरा महादेव मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एएस चेक टीम पीलीभीत और बीडीडीएस टीम अलीगढ़ ने संयुक्त रूप से सघन जांच अभियान चलाया। टीमों ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध स्थानों की बारीकी से जांच की।

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए मवीकलां कट पर विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे पर कांवड़ियों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजने की व्यवस्था की है। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय और क्षेत्राधिकारी बागपत ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को बैरियर और कट प्वाइंट पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रियों के साथ बेहतर व्यवहार करते हुए उन्हें सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया जाए।

अभियान के दौरान पुलिस ने कई वाहनों की खराब नंबर प्लेट ठीक कराई और चालकों को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया। एसपी ने लोगों से अपील की कि आपात स्थिति में तुरंत डायल-112 पर संपर्क करें और प्रशासन का सहयोग करें।

गंगा के बढ़ते जलस्तर का असर वाराणसी में बदले आरती के स्थान

एजेंसी, वाराणसी। गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से वाराणसी के प्रसिद्ध घाटों पर होने वाली गंगा आरती की व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। जलस्तर बढ़ने के कारण अस्सी घाट पर शुक्रवार को आरती स्थल को करीब 10 फीट ऊपर स्थानांतरित कर दिया गया। वहीं, दशाश्वमेध घाट पर भी गंगा का पानी आरती स्थल के नजदीक पहुंच गया है। स्थिति को देखते हुए आरती समितियां बदलाव की तैयारी कर रही हैं। दशाश्वमेध घाट के पास स्थित शीतला घाट के महंत बाबू महाराज ने बताया कि बारिश के मौसम में हर साल गंगा का जलस्तर बढ़ने पर आरती स्थल बदलना पड़ता है। उन्होंने बताया कि फिलहाल गंगा का पानी कुछ सीढ़ियों नीचे तक पहुंच चुका है। यदि आने वाले दिनों में बारिश तेज हुई तो घाटों के बीच आवागमन भी प्रभावित हो सकता है।

शिवगंगा दैनिक प्रभात फेरी संगठन के मंत्री नरेंद्र नाथ ने बताया कि घाटों को जोड़ने के लिए बनाए गए कई चबूतरे पानी में डूब चुके हैं। अभी तक चार बड़े चबूतरे गंगा की धारा में समा गए हैं। दशाश्वमेध घाट से अहिल्याबाई घाट जाने वाले रास्ते पर स्थित चबूतरे के भी जल्द डूबने की आशंका है। उन्होंने बताया कि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो आरती स्थल में फिर बदलाव करना पड़ सकता है। गंगा आरती समिति ने इस संबंध में शनिवार को बैठक बुलाई है, जिसमें आगे की व्यवस्था पर निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन और घाटों से जुड़े लोग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। गंगा आरती से जुड़ी समितियां प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर आगे की व्यवस्था तय करेंगी। जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

40 साल पुरानी परंपरा के साथ जौनपुर से निकली भव्य कांवड़ शोभायात्रा

एजेंसी, जौनपुर

श्रावण मास के पावन अवसर पर जौनपुर नगर में शुक्रवार को आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। प्राचीन बोल बम कांवरिया संघ की ओर से भगवान शिव की भव्य कांवड़ शोभायात्रा निकाली गई। करीब 40 वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा के तहत सैकड़ों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए रवाना हुए।

शोभायात्रा का शुभारंभ हनुमान घाट स्थित चौरा माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। संघ के संरक्षक संतोष सेठ और महासचिव विमल सिंह ने पूजन के बाद नारियल फोड़कर यात्रा की शुरुआत कराई। वहीं चेयरमैन प्रतिनिधि रामसूरत मौर्य ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं के जत्थे को रवाना किया। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, डीजे, भगवान शिव की आकर्षक झांकियां और द्वादश ज्योतिर्लिंग की मनमोहक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। यात्रा नगर के सद्भावना पुल, कलक्ट्री पड़ाव, ओलंदगंज, शाही पुल, चहारसू चौराहा, कोतवाली, सब्जी मंडी और सुतहट्टी बाजार होते हुए भंडारी रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां से कांवरिया भक्त फरक्का एक्सप्रेस से बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुए।

श्रद्धालु सुल्तानगंज पहुंचकर गंगाजल भरेंगे और वहां से पैदल यात्रा कर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर कांवरियों का स्वागत किया। संघ अध्यक्ष सुधीर साहू ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सबसे पवित्र समय है। संघ पिछले चार दशक से इस परंपरा को निरंतर निभा रहा है।

तस्करी | ओडिशा से लाई गई थी गांजे की खेप, चित्रकूट और आसपास के जिलों में करनी थी सप्लाई

ओडिशा से लाई जा रही 219 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 219 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बिधनू थाना पुलिस ने शुक्रवार भोर चेकिंग अभियान के दौरान दो कारों से गांजे की बड़ी खेप पकड़ी और दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए तस्कर ओडिशा से गांजा लाकर चित्रकूट और आसपास के जिलों में सप्लाई करने की तैयारी में थे।

एडीसीपी दक्षिण सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग अलग-अलग वाहनों के जरिए भारी मात्रा में गांजे की सप्लाई करने जा रहे हैं। सूचना के आधार पर बिधनू क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध दो कारों को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान दोनों वाहनों की डिग्गी से गांजे की बड़ी खेप बरामद हुई। पुलिस ने जब बरामद गांजे का वजन कराया तो उसकी कुल मात्रा करीब 219 किलोग्राम निकली। इसके बाद दोनों कारों को कब्जे में लेते हुए उसमें सवार दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रोहित और शिवम के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूछताछ के दौरान आरोपितों ने पुलिस को बताया कि गांजे की यह खेप ओडिशा से लाई गई थी। इसे चित्रकूट और आसपास के जिलों में अलग-अलग स्थानों पर पहुंचाने की योजना थी। पुलिस के मुताबिक, तस्कर अपनी पहचान छिपाने और पुलिस की नजर से बचने के लिए अलग-अलग वाहनों का इस्तेमाल करते थे। एडीसीपी ने बताया कि पुलिस और सर्विलांस टीम काफी समय से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों पर नजर रख रही थी। ओडिशा से आने वाले संदिग्ध वाहनों और उनके नंबरों की निगरानी की जा रही थी।

इसी दौरान पुलिस को दोनों कारों के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद बिधनू क्षेत्र में चेकिंग कर उन्हें पकड़ा गया। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में गांजा तस्करी से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ओडिशा से गांजे की खेप किस व्यक्ति या गिरोह से मंगाई गई थी और कानपुर व आसपास के जिलों में इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। जांच एजेंसियां आरोपितों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और संपर्कों की भी जांच कर रही हैं।

पुलिस को आशंका है कि इस तस्करी के पीछे एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान जिन लोगों के नाम सामने आएंगे, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही गांजा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। कानपुर पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के कारोबार पर बड़ी चोट माना जा रहा है।

अखिलेश को वोट के लिए जनेश्वर मिश्रा याद आते हैं और राज करने के लिए अपना परिवार : बृजेश पाठक

एजेंसी, लखनऊ

ब्राह्मण वोट और परिवारवाद को लेकर अखिलेश यादव पर बृजेश पाठक का हमला।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने जनेश्वर मिश्रा की जयंती को लेकर सपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी को केवल चुनाव के समय ब्राह्मण समाज और उसके नेताओं की याद आती है। उन्होंने कहा कि सपा ब्राह्मण वोट के लिए जनेश्वर मिश्रा को याद करती है, लेकिन सत्ता मिलने के बाद परिवारवाद को बढ़ावा देती है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि जनेश्वर मिश्रा की जयंती का उपयोग उनके व्यक्तित्व, विचारों और समाजवादी सिद्धांतों को लोगों तक पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में जनेश्वर मिश्रा के विचारों से ज्यादा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप किए गए। उन्होंने कहा कि दुनिया को ज्ञान और संस्कृति का

जनेश्वर मिश्रा की जयंती पर सियासी घमासान, भाजपा-सपा आमने-सामने

संदेश देने वाले ब्राह्मण समाज को किसी भी रूप में अपमानित नहीं किया जाना चाहिए।

बृजेश पाठक ने कहा कि कुछ लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के कारण पूरे ब्राह्मण समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सपा डॉ. राममनोहर लोहिया और छोटे लोहिया कहे जाने वाले जनेश्वर मिश्रा के समाजवाद, सामाजिक न्याय और संवाद की परंपरा से दूर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि लोहिया और जनेश्वर मिश्रा संसद और विधानसभा में सार्थक बहस के पक्षधर थे। वे जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाते थे और सदन की कार्यवाही को बाधित करने की राजनीति से दूर रहते थे। डिप्टी सीएम ने आरोप लगाया कि वर्तमान सपा नेता सदनों में हंगामा कर जनता के मुद्दों पर चर्चा नहीं होने देते।

उन्होंने विपक्ष पर संविधान और संसदीय परंपराओं का मजाक उड़ाने का भी आरोप लगाया। पाठक ने सपा नेताओं को सलाह दी कि वे लोहिया और जनेश्वर मिश्रा के विचारों का अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि सपा के लिए ब्राह्मण समाज केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह गया है। चुनाव के समय पार्टी को समाज की याद आती है, लेकिन बाद में उसकी समस्याओं और सम्मान की चिंता नहीं की जाती।

हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, 17 आईएएस और 7 एचसीएस अधिकारियों का तबादला

वरिष्ठ अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद विभागीय कामकाज में आएगा बदलाव

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए 17 आईएएस और 7 एचसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के बाद कई वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल को प्रदेश में कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है।

तबादला सूची में कई महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इनमें रजनी कांथन और प्रदीप दहिया समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। सरकार ने अधिकारियों को नई तैनाती के लेकर आदेश जारी कर दिए हैं। सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां संभालने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक फेरबदल के तहत विभिन्न विभागों और जिलों में तैनात अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं।

सरकार समय-समय पर प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से अधिकारियों के तबादले करती रहती है। इसी कड़ी में शुक्रवार को यह बड़ा बदलाव किया गया। सूत्रों के अनुसार, आईएएस और एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण से कई विभागों में नई टीम के साथ काम शुरू होगा।

अधिकारियों की नई तैनाती से सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और जनसेवाओं को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। हरियाणा में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले को लेकर लंबे समय से प्रक्रिया चल रही थी। सरकार ने विभागीय आवश्यकताओं और प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी हैं।

नई नियुक्तियों के बाद संबंधित विभागों में कामकाज की समीक्षा भी की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, तबादला किए गए सभी अधिकारियों को जल्द से जल्द नई तैनाती वाले स्थानों पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक फेरबदल में अनुभवी अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं, जिससे सरकारी कार्यों में तेजी आने की संभावना है। हरियाणा सरकार की ओर से समय-समय पर किए जाने वाले प्रशासनिक बदलावों का उद्देश्य अधिकारियों की कार्यक्षमता का बेहतर उपयोग करना और जनता से जुड़े मामलों का तेजी से समाधान करना होता है।

भ्रष्टाचार के आरोपों में बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक समेत आठ पर एफआईआर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के बागवानी विभाग में करीब 13 साल पुराने कथित फर्जीवाड़े के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने कार्रवाई की है। एसीबी ने विभाग के वर्तमान संयुक्त निदेशक डा. सुधीर यादव समेत आठ कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में मामला दर्ज किया है। यह मामला उस समय का है, जब सुधीर यादव यमुनानगर में जिला बागवानी अधिकारी के पद पर तैनात थे।

जांच में यमुनानगर के गांव रजहेड़ी में बागवानी योजनाओं में अनियमितताएं सामने आई हैं। वर्ष 2006-07 में किसानों के खेतों में आम और चीकू के बाग लगाए जाने का रिकॉर्ड था, लेकिन निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर पौधे मृत मिले या मौके पर एक भी पौधा नहीं मिला। गड्ढे खोदने के लिए किसानों को निर्धारित राशि से कम भुगतान किए जाने का भी आरोप है। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ कार्य किसानों ने स्वयं किए, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में भुगतान ठेकेदार को किया जाना दर्शाया गया। गांव अलाहड़ में एक किसान के खेत में सरकारी रिकॉर्ड के मुकाबले बेहद कम पौधे मिले। इसी तरह पुराने बागों के पुनरुद्धार के लिए जारी सहायता में भी नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई। इससे सरकारी खजाने को करीब 16.50 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया।

जैविक खेती योजना के तहत वर्मी कंपोस्ट यूनिट के नाम पर भी अनियमितता मिली। रिकॉर्ड में यूनिट स्थापित दिखाई गई, लेकिन मौके पर वह मौजूद नहीं थी। शिवालिक विकास योजना के तहत बीज और अन्य सामग्री की खरीद में भी नियमों की अनदेखी के आरोप लगे। कुछ बीज किसानों को नहीं दिए गए और कार्यालय में पड़े-पड़े खराब हो गए। मामले की मूल जांच 28 मार्च 2013 को शुरू हुई थी। एसीबी ने अपनी अंतिम रिपोर्ट जुलाई 2025 में सरकार को भेजी। मंजूरी मिलने के बाद अब मामला दर्ज किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

खासपुर के पास नहर में डूबे दो किशोर गोताखोरों ने तीन घंटे बाद निकाला शव

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। गांव खासपुर के पास नहर में नहाने के दौरान गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आने से 13 वर्षीय कार्तिक और 14 वर्षीय गौरव की मौत हो गई। दोनों गुरुवार शाम दौड़ लगाने के लिए नहर किनारे पहुंचे थे, जहां वे नहाने के लिए पानी में उतर गए। ग्रामीणों ने कार्तिक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गौरव की तलाश के लिए पुलिस, प्रशासन, गोताखोरों और ग्रामीणों ने अभियान चलाया। करीब तीन घंटे बाद गोताखोरों ने उसका शव बरामद किया। दोनों के कपड़े नहर किनारे मिले। शुक्रवार को नागरिक अस्पताल नारनौल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। दोनों किशोर सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। हादसे के बाद गांव में शोक छाया रहा। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

करनाल में बीरू हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर, पुलिस ने दोनों को किया ढेर

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। बीरू वाल्मीकि हत्याकांड के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को मुठभेड़ में मार गिराया। बुधवार रात भगवाड़िया गैस एजेंसी के पास बीरू की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी थी। देर रात गांव घोगरिपुर के पास पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी में दोनों आरोपित घायल हो गए। पुलिस उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान हर्ष नीलोखेड़ी और कैथल जिले के गांव मटरया खेड़ी निवासी बीरबल के रूप में हुई है। बीरू के स्वजन ने हत्या के बाद आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था। उन्होंने 'खून के बदले खून' की मांग उठाई थी। पुलिस अब मुठभेड़ से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रही है।

गर्भवती पत्नी से मारपीट के आरोपी पति को हाईकोर्ट से जमानत, शराब छोड़ने की दी नसीहत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने गर्भवती पत्नी से मारपीट के आरोपित पति को नियमित जमानत प्रदान की है। अदालत ने सुनवाई के दौरान आरोपित को शराब की लत छोड़ने और परिवार की जिम्मेदारियां समझने की सलाह दी। फरीदाबाद निवासी महिला ने आरोप लगाया था कि पति तीसरी बेटी नहीं चाहता था और अवैध रूप से भ्रूण का लिंग पता लगाने के लिए उस पर दबाव बना रहा था। विरोध करने पर उसने कथित तौर पर पत्नी के साथ मारपीट की और चाकू से हाथों पर वार किया। अदालत ने मामले में आरोपित को राहत देते हुए उम्मीद जताई कि वह भविष्य में परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाएगा।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर अलर्ट रेलवे, पानीपत जंक्शन पर 45 मिनट चला जांच अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पानीपत रेलवे जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जीआरपी, आरपीएफ, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते ने संयुक्त रूप से करीब 45 मिनट तक सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और संवेदनशील स्थानों की गहन तलाशी ली गई। डॉग स्क्वायड की मदद से हर क्षेत्र की जांच की गई। अभियान के दौरान 100 से अधिक यात्रियों के बैगों की जांच की गई और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। सुरक्षा टीम ने यात्रियों से भी सतर्क रहने की अपील की। जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला। रेलवे प्रशासन ने कहा कि सुरक्षा को लेकर निगरानी लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस तक स्टेशन पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए नियमित जांच अभियान जारी रहेगा। रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी की टीमें स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी रखेंगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे किसी भी लावारिस वस्तु की सूचना तुरंत सुरक्षा कर्मियों को दें।

आंगनबाड़ी वर्कर ने दो मासूमों को जहर देकर खुद की आत्महत्या, पति पर गंभीर आरोप

बच्चों की मौत के बाद मां ने भी छोड़ी जिंदगी, पति पर प्रताड़ना के आरोप।

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

भट्टूकलां उपमंडल के गांव मेहूवाला में दो मासूम बच्चों की मौत के बाद मां के भी जान देने के मामले में पुलिस ने मृतका के पति के खिलाफ हत्या और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। शुक्रवार को पुलिस ने तीनों शवों का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। घटना से पहले मृतका सुदेश द्वारा मोबाइल में वीडियो बनाए जाने की बात भी सामने आई है।

पुलिस को दी शिकायत में सुदेश के भाई प्रवीन ने बताया कि उसकी बहन ने वर्ष 2014 में गांव मेहूवाला निवासी संदीप से प्रेम विवाह किया था। दोनों के दो बच्चे थे। गुरुवार शाम संदीप ने प्रवीन को फोन कर बताया कि सुदेश और दोनों बच्चे घर पर नहीं हैं। कुछ देर बाद उसने तीनों के शव पानी के कुंड में मिलने की जानकारी दी। परिजनों ने आरोप लगाया कि संदीप नशे का आदी था और सुदेश को लंबे समय से प्रताड़ित करता था।

आरोप है कि इसी परेशानी के चलते सुदेश ने पहले दोनों बच्चों को जहरीला पदार्थ पिलाया और उन्हें पानी के कुंड में फेंक दिया। इसके बाद उसने खुद भी जहरीला पदार्थ पीकर कुंड में छलांग लगा दी। घटना के समय संदीप रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी पिलाने गया था। सूचना मिलने पर पुलिस और सीन ऑफ क्राइम टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए।

बेरोजगारी से परेशान युवती ने फंदा लगाकर दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर निवासी 18 वर्षीय युवती मनीषा ने रेवाड़ी के कोनसीवास रोड स्थित किसान वाटिका के पास किराये के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह करीब 20 दिन पहले नौकरी की तलाश में अपनी बड़ी बहन के पास रेवाड़ी आई थी। हालांकि, उसे नौकरी नहीं मिल सकी थी। आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है और मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार मनीषा की बड़ी बहन बावल की एक निजी कंपनी में काम करती है और कोनसीवास रोड पर किराये के कमरे में रहती है। गुरुवार सुबह बहन ड्यूटी पर चली गई थी। शाम को लौटने पर कमरे का दरवाजा खोलते ही उसने मनीषा को फांसी के फंदे पर लटका देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

हरियाणा में मानसून बना आफत, रेवाड़ी-नूंह में गिरे मकान, पथराला नदी का टूटा तटबंध

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। वीरवार को प्रदेश के 16 जिलों में हुई बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत तो दी, लेकिन कई इलाकों में यही बारिश आफत बन गई। भारी वर्षा के कारण जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा हुई। सड़कें पानी में डूब गईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। रेवाड़ी और नूंह में बारिश के कारण कई मकानों के गिरने की घटनाएं सामने आईं, जिनमें कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है।

प्रदेश में पलवल में सबसे अधिक 96.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि गुरुग्राम में 68 मिलीमीटर वर्षा हुई। गुरुग्राम में तेज बारिश के कारण कई प्रमुख मार्गों पर पानी भर गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी जलभराव के चलते

यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को जाम की समस्या से जूझना पड़ा।

यमुनानगर में पथराला नदी का तटबंध टूटने से स्थिति और गंभीर हो गई है। तटबंध टूटने के बाद नदी का पानी आसपास के निचले इलाकों और कृषि भूमि में फैल गया। इससे सैकड़ों एकड़ फसल के जलमग्न होने की आशंका है। प्रशासन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए हैं और तटबंध की स्थिति को संभालने के प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, कुरुक्षेत्र में मारकंडा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से आसपास के क्षेत्रों में चिंता बढ़ गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है।

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी जलभराव की समस्या बनी हुई है। मौसम विभाग की ओर से आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और नदी-नालों के आसपास जाने से बचने की अपील की है।

यमुनानगर में दर्दनाक हादसा, कांवड़ लेकर लौट रहे दो युवकों को ट्रक ने कुचला

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

रादौर-कुरुक्षेत्र मार्ग पर गांव धोड़ंग के पास बुधवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक अपने साथियों के साथ कांवड़ यात्रा पूरी कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर बने गड्ढे से बचने के प्रयास में पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मृतकों की पहचान जींद जिले के नरवाना स्थित मोरपती मोहल्ला निवासी 21 वर्षीय सचिन और 21 वर्षीय अजय कुमार उर्फ काला के रूप में हुई है। दोनों युवक कांवड़ लेकर अपने अन्य साथियों के साथ हरिद्वार से लौट रहे थे। उनके तीसरे साथी विक्रम कुमार ने सड़क किनारे कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस को दी शिकायत में विक्रम ने बताया कि वह सचिन, अजय कुमार और तीन-चार अन्य साथियों के साथ तीन अगस्त को हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकले थे। छह अगस्त की रात करीब 11 बजे

हरिद्वार से लौटते समय ट्रक की चपेट में आए दो कांवड़ यात्री, दर्दनाक हादसे में मौत।

सभी सहारनपुर-कुरुक्षेत्र राज्य मार्ग पर रादौर क्षेत्र में गांव धोड़ंग के पास पहुंचे। इसी दौरान सड़क पर बने गड्ढे से बचने के प्रयास में दोनों युवक वाहन की चपेट में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यमुनानगर की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रक ने दोनों युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर गए और ट्रक उनके ऊपर से गुजर गया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। उसे पकड़ा गया, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि ट्रक चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू कर दी है।

साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हादसे से जुड़े सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिवारों में मातम छा गया। कांवड़ यात्रा से सकुशल लौटने की उम्मीद कर रहे परिवारों को युवकों की मौत की खबर मिलने से गहरा सदमा लगा।

एडवोकेट के घर से 3 करोड़ की लूट, पति पत्नी को बंधक बनाकर फरार बदमाश

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से कुछ दूरी पर स्थित सेक्टर-7 में बदमाशों ने बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देकर सनसनी फैला दी। हथियारों से लैस चार नकाबपोश बदमाशों ने वरिष्ठ एडवोकेट बलवंत सिंह वालिया के घर में घुसकर पति-पत्नी को बंधक बना लिया और करीब तीन करोड़ रुपये का सामान लूटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार बदमाशों ने घर में घुसते ही एडवोकेट और उनकी पत्नी को हथियारों के बल पर डराया-धमकाया। आरोप है कि बदमाशों ने गोली मारने की धमकी देकर एडवोकेट से घर की अलमारियां खुलवाईं और वहां रखी नकदी व कीमती सामान अपने कब्जे में ले लिया। करीब ढाई घंटे तक बदमाशों ने घर के कोने-कोने की तलाशी ली। एडवोकेट बलवंत सिंह वालिया के अनुसार बदमाश करीब 20 लाख रुपये नकद, डेढ़ से दो किलो सोने के आभूषण और करीब चार किलो चांदी के बर्तन व मूर्तियां ले गए। वारदात के दौरान एक बदमाश ने हथियार तानकर 80

लाख रुपये की जरूरत होने की बात कही। उसने मां के इलाज और विदेश भागने की योजना का भी जिक्र किया। बदमाश जाते समय दंपती को कमरे में बंद कर गए और पुलिस को सूचना देने पर जान से मारने की धमकी दी। बताया जा रहा है कि आरोपी अस्थायी नंबर वाली कार से वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई है।

पीड़ित एडवोकेट ने बताया कि बदमाशों ने इससे पहले 19 जुलाई को भी वारदात का प्रयास किया था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने जल्द खुलासा करने का दावा किया है।

अंबाला में सातवीं की छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास, 10 दिन बाद आरोपित गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

सातवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में पुलिस ने 10 दिन बाद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। सीआइए-1 की टीम ने आरोपित को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के समय वह कथित तौर पर अत्यधिक नशे की हालत में था। पुलिस अब उससे पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपित उत्तर प्रदेश का मूल निवासी बताया जा रहा है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने उसके नाम और स्थायी पते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। पुलिस शुक्रवार को पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद उसकी पहचान से जुड़ी जानकारी स्पष्ट कर सकती है। बताया जा रहा है कि वारदात से पहले आरोपित ने अंबाला शहर में एक बाइक चोरी की थी। इसी बाइक का इस्तेमाल उसने घटना के दौरान किया था। पुलिस अब बाइक चोरी के मामले और नाबालिग छात्रा

दुष्कर्म प्रयास के बाद फरार आरोपित गिरफ्तार, पीड़िता की पहचान गोपनीय

से दुष्कर्म के प्रयास की घटना के बीच संबंधों की भी जांच कर रही है। मामले की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपित ने छात्रा को निशाना बनाने से पहले अंबाला शहर में ही किसी दूसरी बच्ची के साथ भी कथित तौर पर जबरदस्ती करने का प्रयास किया था।

पुलिस इस संबंध में भी जानकारी जुटा रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित की गतिविधियां किन-किन क्षेत्रों में रही हैं। घटना के बाद पुलिस ने आरोपित की तलाश के लिए कई स्तरों पर जांच शुरू की थी। सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसकी तलाश की जा रही थी। करीब 10 दिन बाद सीआइए-1 की टीम ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा किया जाएगा। नाबालिग पीड़िता की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपित से पूछताछ में सामने आने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में सभी पहलुओं की जांच जारी है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

जेबीटी भर्ती पर हाई कोर्ट के फैसले के बाद अजय चौटाला जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

अजय चौटाला का दावा है कि 'भाई साहब' शब्द की पहचान के आधार पर उन्हें मामले में दोषी ठहराया गया

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

जननायक जनता पार्टी (जजपा) के प्रमुख एवं पूर्व सांसद डॉ. अजय सिंह चौटाला ने जेबीटी शिक्षक भर्ती मामले में मिली 10 साल की सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का ऐलान किया है। चंडीगढ़ में छात्र संगठन इनसो के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में चौटाला ने कहा कि वह इस मामले में अपनी कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें केवल 'भाई साहब' शब्द की पहचान के आधार पर साजिश के आरोप में दोषी ठहराया गया, जबकि भर्ती प्रक्रिया में उनकी कोई प्रशासनिक भूमिका नहीं थी।

चौटाला ने कहा कि संबंधित जेबीटी भर्ती प्रक्रिया के दौरान वह हरियाणा सरकार में किसी संवैधानिक या प्रशासनिक पद पर नहीं थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि वह जिला या ब्लॉक स्तर पर गठित उन समितियों के सदस्य भी नहीं थे, जिनके माध्यम से तत्कालीन सरकार के कार्यकाल में 3206 जेबीटी शिक्षकों की भर्ती की गई थी। उनके अनुसार, ऐसे में भर्ती प्रक्रिया में उनकी प्रत्यक्ष भूमिका होने का सवाल ही नहीं उठता।

हाई कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

अजय चौटाला ने जेबीटी भर्ती से जुड़े मामले में हाई कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने संबंधित जेबीटी भर्तियों को वैध ठहराया है। इसके बाद उन्होंने अपनी सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का निर्णय लिया है।

उनका कहना है कि वह उच्चतम न्यायालय के समक्ष पूरे मामले और अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को चुनौती देंगे। चौटाला के अनुसार, उनके खिलाफ साजिश से जुड़े आरोपों को साबित करने के लिए जिस तरह की परिस्थितियों और पहचान का आधार बनाया गया, वह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से 'भाई साहब' शब्द का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी पहचान के आधार पर उन्हें मामले से जोड़ा गया और दोषी ठहराया गया। अब वह इसी आधार को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में हैं।

भर्ती प्रक्रिया में भूमिका से किया इनकार

पूर्व सांसद ने कहा कि 3206 जेबीटी शिक्षकों की भर्ती तत्कालीन सरकार के दौरान निर्धारित प्रक्रिया के तहत हुई थी। उनका दावा है कि वह न तो भर्ती प्रक्रिया को संचालित करने वाली प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा थे और न ही चयन से संबंधित जिला या ब्लॉक स्तर की समितियों में उनकी कोई भूमिका थी। उन्होंने कहा कि मामले में उनकी भूमिका को लेकर जो आरोप लगाए गए हैं, उन्हें कानूनी स्तर पर चुनौती दी जाएगी। चौटाला ने संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट में अपील के दौरान मामले से जुड़े दस्तावेजों और अदालतों में सामने आए तथ्यों को आधार बनाया जाएगा। जेबीटी शिक्षक भर्ती मामला हरियाणा की राजनीति में लंबे समय से चर्चा में रहा है। भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं और कथित साजिश के आरोपों को लेकर जांच और कानूनी कार्रवाई हुई थी। इसी मामले में अजय चौटाला को 10 वर्ष की सजा सुनाई गई थी। अब वह इस सजा को शीर्ष अदालत में चुनौती देने जा रहे हैं।

राजनीतिक और कानूनी लड़ाई जारी रखने का संकेत

इनसो के कार्यक्रम के दौरान चौटाला ने अपने समर्थकों और छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच भी इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने संकेत दिया कि वह मामले में कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करते हुए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उनके बयान के बाद जेबीटी भर्ती मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में अपील के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और अदालत के निर्णय पर स्थिति स्पष्ट होगी। चौटाला की ओर से लगाए गए दावों पर अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ही होगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में अपील के दौरान मामले से जुड़े दस्तावेजों और अदालत के समक्ष सामने आए तथ्यों को आधार बनाया जाएगा।

फतेहाबाद में शराब ठेके पर फायरिंग और लूट, दो मुख्य आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

रतिया क्षेत्र के गांव घासवा स्थित शराब ठेके पर फायरिंग कर लूटपाट और दो लोगों पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गांव रताथेह निवासी सिकंदर सिंह और पंजाब के मानसा जिले के गांव कुलरियां निवासी रवि शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी वारदात में सीधे तौर पर शामिल थे। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने शुक्रवार को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि वारदात दो जुलाई की रात हुई थी। गांव कुलां निवासी मुकेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह अपने भाई रणजीत के साथ गांव घासवा स्थित शराब ठेके पर मौजूद था।

इसी दौरान तीन युवक हथियार लेकर जबरन ठेके के अंदर घुस आए। आरोपियों ने अंदर आते ही दहशत फैलाने के लिए देसी पिस्तौल से हवाई फायर किया। इसके बाद उन्होंने गंडासे और तलवार से मुकेश और रणजीत पर हमला कर दिया। हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद आरोपी ठेके के गल्ले में रखी करीब 30 से 40 हजार रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गए। जाते समय आरोपियों ने दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ डकैती और अवैध हथियार से संबंधित धाराओं

में केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस टीम ने गुप्त सूचना, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सिकंदर सिंह और रवि शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान वारदात में इस्तेमाल हथियारों और लूटी गई नकदी के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर वारदात में प्रयुक्त हथियारों और लूटी गई नकदी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

न्यूज ब्रीफ

गाजियाबाद में बनेगी आधुनिक टाउनशिप, जीडीए ने तेज की योजना की प्रक्रिया

एजेंसी, नई दिल्ली। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने हरनंदीपुरम टाउनशिप योजना को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए करीब 50 हेक्टेयर जमीन पर विकास कार्य शुरू किया जाएगा। जीडीए की इस योजना का उद्देश्य गाजियाबाद में एक नई और आधुनिक टाउनशिप विकसित करना है। परियोजना के तहत आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ बेहतर सड़क, जल निकासी, हरित क्षेत्र और अन्य जरूरी बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। हरनंदीपुरम टाउनशिप के निर्माण से शहर के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह परियोजना बढ़ती आबादी और आवास की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जमीन से जुड़े जरूरी कार्यों और अन्य प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है, ताकि फर्स्ट फेज का काम समय पर शुरू किया जा सके।

ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक दुर्घटना, बाइक सवार की गई जान

एजेंसी, नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना भाईपुर मार्ग पर हुई, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहा सुरेश गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सुरेश को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई। इलाज के दौरान सुरेश ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, हादसे के समय सुरेश अपनी पत्नी को लेने के लिए जा रहा था इसी दौरान रास्ते में उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उसकी जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बेटियों ने श्रद्धांजलि सभा से भी किया इनकार, समाजसेवी निभाएंगे शिवचरण गुप्ता की रस्में

एजेंसी, नई दिल्ली। कारोबारी शिवचरण गुप्ता की श्रद्धांजलि सभा में भी उनकी तीनों बेटियों ने शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसके बाद शहर के समाजसेवियों ने उनकी 13 दिन की रस्में निभाने का फैसला किया है। शिवचरण गुप्ता की अंत्येष्टि भी समाज कल्याण समिति और आनंदाश्रम के संचालकों व समाजसेवियों ने मिलकर कराई थी जानकारी के अनुसार, 16 अगस्त को शिवचरण गुप्ता की याद में आनंदाश्रम में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इसके लिए समिति के सदस्यों ने उनकी तीनों बेटियों से संपर्क कर उन्हें सभा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन उन्होंने आने से मना कर दिया। इसके बाद समाजसेवियों ने निर्णय लिया कि अंतिम संस्कार के बाद होने वाली सभी धार्मिक और सामाजिक रस्में वे स्वयं पूरी करेंगे। शिवचरण गुप्ता के निधन के बाद उनकी बेटियों के इस फैसले को लेकर शहर में चर्चा हो रही है। समाजसेवियों का कहना है कि वे मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी के तहत सभी परंपराओं को पूरा करेंगे, ताकि दिवंगत आत्मा को सम्मान दिया जा सके। 16 अगस्त की श्रद्धांजलि सभा में शहर के कई लोग शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। बेटियों के इनकार के बाद समाजसेवी निभाएंगे शिवचरण गुप्ता की 13 दिन की सभी अंतिम रस्में।

दिल्ली में हाईटेक नकल गिरोह का पर्दाफाश, 7 आरोपी गिरफ्तार

सेक्टर-94 से यमुना एक्सप्रेसवे तक बनेगा नया लिंक, एयरपोर्ट पहुंचने में समय की होगी बचत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली की जनकपुरी थाना पुलिस ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में कथित मास्टरमाइंड समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर परीक्षा में नकल कराने की व्यवस्था करता था। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से 8 से 12 लाख रुपये तक लेते थे।

इसके बदले उन्हें कस्टमाइज मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस और नैनो ईयरबड जैसे आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाते थे। परीक्षा केंद्र के बाहर बैठे गिरोह के सदस्य इन उपकरणों के माध्यम से अभ्यर्थियों को सवालों के जवाब भेजते थे। जांच के दौरान पुलिस ने गिरोह के पास से विदेशी व्हॉट्सऐप अकाउंट से जुड़े टैबलेट, कस्टमाइज मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, नैनो ईयरबड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। इन उपकरणों का इस्तेमाल परीक्षा में नकल कराने के लिए किया जा रहा था। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

साथ ही आरोपितों के वित्तीय लेनदेन और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह गिरोह कई राज्यों में सक्रिय हो सकता है और इसके संपर्क में रहे अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। दिल्ली पुलिस को इस कार्रवाई से सरकारी भर्ती परीक्षाओं में होने वाली हाईटेक नकल पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है। पुलिस ने अभ्यर्थियों को भी ऐसे गिरोहों से सावधान रहने की अपील की है। दिल्ली पुलिस ने हाईटेक नकल कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

फैमिली आईडी बनी मुसीबत, गाजियाबाद के 2250 शिक्षकों-कर्मचारियों का वेतन अटका

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद जिले में फैमिली आईडी नहीं बनने के कारण करीब 2,250 शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन अटक गया है। बताया जा रहा है कि इन कर्मचारियों को मई, जून और जुलाई 2026 का वेतन अभी तक नहीं मिल पाया है। वेतन रुकने से शिक्षकों और कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मामले को गंभीरता से उठाया है। संघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द वेतन जारी कराने की मांग की है।

उनका कहना है कि तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रिया के कारण कर्मचारियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, जबकि उन्होंने अपने कार्यों का नियमित रूप से निर्वहन किया है। शिक्षक संघ ने मांग की है कि फैमिली आईडी की प्रक्रिया को जल्द पूरा कराया जाए और लंबित वेतन का भुगतान तुरंत किया जाए। संघ का कहना है कि वेतन में देरी से कर्मचारियों की रोजमर्रा की जरूरतें और आर्थिक योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि इस मामले में जल्द समाधान निकाला जाएगा। फैमिली आईडी से जुड़ी प्रक्रिया पूरी होने के बाद लंबित वेतन जारी होने की संभावना है। वहीं शिक्षक और कर्मचारी संगठन लगातार इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

आजमगढ़ के स्कूलों में यूट्यूबरों की एंट्री पर रोक, विभाग ने जारी किए सख्त निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

आजमगढ़ में बेसिक शिक्षा विभाग ने स्कूलों की व्यवस्था और शिक्षकों की गरिमा बनाए रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जिले के सभी सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों और यूट्यूबरों के अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि कुछ बाहरी लोग और सोशल मीडिया से जुड़े व्यक्ति स्कूलों में पहुंचकर वीडियो बना रहे हैं और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर रहे हैं।

इससे विद्यालयों के कामकाज और शिक्षण व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही शिक्षकों और स्कूलों की छवि भी प्रभावित हो रही है। निर्देशों के अनुसार अब बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को भी सतर्क रहने और ऐसे मामलों में तुरंत विभाग को जानकारी देने को कहा गया है। शिक्षा विभाग का कहना है कि स्कूलों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बेहतर शिक्षा देना है, इसलिए पठन-पाठन के माहौल को बनाए रखना जरूरी है। विभाग ने सभी विद्यालयों को जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। आजमगढ़ के स्कूलों में अब बिना अनुमति बाहरी लोगों और यूट्यूबरों की एंट्री पर सख्त निगरानी रखी जाएगी।

नोएडा की बड़ी सौगात, यमुना पुस्ता रोड जुड़ेगी यमुना एक्सप्रेसवे से

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा में यमुना पुस्ता रोड को जल्द ही यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। इस योजना के तहत सड़क का विस्तार किया जाएगा, जिससे नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हो सकेगी। प्रस्तावित योजना के अनुसार यमुना पुस्ता रोड का दायरा करीब 10 किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा। इसे सेक्टर-135 से सेक्टर-150 तक विकसित करने की योजना है। इस परियोजना से नोएडा के कई क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा और लोगों को आवागमन में आसानी होगी। इस सड़क निर्माण और विस्तार कार्य पर लगभग 200 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। परियोजना पूरी होने के बाद यातायात का दबाव कम होने और आसपास के क्षेत्रों के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। नोएडा प्राधिकरण की ओर से इस योजना को आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है।

आईआरसीटीसी की बड़ी पहल, 'सप्त ज्योतिर्लिंग महायात्रा' ट्रेन 25 सितंबर से शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

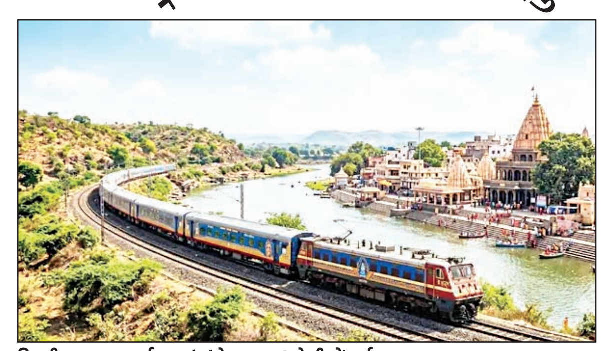

दिल्ली का एक्यूआई 64, 'संतोषजनक' श्रेणी में दर्ज।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'सप्त ज्योतिर्लिंग महायात्रा' भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन शुरू करने की घोषणा की है। यह विशेष ट्रेन 25 सितंबर को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। इस यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं को देश के सात प्रमुख ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराए जाएंगे। आईआरसीटीसी की इस विशेष यात्रा में यात्रियों को मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में स्थित प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का अवसर मिलेगा। ट्रेन का पहला पड़ाव मध्य प्रदेश का उज्जैन होगा, जहां श्रद्धालु पवित्र शिप्रा नदी के किनारे स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे।

इसके बाद यात्री नर्मदा नदी के बीच स्थित प्रसिद्ध ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे। यात्रा आगे गुजरात की ओर बढ़ेगी, जहां श्रद्धालु द्वारका सहित अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा करेंगे। इसके बाद महाराष्ट्र में स्थित ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराए जाएंगे।

भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन को यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसमें यात्रा, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था आईआरसीटीसी द्वारा की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं को एक ही यात्रा में कई प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने का अवसर देना है। आईआरसीटीसी समय-समय पर देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन करता है। 'सप्त ज्योतिर्लिंग महायात्रा' भी इसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को सुविधाजनक और सुरक्षित धार्मिक यात्रा का लाभ मिल सकेगा।

प्रयागराज में बाढ़ का कहर, वीआईपी घाट की मिट्टी बही, प्रशासन अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में लगातार हो रही बारिश और विभिन्न बांधों से छोड़े गए पानी के कारण गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर का असर अब शहर और संगम क्षेत्र में साफ दिखाई देने लगा है। बाढ़ जैसी स्थिति बनने से कई निचले इलाके प्रभावित हो रहे हैं, जबकि प्रशासन ने संभावित खतरे को देखते हुए सतर्कता बढ़ा दी है। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है और राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

बारिश का सबसे ज्यादा असर संगम क्षेत्र में देखने को मिला है। संगम के पास स्थित वीआईपी घाट के बगल की मिट्टी तेज बहाव में बह गई, जिससे वहां कई फीट गहरी खाई बन गई है। इससे घाट के आसपास का क्षेत्र असुरक्षित हो गया है। प्रशासन ने लोगों को उस स्थान पर जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर दी है और संबंधित विभाग को मरम्मत कार्य के निर्देश दिए गए हैं। बढ़ते जलस्तर के कारण संगम क्षेत्र की कई सड़कें भी पानी में डूब गई हैं। सड़क संपर्क प्रभावित होने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण कई सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। जलस्तर के आंकड़े भी स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं।

पांच अगस्त की सुबह से छह अगस्त की सुबह तक 24 घंटे में गंगा नदी का जलस्तर 28 सेंटीमीटर और यमुना का जलस्तर 26 सेंटीमीटर बढ़ा। इसके बाद छह अगस्त को दिनभर में गंगा का पानी 12 सेंटीमीटर और बढ़ गया। रात आठ बजे गंगा का जलस्तर 78.72 मीटर दर्ज किया गया। वहीं यमुना का जलस्तर भी दिनभर में 18 सेंटीमीटर बढ़कर रात आठ बजे 75.40 मीटर रिकॉर्ड किया गया।

गणित-विज्ञान से एआई तक का सफर छात्रों के लिए नई डिजिटल पहल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और आईआईटी गांधीनगर ने छात्रों और शिक्षकों के लिए एक नई ऑनलाइन पहल '3030 एकलव्य' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कंप्यूटेशनल थिंकिंग की समझ विकसित करना है। इसकी शुरुआत 15 अगस्त से होगी। इस पहल के तहत छात्रों को गणित और विज्ञान की अवधारणाओं को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर समझाया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता को बढ़ाना है। इसके माध्यम से छात्र तकनीक के बेहतर उपयोग के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकेंगे। 3030 एकलव्य' में छात्र, शिक्षक और अभिभावक भी भाग ले सकते हैं।

नोएडा में आफत की बारिश, सेक्टर-95 अंडरपास बना मुसीबत, एंबुलेंस फंसी

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा में बारिश का कहर, अंडरपास में फंसी एंबुलेंस

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार सुबह से हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर पानी भरने से यातायात भी प्रभावित हुआ और कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर नोएडा के सेक्टर-95 क्षेत्र में देखने को मिला, जहां स्थित अंडरपास में पानी भर गया। जलभराव इतना बढ़ गया कि वहां से गुजर रही एक एंबुलेंस पानी में फंस गई।

एंबुलेंस के फंसने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत अभियान शुरू किया। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बताया गया कि एंबुलेंस में सवार पांच लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसके बाद वाहन को भी जलभराव वाले स्थान से बाहर निकालने की कोशिश की गई। इस घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज बारिश के दौरान जलभराव वाले अंडरपास और निचले इलाकों से गुजरने से बचें। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बारिश के कारण कई मुख्य मार्गों और कॉलोनियों में पानी भर गया। नगर निकाय और संबंधित विभाग जलभराव की समस्या को दूर करने में जुटे हुए हैं। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर पानी निकासी की व्यवस्था तेज करने के निर्देश दिए हैं मौसम विभाग की ओर से बारिश को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता लें। भारी बारिश के बीच पुलिस और राहत दल लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

आप-भाजपा टकराव से गूंजा सदन, अनुशासनहीनता पर स्पीकर का कड़ा रुख

दिल्ली विधानसभा में मारपीट की नौबत, स्पीकर की सख्त चेतावनी, 5 विधायक बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में हंगामा, स्पीकर ने 5 विधायक बाहर किए

दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार को भारी हंगामे और तीखी राजनीतिक नोकझोंक के बीच शुरू हुआ। सदन की कार्यवाही के दौरान आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दो विधायक आमने-सामने आ गए और स्थिति लगभग हाथापाई तक पहुंच गई। सदन में मौजूद अन्य विधायकों ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोनों को अलग किया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। इस घटनाक्रम ने विधानसभा की गरिमा और अनुशासन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। हंगामे के दौरान दोनों दलों के सदस्य एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए जोरदार नारेबाजी करते रहे।

विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस के कारण सदन का माहौल लगातार तनावपूर्ण बना रहा। कुछ समय के लिए कार्यवाही बाधित भी हुई। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पूरे घटनाक्रम पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि सदन लोकतांत्रिक चर्चा का मंच है, न कि व्यक्तिगत टकराव का स्थान। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का व्यवहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। अध्यक्ष ने दोनों पक्षों के विधायकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में यदि किसी सदस्य ने अनुशासनहीनता या अभद्र व्यवहार किया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से संयम बनाए रखने और संसदीय परंपराओं का सम्मान करने की अपील की। अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने विधायकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए चुना है और सदन में उनकी जिम्मेदारी गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा करना है।

लगातार हो रहे हंगामे और नियमों की अनदेखी को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कार्रवाई करते हुए पांच विधायकों को सदन से बाहर जाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष का कहना था कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद संबंधित सदस्य शांत नहीं हुए और कार्यवाही में बाधा डालते रहे। उनके बाहर जाने के बाद सदन में कुछ हद तक व्यवस्था बहाल हुई और कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। घटना के बाद दोनों राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे को इस पूरे विवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया। भाजपा का आरोप था कि आप के विधायक जानबूझकर टकराव का माहौल बना रहे थे और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रहे थे। वहीं आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के सदस्य लगातार उकसाने वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे विवाद बढ़ा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा के आगामी सत्रों में भी कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर दोनों दलों के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। हालांकि, लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने के लिए सभी दलों से अपेक्षा की जा रही है कि वे सदन की कार्यवाही को शांतिपूर्ण और नियमों के अनुरूप चलाने में सहयोग करें। इस घटना ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें मर्यादा और संसदीय शिष्टाचार के दायरे में ही व्यक्त किया जाना चाहिए।

गुरुग्राम में युवक की गोली मारकर हत्या, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के फरुखनगर थाना क्षेत्र स्थित कारौला गांव में युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण जाटौली स्थित खंडेवला मोड़ पर एकत्र हुए और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हत्यारोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। अचानक लगे जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया।

बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। अधिकारियों ने दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनका कहना था कि जब तक हत्यारोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों का आरोप है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि हत्या के सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

फरीदाबाद में बेसहारा पशुओं का बढ़ा खतरा, प्रशासन पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद, जो हर वर्ष लगभग 4,000 करोड़ रुपये जीएसटी और 100 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में सरकार को राजस्व देता है, आज भी आवारा पशुओं की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। शहर की अधिकांश सड़कें बेसहारा पशुओं से भरी हुई हैं, जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। शहर में तीन मंत्रियों का प्रतिनिधित्व होने के बावजूद इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। स्थिति यह है कि लगभग हर प्रमुख सड़क पर चार से पांच पशु बीच सड़क पर बैठे दिखाई देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा ने करीब 10 दिन पहले आवारा पशुओं की सूचना देने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से अपील की थी कि वे बेसहारा पशुओं की जानकारी हेल्पलाइन पर दें, ताकि उन्हें पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा सके।

अनधिकृत तिरंगा रैली पर भाजपा ने 9 पदाधिकारियों को किया निलंबित

अनुशासनहीनता और विवादित टिप्पणी के आरोपों पर पार्टी की सख्त कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर भाजपा की अनंतनाग जिला इकाई ने अनुशासनहीनता के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए अपने 9 पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सभी पार्टी पदों से हटा दिया है। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने बिना संगठन और प्रशासन की अनुमति के तिरंगा रैली का आयोजन किया और उसमें भाग लिया।

जिला अध्यक्ष राकेश कौल की ओर से जारी कार्यालय आदेश में बताया गया कि 5 अगस्त को अनंतनाग के हाउसिंग कॉलोनी खन्नाबल में तिरंगा रैली निकाली गई थी। इस कार्यक्रम के लिए न तो जिला भाजपा इकाई से अनुमति ली गई और न ही स्थानीय प्रशासन से आवश्यक मंजूरी प्राप्त की गई थी। पार्टी ने इसे संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन माना है।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने आदेश में कहा कि पार्टी के किसी भी कार्यक्रम, रैली या आयोजन से पहले निर्धारित प्रक्रिया के तहत अनुमति लेना जरूरी है। संबंधित पदाधिकारियों ने नियमों का पालन नहीं किया, जिसके कारण उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

> पार्टी सूत्रों के अनुसार, निलंबित पदाधिकारियों से पूरे मामले में स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है। भाजपा नेतृत्व मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा। वहीं, संगठन ने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी नियमों और अनुशासन का पालन करने की अपील की है। जांच पूरी होने तक निलंबित नेताओं की गतिविधियों पर रोक जारी रहेगी।

मामले को और गंभीर बनाते हुए पार्टी ने रैली के दौरान महिलाओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियों का भी संज्ञान लिया है। भाजपा ने कहा कि इस तरह का व्यवहार पार्टी के सिद्धांतों, अनुशासन और महिला सम्मान की नीति के पूरी तरह खिलाफ है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्रवाई से पहले जिला अध्यक्ष राकेश कौल ने प्रदेश महासचिव (संगठन) अशोक कौल, प्रदेश महासचिव अनवर खान, प्रदेश प्रवक्ता एवं अनंतनाग प्रभारी अल्ताफ ठाकुर तथा जिला कोर कमेटी के सदस्यों के साथ चर्चा की। इसके बाद सर्वसम्मति से निलंबन का फैसला लिया गया।

नियमों पर जोर

भाजपा जिला इकाई ने कहा है कि संगठन की छवि और अनुशासन बनाए रखना सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है। पार्टी अब जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर अंतिम निर्णय लेगी। इस मामले पर स्थानीय स्तर पर भी नजर रखी जा रही है। भाजपा नेताओं के अनुसार, संगठन में जिम्मेदारी निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं को निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। पार्टी ने साफ किया है कि किसी भी कार्यक्रम के आयोजन में प्रक्रिया का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मस्जिद परिसर हत्या मामले में दोषी को उम्रकैद

श्रीनगर। वर्ष 2020 के हत्या मामले में श्रीनगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने गुलाम मोहिउद्दीन डार पुत्र अब्दुल गनी डार निवासी विछवारा डलगेट, श्रीनगर को हत्या के आरोप में दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत दोषी पाया। सजा पर बहस के दौरान अदालत ने कहा कि अपराध गंभीर और जघन्य है, लेकिन यह दुर्लभतम मामलों की श्रेणी में नहीं आता, जिनमें मृत्युदंड दिया जा सके। इसके बाद अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास के साथ 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने आदेश के अनुसार, जुर्माने की राशि वसूल होने पर इसे मृतक के कानूनी वारिसों को मुआवजे के रूप में दिया जाएगा। साथ ही कानून के प्रावधानों के तहत दोषी को न्यायिक हिरासत में बिताए गए समय का लाभ भी दिया गया है। सजा सुनाते हुए अदालत ने इस बात को गंभीरता से लिया कि यह घटना मस्जिद परिसर के अंदर हुई थी। अदालत ने कहा कि पूजा स्थल पर हिंसा सार्वजनिक शांति, सामाजिक सौहार्द और धार्मिक स्थलों की पवित्रता को प्रभावित करती है।

श्रावण मास में धार्मिक आयोजन से गूंजा अखनूर घाट

जियापोता घाट में भव्य महाआरती के दौरान भक्ति से सराबोर हुए श्रद्धालु

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

श्रावण मास के पावन अवसर और संस्कृत माह के तहत ऐतिहासिक जियापोता घाट अखनूर में भव्य महाआरती और संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट और श्री रघुनाथ जी आरती संस्थान जम्मू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्वलन और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुई। इसके बाद सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान पूरा जियापोता घाट भक्तिमय वातावरण से भर गया और श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव तथा जय श्रीराम के जयघोष लगाए।

महाआरती के बाद आयोजित संगीतमय भजन संध्या में भगवान शिव और भगवान श्रीराम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया और पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत नजर आया।

इस अवसर पर अखनूर के विधायक मोहन लाल भगत ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जियापोता घाट जैसे ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों पर होने वाले कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं।

श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि श्रावण मास में आयोजित महाआरती केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। जम्मू नार्थ विधानसभा के विधायक शाम लाल शर्मा ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि अखनूर की धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजनों का लगातार होना आवश्यक है।

धार्मिक आयोजन ने बांधा समां

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। संतों और गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को अपनी धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी जियापोता घाट जैसे पवित्र स्थलों पर इस तरह के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया। श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे यादगार और आध्यात्मिक अनुभव बताया।

अमरनाथ यात्रा में 926 श्रद्धालुओं का नया जत्था बालटाल के लिए हुआ रवाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पवित्र अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से जारी है। शुक्रवार को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 926 श्रद्धालुओं का एक और जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना किया गया। पुलिस और प्रशासन की निगरानी में यात्रियों की आवाजाही सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, अमरनाथ यात्रा का 29वां जत्था तड़के 2 बजकर 59 मिनट पर 42 वाहनों के काफिले के साथ बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 693 पुरुष, 178 महिलाएं, 34 साधु और 21 साध्वियां शामिल हैं। यात्रियों को विभिन्न वाहनों के माध्यम से सुरक्षित तरीके से आगे भेजा गया। गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात व्यवस्था और सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी, 9 से 11 अगस्त तक अलर्ट

◆ मौसम विभाग ने भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की जताई संभावना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने केंद्र शासित प्रदेश में रुक-रुक कर बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 9 से 11 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 7 और 8 अगस्त को प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान कुछ स्थानों पर कम समय के लिए तेज बारिश भी होने की संभावना जताई गई है।

नाका चेकिंग में अवैध शराब की 58 बोतलें जब्त

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। रियासी पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। कटरा पुलिस थाना क्षेत्र के नौ देवियां इलाके में नाका चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक व्यक्ति के कब्जे से अवैध शराब की 58 बोतलें बरामद की हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कटरा पुलिस स्टेशन की टीम नौ देवियां में नियमित जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान रियासी से कटरा की ओर जा रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से जेके स्पेशल व्हिस्की की 58 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने मौके पर ही शराब को जब्त कर लिया और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

लद्दाख की चार मांगों पर केंद्र से जल्द फैसले की अपील तेज

लंबित मुद्दों के समाधान और मुआवजे की मांग हुई तेज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्र सरकार से लद्दाख से जुड़े लंबित मामलों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। संगठन ने कहा है कि लद्दाख की चार प्रमुख मांगों को लेकर वह और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) पिछले कई वर्षों से लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अभी तक इन मुद्दों पर कोई अंतिम समाधान नहीं निकल पाया है।

एलएबी नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच चल रही बातचीत की प्रक्रिया काफी धीमी गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि लद्दाख की जनता की लोकतांत्रिक और संवैधानिक मांगों को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान निकाला जाए।

संगठन ने कहा कि लद्दाख के लोग लंबे समय से अपने अधिकारों और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। एलएबी ने केंद्र से अपील की कि क्षेत्र की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द सकारात्मक कदम उठाए जाएं।

एलएबी ने 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई घटना का भी जिक्र किया। संगठन का आरोप है कि इस दौरान पुलिस की कार्रवाई में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। एलएबी नेताओं ने दावा किया कि उस समय बिना किसी वैधानिक आदेश के गोलीबारी की गई, जिसमें एक युद्ध पूर्व सैनिक समेत कई लोगों की जान चली गई।

सोपोर में मजदूर की संदिग्ध मौत, पुलिस ने शुरू की जांच

भारतेंदु संवाददाता, सोपोर। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर इलाके में एक मजदूर अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हरदुशिवा इलाके में रहने वाला एक मजदूर अपने घर पर बेहोशी की हालत में मिला था। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत उपचार के लिए सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल (एसडीएच) सोपोर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

श्रीनगर पुलिस ने 17.5 लाख की चोरी का किया खुलासा

पड़ोसी निकला आरोपी, चोरी का सामान हुआ बरामद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

चोरी के पैसों से खरीदे आईफोन और बाइक

कश्मीर घाटी में संपत्ति संबंधी अपराधों पर कार्रवाई करते हुए श्रीनगर पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले को सुलझाने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने करीब 17.5 लाख रुपये की चोरी की गई संपत्ति बरामद कर ली है। इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके साथ शामिल दो नाबालिगों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मामला थाना रैनावारी क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, चंगा मोहल्ला, मीर बेहरी, डाल रैनावारी निवासी मोहम्मद अमीन चंगा ने अपने घर में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में सोने के आभूषण और नकदी चोरी होने की जानकारी दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच टीम गठित की। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के बारे में अहम सुराग मिले। पुलिस ने आखून मोहल्ला, मीर बेहरी निवासी मोहम्मद हुसैन लाटू को गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि उसने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की थी। जांच में सामने आया कि दोनों साथी नाबालिग हैं, जिनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने चोरी की नकदी से महंगे सामान खरीदे थे। आरोपी ने चोरी के पैसों से तीन आईफोन और एक मोटरसाइकिल खरीदी थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर इन सामानों को भी बरामद कर लिया है।

कश्मीर में शिकारा सफर ने दिखाई इंसानियत की अनोखी तस्वीर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर की डल झील में एक साधारण शिकारा यात्रा ने इंसानियत, भरोसे और आपसी अपनत्व की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने लोगों के दिलों को छू लिया। श्रीनगर प्रवास के दौरान डल झील में शिकारा सवारी कर रहे यात्रियों को चालक अयान के साथ बिताया अनुभव जीवनभर याद रहने वाला बन गया।

यात्रियों ने बताया कि जब शिकारा चालक अयान ने उनसे खरीदारी, भीड़भाड़ वाले स्थान या शांत जगह देखने के बारे में पूछा तो उन्होंने केवल डल झील की वास्तविक खूबसूरती देखने की इच्छा जताई। इसके बाद अयान शिकारे को भीड़ से दूर शांत जल गलियों की ओर ले गया, जहां प्रकृति और सुकून का अनोखा अनुभव मिला।

इसी दौरान अयान ने सहज भाव से उन्हें अपने घर चलने का निमंत्रण दिया। शुरुआत में मन में कुछ संकोच था, क्योंकि हाल के समय में क्षेत्र में हुई कुछ दुखद घटनाओं के कारण सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक थी। परिवार के सदस्यों ने भी आशंका जताई, लेकिन भरोसे के साथ अयान के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया गया।

कुछ दूरी तय करने के बाद पानी के बीच बने एक सुंदर तीन मंजिला लकड़ी के घर में पहुंचने पर अयान के परिवार ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उसकी मां, मासी और अन्य परिजनों ने अतिथियों का आत्मीयता से स्वागत किया। उन्होंने घर की पारंपरिक व्यवस्था दिखाई और कहवा, चाय, नाश्ते तथा स्थानीय फलों के साथ मेहमाननवाजी की।

अवैध खनन रोकने को जम्मू-कश्मीर में तकनीक निगरानी पर दिया जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

सैटेलाइट निगरानी और जीपीएस ट्रैकिंग लागू करने के निर्देश जारी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की पर्यावरण समिति ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया है। समिति के अध्यक्ष एमवाई तारिगामी ने भू-विज्ञान एवं खनन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को सैटेलाइट निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग और डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए।

एमवाई तारिगामी ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन जनता की संपत्ति हैं और इनके अनियंत्रित दोहन की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए केवल पारंपरिक निगरानी व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित व्यवस्था विकसित करना जरूरी है।

बैठक में बजट सत्र 2026 के दौरान दी गई सिफारिशों पर कार्रवाई रिपोर्ट और व्यापक लघु खनन नीति-2026 की प्रगति की समीक्षा की गई। तारिगामी ने कहा कि खनिजों के दोहन में पर्यावरणीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आधुनिक तकनीक को अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण का प्रमुख माध्यम बनाने को कहा।

लंबे इंतजार के बाद 28 फॉरेस्ट आफिसर बनेंगे आइएफएस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के वन अधिकारियों के लिए लंबे इंतजार के बाद बड़ी राहत की खबर सामने आई है। 13 वर्षों के अंतराल के बाद अब प्रदेश के योग्य वन अधिकारियों के भारतीय वन सेवा (आइएफएस) में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एजीएमयूटी कैडर के जम्मू-कश्मीर हिस्से में पदोन्नति कोटे के तहत 28 पद निर्धारित किए हैं।

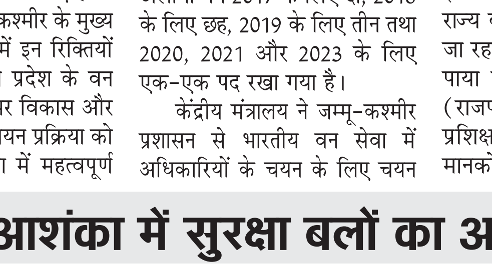

◆ 13 वर्षों से अटकी प्रक्रिया अब फिर होगी शुरू

मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को भेजे पत्र में इन रिक्तियों की पुष्टि की है। इसे प्रदेश के वन अधिकारियों के करियर विकास और भारतीय वन सेवा में चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2013 की चयन सूची के लिए सबसे अधिक 14 पद निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा वर्ष 2017 के लिए दो, 2018 के लिए छह, 2019 के लिए दो, तीन तथा 2020, 2021 और 2023 के लिए एक-एक पद रखा गया है।

केंद्रीय मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से भारतीय वन सेवा में अधिकारियों के चयन के लिए चयन समिति की बैठक (एससीएम) आयोजित कराने को कहा है। इसके लिए केंद्र शासित प्रदेश सरकार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को प्रस्ताव भेजना होगा। मंत्रालय ने कहा है कि चयन प्रक्रिया भारतीय वन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1966 के प्रावधानों के तहत पूरी की जाए।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के स्थानीय वन अधिकारियों का आइएफएस में पदोन्नति का मामला पिछले 13 वर्षों से लंबित था। इसका मुख्य कारण प्रदेश में वैध राज्य वन सेवा के अभाव को माना जा रहा था। मंत्रालय की समीक्षा में पाया गया कि जम्मू-कश्मीर वन (राजपत्रित) सेवा (क्षेत्रीय) भर्ती, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक मानकों को पूरा करती है।

बारामूला विकास मुद्दों को लेकर पूर्व अध्यक्ष ने उपराज्यपाल से की मुलाकात

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। बारामूला नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष उमर काकरू ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात कर क्षेत्र के विभिन्न विकास संबंधी मुद्दों को उठाया। इस दौरान उन्होंने बारामूला जिले में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और जनहित से जुड़े कार्यों को गति देने की मांग रखी।

मुलाकात के दौरान उमर काकरू ने खानपोरा से कंगनपोरा तक राष्ट्रीय राजमार्ग के उचित रखरखाव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क क्षेत्र के विकास और लोगों की आवाजाही के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए इसके रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने बाग-ए-इस्लाम स्वास्थ्य केंद्र के संचालन को लेकर भी चर्चा की और क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। काकरू ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र के सुचारु संचालन से स्थानीय नागरिकों को काफी लाभ मिलेगा।

घेराबंदी

स्कॉर्पियो से मिले गोबर के निशान, पशु तस्करी की आशंका में सुरक्षा बलों का अभियान जारी

रामबन में नाका तोड़ भागी स्कॉर्पियो, जंगल में तलाश तेज

भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर रामबन जिले में सुरक्षा नाका तोड़कर फरार हुई स्कॉर्पियो मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है। शुक्रवार तड़के करीब 3:30 बजे चंदरकोट इलाके में एक सफेद स्कॉर्पियो चालक ने नाके पर रुकने के बजाय तेज रफ्तार से गाड़ी भगा दी। सुरक्षाबलों ने पीछा करते हुए फायरिंग की, लेकिन चालक भागने में सफल रहा।

करीब 8-9 किलोमीटर दूर पपरियान गांव में गाड़ी लावारिस हालत में मिली। वाहन में सवार तीन संदिग्ध घने जंगल की ओर भाग गए। पुलिस, सीआरपीएफ और सेना ने संयुक्त अभियान चलाकर इलाके को घेराबंदी कर दी है।

जांच में स्कॉर्पियो की पिछली सीटें हटाई हुई मिलीं और अंदर गोबर के निशान पाए गए। पुलिस को आशंका है कि वाहन का इस्तेमाल पशु तस्करी में किया जा रहा था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां अन्य संभावनाओं की भी जांच कर रही हैं और फरार लोगों की तलाश जारी है।

संदिग्ध स्कॉर्पियो ने बढ़ाई चिंता

जांच एजेंसियां अब वाहन के मालिक और उसमें सवार संदिग्धों की पहचान करने में जुटी हैं। पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने जंगल क्षेत्र में ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

जंगल में छिपे संदिग्धों की खोज

सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, फरार संदिग्धों की तलाश के लिए इलाके के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि स्कॉर्पियो वाहन किसके नाम पर पंजीकृत है और इसे हाल के दिनों में किन-किन स्थानों पर ले जाया गया था। जांच के दौरान वाहन की नंबर प्लेट, दस्तावेजों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि जंगल क्षेत्र में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं।

तस्करी कनेक्शन की जांच तेज

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्राथमिक जांच में पशु तस्करी की संभावना सामने आई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी अन्य साजिश से इनकार नहीं कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को देखते हुए इस घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है। फिलहाल सुरक्षा बलों का अभियान जारी है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही फरार लोगों को पकड़कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को दें।

मानसून सत्र के लिए हिमाचल विधानसभा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 750 जवान तैनात, ड्रोन से होगी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी

सुरक्षा में किसी तरह की चूक नहीं होगी बर्दाश्त : पठानिया

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के 12वें सत्र (मानसून सत्र) को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए विधानसभा सचिवालय के मुख्य समिति कक्ष में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की। बैठक में पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप, विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जारी सभी सुरक्षा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विधायकों और मंत्रियों को सदन तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्था की जाए। अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा परिसर और आसपास होने वाले धरना-प्रदर्शनों पर नजर रखने के लिए पुलिस विभाग ड्रोन कैमरों का उपयोग करेगा। इसके अलावा विधानसभा परिसर में आधुनिक सुविधाओं से लैस एक एंबुलेंस, दो चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ पूरे सत्र के दौरान तैनात रहेंगे। सुरक्षा कारणों से सदन के भीतर किसी भी अधिकारी, आगंतुक या मीडिया कर्मी को फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की अनुमति नहीं होगी। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दर्शक दीर्घा के लिए उपलब्धता के अनुसार पास जारी किए जाएंगे और स्कूली विद्यार्थियों को भी विधानसभा की कार्यवाही देखने का अवसर दिया जाएगा। अध्यक्ष ने अधिकारियों को विधानसभा भवन और परिसर में चल रहे मरम्मत कार्य समय पर पूरा करने तथा साफ-सफाई की उच्च स्तरीय व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि इस बार सभी प्रवेश पत्र ऑनलाइन के बजाय हस्तलिखित जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि

◆विधानसभा परिसर में मोबाइल व फोटोग्राफी पर प्रतिबंध, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

हिमाचल ई-विधान प्रणाली से राष्ट्रीय ई-विधान (नेवा) प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया जारी है, इसलिए फिलहाल यह व्यवस्था अपनाई गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी अधिकारी दीर्घा पास, स्थापना पास और प्रेस पास प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे, ताकि सुरक्षा जांच के दौरान अनावश्यक असुविधा से बचा जा सके। प्रेस प्रतिनिधियों के प्रवेश की व्यवस्था पूर्ववत गेट नंबर 3, 4, 5 और 6 से रहेगी।

सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी अपने पहचान पत्र प्रमुखता से प्रदर्शित करने होंगे। साथ ही किसी भी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य पासधारक को अपना अधिकृत पास किसी अन्य व्यक्ति को देने की अनुमति नहीं होगी। ऐसा पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बैठक में बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 750 पुलिस जवान तैनात रहेंगे। सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहेगी। पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विधानसभा परिसर की मुख्य पार्किंग में केवल मंत्रियों, विधायकों, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिवों और प्रशासनिक सचिवों के वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। प्रेस प्रतिनिधियों के वाहनों की पार्किंग विधानसभा चौक से गेट नंबर-2 तक निर्धारित की गई है, जबकि सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए गेट नंबर-2 से महालेखाकार कार्यालय के बीच चिन्हित स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। सचिवालय द्वारा जारी पार्किंग स्टिकर वाहन के आगे प्रमुखता से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। सुरक्षा कारणों से विधानसभा परिसर के भीतर मोबाइल फोन, पेजर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

मानसून सत्र के लिए अब तक 406 प्रश्न प्राप्त

बैठक में यह भी तय किया गया कि मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों से मिलने आने वाले आगंतुक तथा जनप्रतिनिधि केवल विधानसभा स्थित प्रतीक्षालय में निर्धारित समय पर ही मुलाकात कर सकेंगे। इस व्यवस्था के संचालन में पुलिस और सीआईडी संयुक्त रूप से समन्वय बनाए रखेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने बताया कि मानसून सत्र के लिए अब तक विधायकों की ओर से 406 प्रश्नों की सूचनाएं विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हो चुकी हैं और आगामी दिनों में इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है।

यात्रियों की सुरक्षा मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : अनुराग ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमालयी क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर संचालन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि सरकार यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक और कड़े सुरक्षा मानकों को लागू कर रही है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम वाले क्षेत्रों में सुरक्षित उड़ान संचालन के लिए डीजीसीए ने वर्ष 2023 में ऑपरेशन सर्कुलर (OC-02) जारी कर विशेष मानक संचालन प्रक्रिया लागू की है। इसके तहत हेलिकॉप्टर संचालन की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 से 2025 के बीच उत्तराखंड में हुई हेलिकॉप्टर दुर्घटनाओं को देखते हुए डीजीसीए ने वर्ष 2025 में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में संचालित हेलिकॉप्टर ऑपरेटरों के आठ विशेष सुरक्षा ऑडिट किए।

इन ऑडिट में उड़ान समय सीमा, रखरखाव व्यवस्था, परिचालन मानकों और सुरक्षा अनुपालन की समीक्षा की गई। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए ऑटोमेटेड वेदर ऑब्जर्विंग सिस्टम, सैटेलाइट आधारित हेली-ट्रैकिंग, लाइव वेदर कैमरे और जीपीएस आधारित रूट सिस्टम जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। चारधाम यात्रा के दौरान हेलिकॉप्टरों में हेली-ट्रैकर अनिवार्य किया गया है, जिसकी निगरानी देहरादून स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से की जाती है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों, रक्षा बलों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ समन्वय कर हिमालयी क्षेत्रों में सुरक्षित और भरोसेमंद हेलिकॉप्टर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर में दो अलग-अलग हादसे, एक की मौत; पशु क्रूरता मामले में केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए एक पशु क्रूरता और एक सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। दोनों मामलों की जांच संबंधित थानों द्वारा की जा रही है। झण्डूता थाना क्षेत्र के डरोह गांव में रत्न लाल की शिकायत पर पुलिस ने दमोदर दास के खिलाफ एक कुत्ते के साथ कथित रूप से बेरहमी करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरी घटना तलाई थाना क्षेत्र के सरयाली पुल के पास हुई, जहां पानी से भरा ट्रैक्टर-टैंकर अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए खड्ड में गिर गया। हादसे में घुमारपुर निवासी रणजीत सिंह की मौत हो गई, जबकि चालक सुनील कुमार और गुलजार मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीरपुर भेज दिया है। चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

नूरपुर पुलिस ने उद्घोषित अपराधी को किया काबू

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर ने उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पीओ सेल की टीम ने कंडवाल निवासी 29 वर्षीय पवन कुमार को गिरफ्तार किया, जिसे न्यायालय द्वारा पहले ही उद्घोषित अपराधी घोषित किया जा चुका था। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना डमटाल में वर्ष 2020 में दर्ज एफआईआर संख्या 175/2020 में भारतीय दंड संहिता की धारा 454 और 380 के तहत मामला दर्ज है। इस मामले में लगातार अनुपस्थित रहने पर माननीय जेएमएफसी इंदौरा ने 9 अप्रैल 2024 को उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्म चंद वर्मा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय इंदौरा में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश के बाद उसे न्यायिक हिरासत में उप-जेल नूरपुर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस जिला नूरपुर द्वारा उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान लगातार जारी है और कानून से बचने का प्रयास करने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

11 को लघु रोजगार मेले में 610 पदों पर होगी भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर में 11 अगस्त को प्रातः 10:30 बजे से लघु रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी राजेश मेहता ने बताया कि मेले में चार प्रतिष्ठित निजी कंपनियों द्वारा 610 विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बारबेक नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड में किचन हेल्पर और स्टीवर्ड के 500 पदों के लिए 10वीं पास अभ्यर्थी पात्र होंगे। इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में बिजनेस एसोसिएट के 20 पद, एयर प्लाजा रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (विशाल मेगा मार्ट) में सेल्स एसोसिएट के 10 पद तथा एसआईएस इंडिया लिमिटेड में सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के 80 पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार अधिकारी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय पंजीकरण कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, फोटो, बायोडाटा और अनुभव प्रमाण पत्र सहित निर्धारित समय पर पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

11वीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म, मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के कुमारसैन थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता 11वीं कक्षा में पढ़ती है। आरोप है कि कुमारसेन के एक युवक ने पीड़िता से कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर कुमारसेन पुलिस ने आरोपित युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बड़ी बेटी 15 वर्ष की है और कक्षा 11 में पढ़ती है। बेटी ने अपनी मां को बताया कि कुमारसैन के एक गांव के आशीष नामक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया तथा यौन उत्पीड़न किया। शिकायतकर्ता के अनुसार यह घटना पहले भी कई बार हुई थी। पुलिस के मुताबिक मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत दर्ज किया गया है और आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

फरार घोषित दोषी को सीबीआई ने किया काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी), शिमला ने वर्ष 2015 के एक मामले में दोषी ठहराए गए और बाद में फरार चल रहे घोषित अपराधी गोविंद राम को कुल्लू जिले के भुंतर से गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार उसकी गिरफ्तारी वीरवार को की गई। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया कि गोविंद राम पुत्र राम दास कुल्लू जिले के देवघरा गांव, डाकघर बारी, तहसील एवं जिला कुल्लू का निवासी है। उसे सीबीआई एसीबी शिमला द्वारा दर्ज मामले में 23 मार्च 2026 को विशेष अदालत ने दोषी ठहराया था। अदालत के आदेश के बाद वह फरार हो गया था। बाद में उसे घोषित अपराधी घोषित किया गया और उसकी तलाश जारी थी। जांच एजेंसी के अनुसार कुल्लू का दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और आरोपी का लगातार अपने ठिकाने बदलना उसकी गिरफ्तारी में बड़ी चुनौती बना हुआ था। सीबीआई टीम ने लगातार भौतिक निगरानी और तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए उसकी गतिविधियों पर नजर रखी। इन प्रयासों के आधार पर टीम ने उसे भुंतर में पकड़ लिया। सीबीआई ने कहा कि गिरफ्तार गोविंद राम को 7 अगस्त को शिमला स्थित विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। इसके बाद अदालत के निर्देशों के अनुसार आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बता दें कि वर्ष 2015 में पंजाब नेशनल बैंक के किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़ी अनियमितताओं की जांच सीबीआई ने की थी। इसमें गोविंद राम भी आरोपी था। 11 वर्ष पुराने इस मामले में मार्च 2026 में अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। इसके बाद वह फरार हो गया था और सीबीआई से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था।

जापान में एशियन कैनो मैराथन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे सचिन ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कसोल गांव के युवा कैनो खिलाड़ी सचिन ठाकुर इन दिनों जापान में आयोजित एशियन कैनो मैराथन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल बिलासपुर बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश में खुशी का माहौल है। खेल प्रेमियों को उनसे प्रतियोगिता में पदक जीतने की भी उम्मीद है।

सचिन ठाकुर ने कैनोइंग की शुरुआत साई एनटीपीसी में पूर्व कोच अंग्रेज सिंह के मार्गदर्शन में की थी। अंग्रेज सिंह ने शुरुआती दौर में ही उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण और निरंतर प्रोत्साहन दिया। उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है कि आज सचिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अंग्रेज सिंह के मार्गदर्शन में कई अन्य खिलाड़ी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। वर्तमान में सचिन चंडीगढ़ में कोच रविंदर सिंह की देखरेख में नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं।

लगातार अभ्यास और बेहतर प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में स्थान बनाया है। एशियन कैनो मैराथन चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी हैं। पूर्व कोच अंग्रेज सिंह ने कहा कि सचिन की सफलता हिमाचल के युवाओं की प्रतिभा का प्रमाण है। यदि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और उचित अवसर मिलें तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। स्थानीय लोगों, खेल प्रेमियों तथा कसोल कबड्डी हॉस्टल के संचालक एवं सीआरपीएफ के पूर्व एएसआई व कबड्डी कोच सुभाष ठाकुर ने सचिन को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की कामना की।

स्टूडेंट्स को उद्यमिता की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय झंडूता में विद्यार्थियों को स्वरोजगार, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने के उद्देश्य से इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई। इसके शुभारंभ अवसर पर कॉलेज में उद्यमिता विकास विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केंद्र के निदेशक परमजीत सिंह ने बतौर रिसोर्स पर्सन भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की प्रक्रिया, व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय साक्षरता और केंद्र व प्रदेश सरकार की सहायता योजनाओं की जानकारी दी। वरिष्ठ सलाहकार सतविंदर सिंह ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग के बारे में बताया। जिला उद्योग अधिकारी पूनम ने जिला उद्योग केंद्र की योजनाओं, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

संगठन की मजबूती के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करें पदाधिकारी : राकेश ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर की मासिक बैठक टौणी देवी मंदिर परिसर में जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के विस्तारक अमित शर्मा, प्रदेश भाजपा सचिव और दोहरा विधानसभा की प्रभारी वंदना योगी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक कमलेश कुमारी, पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान सहित जिला के पदाधिकारी तथा प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के मोर्चों-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन के हाल ही में दिवंगत हुए पिता को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने

संगठन द्वारा पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा कार्यकर्ताओं के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता, अनुशासन और निरंतर जनसंपर्क पर निर्भर करती है।

बैठक में जिला भाजपा के सभी 10 मंडल अध्यक्षों ने अपने-अपने मंडलों में पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों एवं दायित्वों का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। साथ ही आगामी दिनों में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों एवं अभियानों की विस्तृत जानकारी भी साझा की। बैठक में ऑनलाइन डिजिटल कोर्स, मन की बात, एक पेड़ मां के नाम अभियान, कारगिल विजय दिवस, नीट परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्मान कार्यक्रम तथा संपर्क अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त 15 अगस्त के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले पार्टी कार्यक्रमों एवं जनसहभागिता को लेकर विस्तृत रणनीति भी तैयार की गई। बैठक के समापन अवसर पर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के विस्तारक अमित शर्मा ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को पार्टी द्वारा सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करना चाहिए।

स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को डराना बंद करे बिजली बोर्ड

बिजली कनेक्शन काटने का किया कड़ा विरोध

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। उपभोक्ता कल्याण मंच के माध्यम से चिल्ड्रेन पार्क अणु हमीरपुर से लेकर अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन) के कार्यालय तक स्मार्ट मीटरों के विरोध में प्रदर्शन किया गया और अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन), हिमाचल बिजली बोर्ड, हमीरपुर के माध्यम से बोर्ड के अध्यक्ष को एक ज्ञापन प्रेषित कर स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे जाने की कार्रवाई का पुरजोर विरोध किया।

मंच के संयोजक कुलदीप खरवाड़ा ने कहा कि अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन) का सांकेतिक तौर पर घेराव किया है और यदि उपभोक्ताओं को डराना बंद नहीं किया तो यह घेराव दोबारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर ऑपरेशन सर्किल हमीरपुर में, बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन केवल इसलिए काटे जा रहे हैं क्योंकि उन्होंने अपने सुचारु रूप से कार्य कर रहे डिजिटल मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदलने पर आपत्ति जताई है।

इस प्रकार की कार्रवाई से उपभोक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि बिजली एक अत्यावश्यक सेवा है और किसी उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट मीटर लगाने से इनकार करने के आधार पर नहीं काटा जा सकता। उन्होंने कहा कि ऐसा करना विद्युत अधिनियम, 2003 तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। यदि किसी अधिकारी द्वारा बिना वैधानिक अधिकार के इस प्रकार की जबरन कार्रवाई की जाती है, तो उसे न्यायालय एवं सक्षम प्राधिकरणों के समक्ष चुनौती दी जाएगी तथा संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय की जाएगी। मंच ने यह भी कहा कि स्मार्ट मीटरों से जुड़े आर्थिक बोझ, उपभोक्ताओं की गोपनीयता, रोजगार पर प्रभाव तथा भविष्य में उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय भार जैसे गंभीर मुद्दे अभी भी सार्वजनिक चर्चा का विषय हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं पर दबाव बनाना और बिजली कनेक्शन काटना पूरी तरह अनुचित एवं अस्वीकार्य है।

मंच ने बोर्ड प्रबंधन से मांग की कि स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर बिजली कनेक्शन काटने और किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए, केवल इसी कारण से काटे गए सभी बिजली कनेक्शन तुरंत बहाल किए जाएं तथा सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को विद्युत अधिनियम, 2003 एवं लागू नियमों के अनुरूप कार्य करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं का उत्पीड़न बंद नहीं किया गया तो उन्हें अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक एवं अन्य लोकतांत्रिक माध्यमों का सहारा लेने के लिए विवश होना पड़ेगा।

नाबार्ड ने मंडी में मनाया हथकरघा दिवस, 130 बुनकरों ने लिया भाग

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला ने मंडी के सेरी मंच पर राज्य स्तरीय राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध हथकरघा परंपरा को बढ़ावा देना तथा पारंपरिक बुनकरों के योगदान को सम्मानित करना था। मुख्यातिथि मंडलायुक्त डॉ. आरके प्रूथी, विशेष अतिथि उपायुक्त अपूर्व देवगन तथा अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. विवेक पठानिया ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और प्रदर्शनी-सह-बिक्री के उद्घाटन के साथ हुआ। प्रदर्शनी में 15 स्टॉल लगाए गए, जिनमें बुनकरों, उत्पादक संगठनों व स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार हथकरघा वस्त्र, हस्तशिल्प व ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शित किए गए। पारंपरिक बुनाई को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष खादी स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहा। जिला विकास प्रबंधक राकेश वर्मा ने अतिथियों को नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और हथकरघा क्षेत्र के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इसके बाद होटल राज महल में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में मंडी सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए करीब 130 बुनकरों ने भाग लिया।

कार्यशाला में उत्पाद विविधीकरण, ब्रांडिंग, बाजार संपर्क, मूल्य संवर्धन और स्थायी आजीविका जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित बुनकर श्रीमती अंशुल मल्होत्रा ने अपनी सफलता की कहानी साझा की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय विद्यालय मंडी में आयोजित निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डॉ. विवेक पठानिया ने सरोआ हथकरघा उत्पादक कंपनी का उल्लेख करते हुए युवाओं को पारंपरिक हथकरघा से जोड़ने और ग्रामीण रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर बल दिया।

बीए, बीएससी और बीकॉम में दाखिले की तिथि 14 तक बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में अंडर ग्रेजुएट कोर्स (बीए, बीएससी, बीकॉम) और एईडीपी कोर्स में प्रवेश की तिथि बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 कर दी गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने बताया कि अब इच्छुक विद्यार्थी 14 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर दाखिला ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ विद्यार्थी निर्धारित समय में प्रवेश नहीं ले पाए थे। विद्यार्थियों ने प्राचार्य से दाखिले के लिए आग्रह किया, जिसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा निदेशक को स्थिति से अवगत करवाते हुए तिथि बढ़ाने का आग्रह किया था। विद्यार्थियों के हित को देखते हुए उच्च शिक्षा निदेशक ने प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय का एडमिशन पोर्टल दोबारा खोल दिया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से समय पर आवेदन कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

सुविधा | चिकित्सा व मेडिकल शिक्षा का एक समग्र संस्थान बनेगा हमीरपुर का मेडिकल कॉलेज

जोल सप्पड़ में बनेगा अत्याधुनिक मेडिकल हब

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जोल सप्पड़ में निर्माणाधीन डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कालेज हमीरपुर के नए कैंपस में सिर्फ एक आम मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ही नहीं, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र से संबंधित कई अन्य संस्थानों का एक उत्कृष्ट समावेश देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट में चिकित्सा और मेडिकल शिक्षा से संबंधित सभी संस्थानों को एक ही स्थान पर स्थापित करने के लिए प्रयासरत हैं, ताकि मरीजों को विभिन्न सुविधाओं के लिए और मेडिकल प्रोफेशनल्स को अध्ययन, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए अन्य संस्थानों का रुख न करना पड़े। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ने इस नए कैंपस में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अलावा कैंसर केयर संस्थान, डेंटल कालेज, नर्सिंग कालेज, पैरा मेडिकल स्टाफ कालेज, नशा मुक्ति एवं उपचार

केंद्र, क्रिटिकल केयर यूनिट, 200 बिस्तर का एक अलग मदर-चाइल्ड अस्पताल और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।

सरकार ने यहां के लिए 8 सुपर स्पेशियलिटी विभाग भी स्वीकृत किए हैं। प्रदेश सरकार अभी तक इस नए कैंपस के लिए लगभग 500 करोड़ रुपए जारी कर चुकी है और आने वाले समय में विभिन्न संस्थानों के ब्लॉकों के निर्माण के लिए भी लगभग 500 करोड़ रुपए का प्रावधान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी इस नए परिसर में अकैडमिक ब्लॉक और अस्पताल भवन का कार्य पूरा हो चुका है। इन दोनों ब्लॉकों में अत्याधुनिक मशीनरी और फर्नीचर स्थापित करने का कार्य चल रहा है। मशीनरी एवं फर्नीचर स्थापित होते ही मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के अधिकांश विभाग यहां शिफ्ट कर दिए जाएंगे। इसी परिसर में क्रिटिकल केयर ब्लॉक, सभागार और अन्य भवनों के कार्य तेजी से करवाए जा रहे हैं। कैंसर केयर संस्थान के निर्माण के लिए 90 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास और अन्य भवनों के निर्माण कार्य शुरू करने के लिए भी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। आने वाले समय में यहां सुपर स्पेशियलिटी विभाग, रोबोटिक सर्जरी और अन्य अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी आरंभ हो जाएंगी। मुख्यमंत्री के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, वह दिन दूर नहीं है, जब हमीरपुर का यह मेडिकल कालेज केवल हिमाचल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत के उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थानों में शामिल होगा। यह संस्थान केवल मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं ही उपलब्ध नहीं करवाएगा, बल्कि बेहतरीन डॉक्टर, डेंटल डॉक्टर, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल स्टाफ भी तैयार करेगा।

घुमारवीं कॉलेज में धर्माणी ने स्टूडेंट्स से किया संवाद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय, घुमारवीं में नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने विद्यार्थियों के साथ प्रेरणादायक संवाद सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम दो चरणों में हुआ। पहले सत्र में बीए, बीकॉम और बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों से संवाद किया गया, जबकि दूसरे सत्र में बीबीए, बीसीए और बी.वोक के छात्रों से चर्चा हुई।

राजेश धर्माणी ने विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक सोच अपनाने, हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना करने और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियां ही व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने मानसिक तनाव से दूर रहकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने और समय का सदुपयोग करने की सलाह दी। मंत्री ने विद्यार्थियों को कक्षा में आने से पहले संबंधित विषय का अध्ययन करने तथा कक्षा के बाद नियमित पुनरावृत्ति करने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मोबाइल फोन के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करियर मार्गदर्शन और ज्ञानवर्धन के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने पुरानी और नई शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों को स्वयं को इतना सक्षम बनाना चाहिए कि वे किसी भी परिस्थिति में समस्याओं का समाधान कर सकें। संवाद के अंत में मंत्री ने विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रीतम लाल ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सत्र विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक साबित हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जूलिया ग्विन का अंदाज सबसे जुदा

जूलिया ग्विन जर्मनी की एक मशहूर महिला फुटबॉल खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 2 जुलाई 1999 को जर्मनी में हुआ था। वह अपनी तेज रफ्तार, बेहतरीन तकनीक और मैदान पर शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। जूलिया ने जर्मन राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

प्रज्ञानानंदा बने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियन

ब्लिट्ज के एक राउंड बाकी रहते जीता खिताब, रैपिड में भी टॉप पर रहे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के सेंट लुइस में खेले गए ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) के सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। रैपिड राउंड के बाद प्रज्ञानानंदा पॉइंट्स टेबल में टॉप पर थे। ब्लिट्ज के दूसरे अंतिम राउंड में उन्होंने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेलकर एक राउंड बाकी रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया।

उन्होंने 35 में से 23.5 अंक जुटाए और दूसरे स्थान पर रहे सिंदारोव (22 अंक) से 1.5 अंक आगे रहकर अपने करियर का पहला जीसीटी रैपिड एंड ब्लिट्ज खिताब जीता। इस जीत पर उन्हें 50 हजार डॉलर (करीब 48 लाख रुए) की प्राइज मनी और 13 जीसीटी अंक मिले।

प्रज्ञानानंदा ने पूरे टूर्नामेंट में ही बनाए रखी बढ़त

प्रज्ञानानंदा पूरे पांच दिन चले टूर्नामेंट में टॉप पर बने रहे। सिंदारोव ने आखिरी दिन तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। ब्लिट्ज के अंतिम नौ राउंड में उन्होंने तीन मुकाबले जीते, पांच ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मैच गंवाया।

रैपिड और ब्लिट्ज दोनों में सबसे ज्यादा अंक

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सिर्फ संयुक्त खिताब ही नहीं जीता, बल्कि रैपिड और ब्लिट्ज दोनों राउंड में सबसे ज्यादा अंक भी जुटाए। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'स्कोर देखकर सब कुछ आसान लगता है, लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं था। सिंदारोव ने आखिर तक कड़ी टक्कर दी।'

कोरिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी अशिमता-रक्षिता

एजेंसी, आसन

भारत की अशिमता चालिहा और रक्षिता रामराज ने शुक्रवार को यहां 250,000 अमेरिकी डॉलर इनामी कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां वे आमने-सामने होंगी। विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी अशिमता ने टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में जापान की विश्व में 22वें नंबर की खिलाड़ी और यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से पराजित किया।

हिना ने हर सेट में जोरदार मुकाबला किया, लेकिन अशिमता ने अंतिम क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और यादगार जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल मलेशिया सुपर 100 में हिना से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। रक्षिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त और हमवतन तन्वी शर्मा को 18-21, 21-19, 21-18 से हराकर उलटफेर किया। यह मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। तन्वी के खिलाफ यह उनकी चौथी जीत है। तन्वी ने पिछले सप्ताह ताइपे ओपन में पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था।

गॉल टेस्ट के लिए भारतीय टीम ने स्पिन पिच पर की खास तैयारी

गंभीर ने टूटी-फूटी पिच बनवाई, बल्लेबाजों को स्कूली स्पिनरों से करवाई प्रैक्टिस

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका के स्पिनिंग ट्रैक पर जीत की तैयारी में भारतीय टीम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने कोलंबो में गॉल जैसी टूटी-फूटी पिच बनवाकर बल्लेबाजों को अभ्यास कराया। गंभीर का कहना है कि पहले टेस्ट की शुरुआत तक टीम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम मैच शुरू होने से 11 दिन पहले (मंगलवार, 4 अगस्त) ही श्रीलंका पहुंच गई थी।

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट क्रिकेट क्लब में टीम अब तक दो बार करीब तीन-तीन घंटे के अभ्यास सत्र कर चुकी है। शुक्रवार से भारत स्ष्ट ङ्गढ्ढ के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच भी खेलेगा, जिससे खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों में ढलने का मौका मिलेगा। अभ्यास सत्र के दौरान गंभीर ने कहा, '15 अगस्त की सुबह हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हमारे सामने आने वाले हर सवाल का जवाब हमारे पास तैयार होगा।'

22 गज की अनक्यूरेटेड पिच करवाई तैयार

गॉल की स्पिन और अनियमित उछाल वाली पिच को ध्यान में रखते हुए हेड कोच गौतम गंभीर और बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट क्रिकेट क्लब मैदान के एक हिस्से में 22 गज की अनक्यूरेटेड पिच तैयार करवाई। इस पिच पर घास, दरारें और ढीली मिट्टी जानबूझकर छोड़ी गई, ताकि बल्लेबाज गॉल टेस्ट के चौथे और पांचवें दिन जैसी टर्न और अनियमित उछाल वाली परिस्थितियों में पहले से अभ्यास कर सकें। भारतीय बल्लेबाजों के सामने पहले नेट बॉलर्स ने गेंदबाजी की। बाद में बाउंड्री के पास मौजूद स्थानीय स्कूली बच्चों और युवा स्पिनरों को भी गेंदबाजी के लिए बुलाया गया। इस पिच पर गेंद कभी तेजी से टर्न ले रही थी तो कभी नीची रह रही थी। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में भारतीय टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों ने लंबे समय तक अभ्यास किया।

गिल फिट, पड्डिकल और राहुल ने भी किया अभ्यास

बुधवार को अभ्यास के दौरान कप्तान शुभमन गिल के अंगूठे में गेंद लगी थी। हालांकि, गुरुवार को वे पूरी तरह फिट नजर आए और नेट्स में बल्लेबाजी की। केएल राहुल और देवदत्त पड्डिकल ने भी रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ लंबा अभ्यास किया।

बुमराह और सुंदर पहले टेस्ट से बाहर

टीम में कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है। जसप्रीत बुमराह और वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं, साई सुदर्शन को अभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से मैच खेलने की मंजूरी का इंतजार है। बाकी खिलाड़ी पूरी तरह फिट हैं। अभ्यास में बल्लेबाजों की मदद के लिए हर्ष दुबे, तनुष कोटियान, विप्रज निगम और शिवांग कुमार नेट बॉलर के रूप में टीम के साथ हैं।

अशफाक विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

एजेंसी, यूजीन

मोहम्मद अशफाक ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि अमानत कंबोज ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन महिलाओं की चक्का फेंक (डिस्कस थ्रो) के फाइनल में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ छठा स्थान हासिल किया। 19 वर्षीय अशफाक ने पहले दौर की हीट पांच में 45.81 सेकंड का समय लिया। वह अपनी हीट में अमेरिका के जेडन डी लियोन (45.63 सेकंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

अशफाक ने इसी वर्ष अप्रैल में बनाए गए अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 46.05 सेकंड को बेहतर किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी पीयूष राज हीट छह में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें और कुल मिलाकर 35वें स्थान पर रहने के बाद आगे नहीं बढ़ पाए।

महिलाओं के चक्का फेंक के फाइनल में 18 वर्षीय कंबोज ने अपने पहले प्रयास में 53.24 मीटर का थ्रो किया जिससे वह छठे स्थान पर रही। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

चीन की सु यिक्सिन ने 61.06 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमेरिका की जैसलीन मैसी (58.41 मीटर) और साइप्रस की मरीना हाजिकोस्टा (54.88 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पुरुषों की ऊंची कूद में बसंत ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप ए में 2.14 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद के साथ पांचवां और कुल मिलाकर 11वां स्थान हासिल करने के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी के अंबरीश प्रतियोगिता से बाहर हो गए। वह क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप बी में केवल 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके 12वें और कुल मिलाकर 24वें स्थान पर रहे।

वह अपने तीनों प्रयास में 2.10 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे।

स्पोर्ट्स विंडो

नीरज को भी रजत पदक मिल सकता है, आखिर वह भी इंसानः सुमारीवाला

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने नीरज चोपड़ा की फिटनेस और फॉर्म को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि 'देश का यह महानतम एथलीट' भी इंसान है और कभी कभार रजत पदक हासिल करने पर उनकी आलोचना नहीं की जानी चाहिए। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी और पिछले लगभग एक साल से पीठ के निचले हिस्से में दर्द से परेशान रहे 28 वर्षीय चोपड़ा ने पिछले महीने ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों में 86.48 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने 2018 में इसी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया था। वह 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए थे। सुमारीवाला ने कहा कि 2016 में 86.48 मीटर का जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाने के बाद से वैश्विक मंच पर चोपड़ा ने अपने प्रदर्शन में जिस तरह की निरंतरता दिखाई है उसके लिए उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। सुमारीवाला ने पीटीआई से कहा, ''चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए रजत पदक जीतना शानदार प्रदर्शन है। हमें पूरा भरोसा है कि आने वाले दिनों में उनका प्रदर्शन और बेहतर होगा।'

जूनियर एशिया कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे अनमोल

एजेंसी, नई दिल्ली। डिफेंडर अनमोल एक्का 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में होने वाले एएचएफ (एशियन हॉकी महासंघ) जूनियर एशिया कप में 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगे। हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने अर्जुन संतोष हरगुडे और रितिक लाकड़ा को टूर्नामेंट के लिए दो वैकल्पिक खिलाड़ियों के रूप में भी नामित किया है। भारतीय टीम अभी बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र में नवनियुक्त कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। भारतीय टीम ने एशिया कप की तैयारी के सिलसिले में हाल में बेल्जियम का दौरा भी किया था। कोच सोयेज़ ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'जूनियर एशिया कप के लिए चुनी गई टीम बेहद संतुलित है। खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है। खिलाड़ियों का चयन लगातार अच्छे प्रदर्शन, सकारात्मक रवैये और दबाव में हमारी रणनीति पर अमल करने की क्षमता के आधार पर किया गया है।' उन्होंने कहा, 'एशिया कप में हमें कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। हम अनुशासित और आक्रामक हॉकी खेलने पर ध्यान देंगे और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने की कोशिश करेंगे।'

विमेंस एशिया कप में भारत और पाकिस्तान मैच 5 सितंबर को

एजेंसी, नई दिल्ली

विमेंस एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच 5 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने वीरवार को टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया। टी-20 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त को होगी। इस बार दो ग्रुपों ए और बी में कुल 8 टीमें प्रतियोगिता में भाग लेंगी। पहला मुकाबला थाईलैंड और हांगकांग के बीच होगा। भारत-पाकिस्तान ग्रुप-ए में शामिल हैं।

28 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट, 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा

8 टीमें ले रही हिस्सा, 13 सितंबर को फाइनल

यह विमेंस एशिया कप का छठा एडिशन होगा, जो टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के साथ थाईलैंड, हांगकांग-चीन को रखा गया है। ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया शामिल हैं। ग्रुप स्टेज के बाद दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही आयोजित किए जाएंगे।

विनीसियस जूनियर व रियाल मैड्रिड 2032 तक अनुबंध बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी, मैड्रिड। ब्राजील के स्टार विनीसियस जूनियर ने रियाल मैड्रिड के साथ अनुबंध बढ़ाने पर सहमति जताई है और वह जून 2032 तक स्पेनिश क्लब में बने रहेंगे। क्लब ने यह घोषणा की। 26 वर्षीय विंगर अपने मौजूदा अनुबंध के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुके थे और खबरों के अनुसार प्रीमियर लीग चैंपियन आर्सेनल ने उनमें दिलचस्पी दिखाई थी। विनीसियस ने 18 साल की उम्र में मैड्रिड में शामिल होने के बाद से 375 मैचों में 128 गोल किए हैं और क्लब को 14 खिताब जीतने में मदद की है(क्लब ने वीरवार को कहा, 'विनीसियस जूनियर हमारे इतिहास के सबसे सफल दौर में से एक के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक रहे हैं।'

विश्व कप में 28 साल बाद कोई भारतीय अंपायर नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी अंपायरिंग को बेहद कठिन और संघर्षपूर्ण कैरियर बताते हुए भारतीय दिग्गजों ने नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप में करीब तीन दशक बाद एक भी भारतीय अंपायर नहीं होने पर निराशा जताते हुए कहा कि अंपायरों की संख्या बढाने की बजाय गुणवत्ता पर फोकस करना होगा। नीदरलैंड के यूट्रेक्ट में 1998 में हुए विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट के अंपायरों या तकनीकी अधिकारियों में किसी भारतीय को जगह नहीं मिली है और सूची में यूरोपीय देशों का बोलबाला है। भारत के आरवी रघु प्रसाद (2010, 2014, 2018, 2023), सतिंदर शर्मा (2002, 2006, 2010), तरलोक सिंह भुल्लर (1994) और अमरजीत सिंह बावा (1990) विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके हैं।

पिछले साल 47 वर्ष की उम्र होने पर रिटायर होने से पहले ओलंपिक समेत 200 मैचों में अंपायरिंग करने वाले पहले एशियाई रघुप्रसाद ने भाषा से बातचीत में कहा ,' बड़े टूर्नामेंटों में अंपायरों की नियुक्तियां एफआईएच अंपायरिंग समिति करती है जिसके लिये पिछले बड़े टूर्नामेंटों, प्रो लीग वगैरह में प्रदर्शन मानदंड रहता है।' वहीं कई ओलंपिक और विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके शर्मा ने कहा ,' बावा सर, भुल्लर सर के बाद मैंने और रघु ने यह सिलसिला कायम रखा था।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की दो महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को दी अपनी नागरिकता

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल मार्च में शरण मांगने वाली ईरान की दो महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान कर दी है। फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रामेजानीसादेह ने वीरवार को एक बयान में कहा कि आव्रजन मंत्री टोनी बर्क ने उन्हें एक दिन पहले उनके ऑस्ट्रेलियाई गृह नगर ब्रिस्बेन में नागरिकता समारोह में शपथ दिलाई थी। स्थानीय ईरानी समुदाय के लोगों ने इस समारोह में भाग लिया। रामेज़ानीसादेह ने बयान में कहा, 'कल का दिन मेरे लिए सचमुच बहुत खास और अविस्मरणीय था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने मुझे अपना जीवन और भविष्य बनाने का अवसर दिया है।' पसंदिदेह ने कहा, 'बुधवार का दिन मेरे जीवन के सबसे खुशी भरे दिनों में से एक था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनकर मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है। हमने जो कुछ भी झेला है और जिन चुनौतियों का सामना किया है, उसके बाद यह पल मेरे लिए शब्दों से परे है।'

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद

सुप्रीम कोर्ट ने केस से जुड़ी आखिरी याचिका खारिज की

एजेंसी, नई दिल्ली

40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था।

घोटाले के आरोप के कारण 1989 का चुनाव हारे थे राजीव गांधी

क्या था बोफोर्स घोटाला?

यह मामला 1986 में भारत सरकार और स्वीडन की कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुई 1,437 करोड़ रुपए की तोप खरीद डील से जुड़ा है। 1987 में खुलासा हुआ कि इस सौदे को हासिल करने के लिए कथित रूप से कमीशन (रिश्वत) दिया गया। घोटाले के आरोप से राजीव गांधी 1989 का चुनाव हार गए थे। इसके बाद यह मामला देश के सबसे बड़े राजनीतिक घोटालों में शामिल हो गया।

जम्मू से 926 अमरनाथ यात्रियों का जत्था बालटाल के लिए रवाना

एजेंसी, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। जम्मू से शुक्रवार को यात्रियों का एक और जत्था बालटाल बेस कैंप के लिए भेजा गया। इस बीच भक्तों का एक जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच रामबन जिले से होते हुए जम्मू लौटा। पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, 926 यात्रियों वाला 29वां जत्था तड़के 2:59 बजे 42 वाहनों के साथ भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल रूट के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 693 पुरुष, 178 महिलाएं, 34 साधु और 21 साध्वियां शामिल हैं। इन्हें 210बसों, तीन माध्यम वाहन, 17 छोटे और एक दोपहिया वाहन से भेजा गया है। गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप की ओर बढ़ने से पहले यात्रा की आवाजाही सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक और सुरक्षाकर्मी तैनात रहे। इस बीच पवित्र गुफा के दर्शन कर 133 यात्रियों का 27वां बालटाल बेस कैंप से जम्मू के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 110 पुरुष, 21 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। यह सभी सात गाड़ियों में हैं। इन गाड़ियों में तीन भारी मोटर वाहन, एक हल्का मोटर वाहन और तीन ट्रक शामिल हैं। यह हिंदू धर्म की सबसे पवित्र और प्रमुख तीर्थ यात्राओं में से एक है।

मंत्री कब सदन में आएंगे, यह विपक्ष तय नहीं कर सकता : किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्यसभा में शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कोई मंत्री सदन में कब आएगा। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा के सभापति ने किसी मंत्री को सदन में मौजूद रहने का कोई निर्देश नहीं दिया है। रिजिजू ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं। हालांकि, किसी मंत्री का सदन में आना उस समय के निर्धारित कामकाज पर निर्भर करता है। यदि उनके मंत्रालय से संबंधित कोई कार्य सूचीबद्ध होता है, तभी मंत्री का सदन में उपस्थित होना आवश्यक होता है।

राज्यसभा में हंगामे के बाद कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने किसी मंत्री को सदन में उपस्थित रहने का निर्देश नहीं दिया है। रिजिजू का यह बयान विपक्ष की ओर से गृह मंत्री अमित शाह को सदन में बुलाने की लगातार मांग के बीच आया। दरअसल, 6 अगस्त को राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने संसदीय कार्य मंत्री से विपक्ष की मांग को गृह मंत्री तक पहुंचाने को कहा था। सभापति ने कहा था कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सदस्य गृह मंत्री की सदन में मौजूदगी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने रिजिजू से विपक्ष की भावनाओं को गृह मंत्री तक पहुंचाने का आग्रह किया था।

इससे पहले राज्य सभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सभा की कार्यवाही शुरू करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 2026 को ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ है। यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक पड़ाव था। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन ने देश की आजादी की लड़ाई को नई गति दी। गांधीजी के 'करो या मरो' के आह्वान ने करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की प्रेरणा दी। सभापति ने कहा कि ब्रिटिश शासन के कठोर दमन, जेल और तमाम कठिनाइयों के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का परिचय दिया। उनके त्याग और बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया और 1947 में देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर सदन उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेकर देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

सेंसेक्स 456 अंक गिरकर 78,499 के स्तर पर बंद

एजेंसी,मुंबई

7 अगस्त को सेंसेक्स 455 की गिरावट के साथ 78,499 पर बंद हुआ। निफ्टी में 65 अंकों की गिरावट रही, ये 24,570 के स्तर पर आ गया है। आज के कारोबार में बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकावली रही, जबकि आईटी और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही।

निफ्टी 65 अंक लुढ़कर 24571 के स्तर पर आया

सोने और चांदी के दामों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश में शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का भाव 1,49,730 प्रति 10 ग्राम एवं 22 कैरेट का भाव 1,37,250 रुपए प्रति 10 ग्राम व चांदी की कीमत लगभग 2,40,000 रुपए प्रति किलो रही।

जन्म से मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता पर डोनाल्ड ट्रंप का नया वार

बर्थ टूरिज्म रोकने के लिए जारी किए दो आदेश

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने और 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक लगाने के लिए दो नए कार्यकारी आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों में कुछ श्रेणियों के लोगों के बच्चों को नागरिकता से बाहर रखने का प्रावधान है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को सीमित करने और 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक लगाने के लिए गुरुवार को दो नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कुछ सप्ताह पहले ही अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर ट्रंप के पहले आदेश को खारिज कर दिया था।

क्या है पहला आदेश?

पहले आदेश का उद्देश्य उन लोगों पर कार्रवाई करना है जो केवल बच्चे को अमेरिका में जन्म दिलाने के लिए वहां आते हैं। इसे 'बर्थ टूरिज्म' कहा जाता है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ऐसे लोग पर्यटन वीजा का इस्तेमाल करते हैं, जबकि उनका असली मकसद बच्चे को अमेरिका में जन्म देकर उसे अमेरिकी नागरिक बनवाना होता है।

दूसरे आदेश में क्या है?

दूसरे आदेश में उन लोगों की श्रेणियों का दायरा बढ़ाया गया है, जिन्हें जन्म के आधार पर नागरिकता के लिए अयोग्य माना जाएगा। इसमें विदेशी सरकारों के लिए काम करने वाले या उनकी ओर से लॉबिंग करने वाले लोगों के बच्चों समेत कुछ अन्य श्रेणियां शामिल की गई हैं।